नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 211 | नई दिल्ली, मंगलवार 29 अक्टूबर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

आलिया की ब्रांड वैल्यू को करारा झटका... पेज-12

एक नजर

महाराष्ट्र के साथ बड़ा भेदभाव कर रहे हैं मोदी : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महाराष्ट्र के साथ भेदभाव कर रहे हैं और देश की आर्थिक राजधानी को गुजरात के बड़ोदरा में स्थानांतरित करने के लिए काम कर रहे हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां एक बयान में कहा कि टाटा की एयरबस बनाने के महाराष्ट्र के नागपुर में लगने वाली फैक्ट्री का श्री मोदी ने वडोदरा से उद्घाटन कर आर्थिक राजधानी को बदलने का संकेत दे कर उन्होंने महाराष्ट्र के घावों पर नमक छिड़कने का काम किया है, लेकिन अब भेदभाव की राजनीति नहीं होने दी जाएगी। श्री खेड़ा ने प्रधानमंत्री से पूछा "मोदी जी। महाराष्ट्र से भेदभाव क्यों। नागपुर में लगने वाले टाटा एयरबस सी- 295 फैसिलिटी का वडोदरा में उद्घाटन कर महाराष्ट्र के जख्म पर नमक छिड़क रहे हैं। देश की आर्थिक राजधानी गुजरात ले जाने की साज़िश की जा रही है।" उन्होंने कहा, "आपकी सरकार के दबाव में गुजरात भेजे गये 17 बड़े उद्योग। वेदांता फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर प्लांट से लेकर टाटा एयरबस यही नहीं, इंटरनेशनल फायनेंशियल सर्विसेज सेंटर (आईएफएससी), डॉयमंड ट्रेड सेंटर, बल्क ड्रग पार्क वगैरह, वगैरह भी महाराष्ट्र से छीन लिए गए। भेदभाव और बंटवारे की सियासत अब नहीं चलेगी।"

वक्फ समिति की बैठक छोड़क र बाहर निकले विपक्षी सदस्य

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त समिति की बैठक सोमवार को हुई जिसमें से कई विपक्षी सदस्य दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रस्तुतिकरण का विरोध करते हुए बैठक से बाहर निकल गए। विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि समिति के समक्ष पेश हुए दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रशासक ने दिल्ली सरकार की जानकारी के बिना प्रस्तुतिकरण में बदलाव किया है। आम आदमी पार्टी के सदस्य संजय सिंह, द्रमुक सांसद मोहम्मद अब्दुल्ला, कांग्रेस के नसीर हुसैन और मोहम्मद जावेद समेत अन्य कुछ विपक्षी सदस्य बैठक छोड़कर बाहर निकल गए। विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के आयुक्त और दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रशासक अश्विनी कुमार ने मुख्यमंत्री की मंजूरी के बिना वक्फ बोर्ड की प्रारंभिक रिपोर्ट को पूरी तरह बदल दिया।

मोदी रोजगार मेले को संबोधित करेंगे और नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को 51,000 से अधिक चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे और रोजगार मेले को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को यहां बताया कि श्री मोदी ये नियुक्ति पत्र वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से वितरित करेंगे। रोजगार मेला रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए सार्थक अवसर प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाएगा।

देश भर में 40 स्थानों पर रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नए कर्मचारी केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, जैसे राजस्व विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय आदि शामिल होंगे।

नये कर्मचारियों को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन मॉड्यूल ह्यकर्मयोगी प्रारम्भह्व के माध्यम से आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

60 फ्लाइट में फिर बम की धमकी

एअर इंडिया की दिल्ली-कोलंबो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, 15 दिन में 400 से ज्यादा फेक थ्रेट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में बम की धमकी लगातार 15वें दिन भी जारी रही। सोमवार को इंडियन एयरलाइंस की 60 से अधिक फ्लाइट्स को बम ब्लास्ट की धमकी मिली।

धमकी के कारण एअर इंडिया की दिल्ली-कोलंबो अक 281 फ्लाइट की कोलंबो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसमें 108 पैसेंजर्स और 8 क्रू सवार थे। फ्लाइट की जांच की गई, लेकिन खबर झूठी निकलीं।

बीते 15 दिनों में 400 से ज्यादा फ्लाइट्स में बम की धमकी मिल चुकी है। सभी फर्जी पाई गईं। आज मिली धमकियों में एअर इंडिया-इंडिगो 21-21 फ्लाइट, विस्तारा की 20 फ्लाइट शामिल हैं।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए बम की धमकियां दी गईं। इसके बाद तय प्रोटोकॉल फॉलो किया गया और सिक्योरिटी कदम उठाए गए।

मंत्री बोले- धमकी देने वाले नो फ्लाइंग लिस्ट में डाले जाएंगे केंद्रीय सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने 27 अक्टूबर को कहा कि केंद्र सरकार बम की झूठी धमकियां देने वालों को उड़ान भरने से रोकने के लिए कदम उठाने पर विचार कर रही है। इसके लिए सरकार कानूनों में संशोधन करने पर भी विचार कर रही है।

कानूनों में बदलाव किए जाएंगे। जो लोग इस तरह की गतिविधियों में शामिल होंगे, उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी और जुमार्ना लगाया जाएगा। ऐसे लोगों को नो फ्लाइंग लिस्ट में भी डाला जाएगा। हम आने वाले दिनों में इसकी घोषणा करेंगे।

बम की धमकी मामले में अब तक दो पकड़े फ्लाइट में बम की झूठी धमकी देने वाले 25 साल के युवक को दिल्ली पुलिस ने 26 अक्टूबर को हिरासत में लिया था। पुलिस के मुताबिक 25 साल के शुभम उपाध्याय ने 25 अक्टूबर को कक्क एयरपोर्ट पर फ्लाइट में बम की झूठी धमकी वाली दो पोस्ट की थीं। पूछताछ में उसने बताया कि फेमस होने के लिए उसने ऐसा किया है।

इससे पहले मुंबई पुलिस ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से 17 साल के नाबालिग को हिरासत में लिया था। उसका एक दोस्त से पैसों

केंद्र की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को एडवाइजरी... 6 बड़ी बातें

1. झूठी बम की धमकियों जैसी अन्य गलत सूचना के प्रसार को रोकने की जिम्मेदारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की होगी।
2. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (BNSS) के तहत भारत की सुरक्षा या आर्थिक स्थिरता को खतरा पैदा करने वाली बम की धमकियों जैसी सूचनाओं के बारे में IT Rules, 2021 के तहत तय डेडलाइन में गलत सूचना को हटाना होगा।
3. जांच और साइबर सुरक्षा के लिए अधिकृत सरकारी एजेंसियों को 72 घंटे में जानकारी देनी होगी और हरसंभव सहायता करनी होगी।
4. यूजर्स को ऐसी जानकारी को शेयर करने से रोकना होगा।
5. अगर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ऐसा नहीं करते हैं तो IT Act की धारा 79 के तहत मिलने वाली इम्युनिटी उन्हें नहीं मिलेगी।
6. अगर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं करते हैं, तो उन पर IT Act और BNS (भारतीय न्याय संहिता, 2023) के तहत कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

'सलमान की उड़ी रातों की नींद, फोन कर लेते हैं हालचाल' : जीशान सिद्दीकी

NCP लीडर बाबा सिद्दीकी बॉलीवुड वर्ल्ड में अपनी बेस्ट इफ्तार पार्टियों के लिए जाने जाते थे. वो बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के बेहद करीबी दोस्त थे. एक्टर को जान का खतरा होने के बावजूद वो उनके अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे थे. बाबा सिद्दीकी की मौत का एक्टर को गहरा सदमा लगा है. वो रातों को सो नहीं पाते हैं. भले ही बाबा की हत्या हुए 16 दिन हो चुके हैं लेकिन सलमान आज भी उनके परिवार से टच में हैं. इतना ही नहीं वो हर रात बाबा के बेटे जीशान को कॉल कर उनका हालचाल लेते हैं. बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी ने बताया कि सलमान आज भी उनके पिता की हत्या से दुखी हैं. वो अक्सर उन्हें याद करते हैं और परिवार से बात कर उनका हालचाल लेते हैं. सलमान का सोना मुश्किल हो गया है. जीशान बोले- सलमान भाई इस घटना के बाद से बहुत दुखी हैं. पिताजी और सलमान भाई सगे भाइयों की तरह एक-दूसरे के करीब थे. पिताजी की मौत के बाद भाई ने हमारा बहुत साथ दिया है. वो हमेशा मेरा हालचाल पूछते हैं और रात में मुझसे बात करते हैं कि मैं सो नहीं पा रहा हूं. उनका साथ हमेशा बना रहता है और आगे भी बना रहेगा.

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने पप्पू यादव को धमकाया

पटना: पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को हाल ही में हत्या की धमकी मिलने से बिहार में पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। यह धमकी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य द्वारा दी गई है, जिसका नाम अज्जू लॉरेंस बताया जा रहा है। धमकी के बाद पप्पू यादव ने बिहार पुलिस के डीजीपी को इस मामले की सूचना दी है और सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

सूत्रों के अनुसार, पप्पू यादव को यह धमकी एक वाट्सएप कॉल के माध्यम से मिली। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए पप्पू यादव को सीधे तौर पर चेतावनी दी। धमकी देने वाले ने स्पष्ट रूप से कहा, "रेस्ट इन पीस कर देंगे," जिससे उनकी मंशा की गंभीरता साफ होती है। इस कॉल के दौरान, अज्जू लॉरेंस ने पप्पू यादव को उनके राजनीतिक बयानों को लेकर भद्दे शब्दों में जवाब दिया और उन्हें अपनी स्थिति में रहने की सलाह दी।

पप्पू यादव ने इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए कहा, "लॉरेंस का नाम लेकर मुझे धमकी दी गई है। मैं लगातार मिल रही धमकियों से आहत हूं और इससे मुझे डर लग रहा है। मेरी सुरक्षा को लेकर सरकार को गंभीर होना चाहिए। मैंने इस मामले की शिकायत बिहार के डीजीपी और आईजी से की है और गृह मंत्री अमित शाह से भी इस मामले में बात की है।"

उन्होंने यह भी कहा कि "मेरे साथ किसी भी प्रकार की अनहोनी घटना हो सकती है, इसलिए मेरी सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।"

सिर्फ लॉरेंस बिश्नोई गैंग ही नहीं, बल्कि झारखंड जेल में बंद एक गैंगस्टर से भी पप्पू यादव को धमकी मिली है। मयंक सिंह नामक एक व्यक्ति ने 26 अक्टूबर को फेसबुक पर लिखा कि पप्पू यादव ने लॉरेंस बिश्नोई के बारे में उल्टा बयान दिया है। मयंक ने कहा, "पप्पू यादव को स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि वह अपनी औकात में रहकर राजनीति करें। अगर वह अपनी हरकतें नहीं बदलते, तो हम उन्हें 'रेस्ट इन पीस' कर देंगे।"

देश की संपत्ति को कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित किया जा रहा है: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसके तहत केवल एकाधिकार को प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है, बल्कि देश की संपत्ति को कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा के साथ वीडियो संवाद की नई कड़ी में माधवी बुच और अदाणी समूह को लेकर बात की।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'संस्थागत पतन ने अब मित्रवादी पूंजीवाद के एक और अधिक खतरनाक रूप 'अदाणी बचाओ' को जन्म दे दिया है। वर्तमान शासन अब केवल एकाधिकार को प्रोत्साहित नहीं कर रहा है, यह सक्रिय रूप से देश की संपत्ति को कुछ लोगों के हाथों

में केंद्रित कर रहा है। राहुल गांधी ने दावा किया कि माधवी बुच से जुड़ा घोटाला जो दिख रहा है, उससे कहीं अधिक व्यापक है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ऐसा हो सकता है कि बुच, जिसे खुदरा निवेशकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, अदाणी समूह के हितों और उसके बढ़े हुए मूल्यांकन की रक्षा के लिए व्यवस्थित तरीके से हेरफेर कर रहा हो।

महाराष्ट्र चुनाव : वर्ली सीट पर आदित्य ठाकरे की अग्नि परीक्षा

शिंदे ने मिलिंद देवड़ा को उतारकर रचा 'चक्रव्यूह'

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की लड़ाई रोमांचक होती जा रही है। वर्ली सीट से शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे चुनावी ताल ठोक रहे हैं। वह पिछली बार भी इसी सीट से निर्वाचित हुए थे। हालांकि, इस बार उनकी राह आसान नहीं दिख रही। एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना ने उनके सामने मिलिंद देवड़ा को उतारा है।

वर्ली विधानसभा एक हाईप्रोफाइल सीट है। इस सीट से साल 2019 में आदित्य ठाकरे ने बाजी मारी थी। वह बात शिवसेना

में फूट से पहले की थी। उस दौरान उन्होंने शिवसेना प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा और उन्हें 89,248 वोट मिले थे, जबकि दूसरे नंबर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रत्याशी सुरेश माने रहे थे, जिन्हें 21,821 वोट मिले थे। आदित्य ठाकरे ने करीब 67 हजार वोटों के साथ जीत हासिल की थी।

साल 2019 की तुलना में अब महाराष्ट्र की सियासत में भी काफी बदलाव आया है। यहां शिवसेना के दो गुट हैं। एक गुट का नेतृत्व उद्धव ठाकरे करते हैं, जबकि दूसरे गुट का नेतृत्व एकनाथ शिंदे करते हैं।

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने आदित्य ठाकरे के खिलाफ मिलिंद देवड़ा को टिकट दिया है। वर्ली विधानसभा सीट, मुंबई दक्षिण लोकसभा में आती है। इस क्षेत्र को देवड़ा परिवार का गढ़ माना जाता है। शिंदे ने आदित्य ठाकरे की घेराबंदी करने के लिए मिलिंद देवड़ा जैसे मजबूत चेहरे पर दांव चला है।

मोदी ने अमरेली में 4900 करोड़ रु के विकास कार्यों का किया लोकार्पण, शिलान्यास

अमरेली/नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के अमरेली जिले में लगभग 4900 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का सोमवार को लोकार्पण और शिलान्यास कर दीपावली एवं गुजराती नूतन वर्ष से पहले राज्य के लोगों को करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी।

श्री मोदी ने यहां एक सार्वजनिक समारोह में अमरेली और उसके आस पास के लगभग 4,900 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें दुधाला में भारत माता सरोवर के उद्घाटन के साथ विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। यह भारत माता सरोवर राज्य सरकार और निजी क्षेत्र के ढोलकिया फाउंडेशन के सहयोग से विकसित की गयी

है। ढोलकिया फाउंडेशन ने एक चेक डैम की क्षमता बढ़ाकर 24.5 करोड़ लीटर की है। अमरेली जिले में जिन विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया, उनमें अमरेली, जामनगर, मोरबी, देवभूमि द्वारका, जूनागढ़, पोरबंदर, कच्छ तथा बोटाद जिलों के लगभग 1600 विकास कार्य शामिल हैं।

गुजरात सरकार एवं धोलकिया फाउंडेशन द्वारा जन-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल अंतर्गत अमरेली जिले में लाठी के दुधाला में हेतनी (हेत की) हवेली के पास 35 करोड़ रुपये की लागत से भारत माता सरोवर का निर्माण किया गया है। वॉटरशेड (जलग्रहण) विभाग के 4.50 करोड़ लीटर जल संग्रहण क्षमता वाले चेकडैम (तटबंध) को धोलकिया फाउंडेशन द्वारा गहरा कराया गया है। इसकी चौड़ाई बढ़ाई गयी है तथा चेकडैम के दोनों ओर से मिट्टी डाल कर उसकी मजबूती बढ़ाई गयी है। इसके फलस्वरूप इस तटबंध की जल संग्रहण क्षमता में 20 करोड़ लीटर की वृद्धि हुई है। इस तटबंध को भारत माता सरोवर नाम दिया गया है और हाल में इस भारत माता सरोवर में 24.50 करोड़ लीटर जल का संग्रह हुआ है। इसके कारण आसपास के खेतों में स्थित बोरवेल एवं कुओं के जल स्तर में वृद्धि हुई है, आसपास गांवों में पानी की सुविधा हुई है और गांव के किसानों को सिंचाई के लिये परोक्ष रूप से इस सरोवर का लाभ मिला है।

श्री मोदी ने आज अमरेली जिले से जलापूर्ति विभाग के 705 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया। इनमें 112 करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास तथा 644 करोड़ रुपये के कार्यों का लोकार्पण, इन विकास कार्यों में बोटाद जिले के लिये नावडा से चावंड बल्क पाइप लाइन का लोकार्पण तथा भावनगर जिले में पीने के पानी की पसवी समूह ऑगमेंटेशन जलापूर्ति योजना भाग-2 के कार्यों का शिलान्यास शामिल है। नावडा से चावंड बल्क पाइप लाइन प्रोजेक्ट पूरा होने से बोटाद, अमरेली, जूनागढ, राजकोट एवं पोरबंदर जिलों के 1298 गांवों तथा 36 शहरों के लगभग 67 लाख लाभार्थियों को अतिरिक्त 28 करोड़ लीटर जल की आपूर्ति की जा रही है, जबकि भावनगर जिले में पीने के पानी की योजनाओं के अंतर्गत महुवा, तलाजा और पालीताणा तहसीलों के 95 गांवों को शामिल किया गया है, जिनकी जनसंख्या लगभग 2.75 लाख है।

देश में सुनियोजित तरीके से नफरत और गुस्सा फैलाती है केंद्र सरकार : प्रियंका गांधी

वायनाड, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए सोमवार से अपने अभियान का आगाज किया। उन्होंने मीनांगडी में एक चुनावी रैली को संबोधित किया।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे जो प्यार दिया है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। कुछ दिन पहले मैं अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए वायनाड आई थी। मैं रात में जब अपने होटल जा रही थी, उसी दौरान मैंने कुछ लोगों को खड़ा देखा, इसलिए मैं रुक गई और उनसे बात की।

उन्होंने आगे कहा, उनमें से एक शख्स सेना से था। उसने बताया कि वह अपनी नौकरी के

लिए पूरे देश में यात्रा कर चुका है। उसकी मां मुझसे मिलना चाहती थी, लेकिन वह उस जगह तक चलकर नहीं आ सकती थी, इसलिए मैंने उससे कहा कि वह मुझे अपने घर ले जाए, ताकि मैं उनसे मिल सकूं। उन्होंने मुझे पहले कभी व्यक्तिगत रूप से नहीं देखा था, लेकिन जब वह मुझसे मिलीं तो उन्होंने मुझे ऐसे गले लगाया, जैसे मैं उनकी अपनी बच्ची हूं। उन्होंने मुझे ठीक वैसे ही पकड़ा था जैसे मेरी मां पकड़ती है। मुझे कोई अंतर महसूस नहीं हुआ। आप सभी ने मुझे वायनाड में कदम रखते ही प्यार दिया है।

कांग्रेस आठ नवंबर को शुरू करेगी दिल्ली न्याय यात्रा

❍ दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने कसी कमर
❍ 8 नवंबर को राजघाट से शुरू होगी कांग्रेस न्याय यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस न्याय यात्रा शुरू करने जा रही है। इसमें प्रदेश के बड़े नेताओं के अलावे राहुल गांधी शामिल होंगे। इस यात्रा के जरिए दिल्ली के लोगों को आम आदमी पार्टी से पहले दिल्ली में लगातार 15 साल (1998-2013) तक कांग्रेस राज के दौरान दिल्ली में हुए कामकाज, आगे दिल्ली को लेकर पार्टी का क्या विजन है, इसके बारे में लोगों को बताने की कोशिश होगी। प्रदेश कांग्रेस ने इसे "दिल्ली न्याय यात्रा" नाम दिया है। इस यात्रा के मुद्दे पर लंबे समय बाद 28 अक्टूबर को एक साथ कांग्रेस के सभी नेता एक मंच पर साथ दिखाई दिए। सोमवार को इस न्याय यात्रा के संबंध में जानकारी देते हुए कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर अगले महीने दिल्ली न्याय यात्रा निकाली जाएगी ताकि शहर के लोगों से बातचीत की जा सके और उनके मुद्दों व समस्याओं के बारे में जाना जा सके। यादव ने कहा कि यह यात्रा आठ नवंबर को राजघाट से शुरू होगी और दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले चार दिसंबर को समाप्त होगी। यादव ने यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में दिल्ली न्याय यात्रा की शुरूआत के मौके पर आयोजित एक समारोह में कहा कि इसके चार चरण होंगे। उन्होंने कहा, यात्रा के दौरान हम दिल्ली के लोगों से बातचीत करेंगे और जानेंगे कि पिछले 10 वर्षों से वे किन मुद्दों और समस्याओं से जूझ रहे हैं। यात्रा आठ नवंबर को राजघाट से शुरू होगी। इसके चार चरण होंगे और पहले चरण में यात्रा 16 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरेगी। यादव ने कहा, 15 से 20 नवंबर तक दूसरे चरण में यात्रा 18 क्षेत्रों, 22 से 27 नवंबर तक तीसरे चरण में 16 और 29 नवंबर से चार दिसंबर तक चौथे चरण में 20 निर्वाचन क्षेत्रों से गुजरेगी। 04 दिसंबर तक सभी विधानसभाओं में जाएगी यात्राः वहीं इस यात्रा के जरिए दिल्ली की जनता को महसूस होगा कि दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी लगातार अकुशलता की वजह से दिल्ली बहुत कुछ खोने को मजबूर है। राहुल गांधी के रास्ते को आगे बढ़ाते हुए आगामी 8 नवंबर से 4 दिसंबर तक दिल्ली न्याय यात्रा को लेकर हम जनता के बीच जाएंगे। इसके जरिए दिल्ली के लोगों तक हम पहुंचेंगे, मुलाकात करेंगे, बातचीत करेंगे और उनकी पीड़ा जानेंगे। शीला दीक्षित के शासन काल को आधार बनाकर ब्लूप्रिंट करेंगे तैयार :शीला दीक्षित जी के समय में 1998 से 2013 तक जिस तरीके की दिल्ली का निर्माण हुआ, एक मजबूत दिल्ली बनी दिल्ली का ढांचा तैयार हुआ था, आज कहीं ना कहीं उसे ढांचे को हम देख रहे हैं। दिल्ली के काम में गिरावट आई है। इन मुद्दों के साथ इन्हीं बातों के साथ हम यह चाहते हैं कि दिल्ली की कांग्रेस हर घर तक हर जन तक पहुंचे। उनकी पीड़ा जाने और आने वाले चुनाव में उसके दर्द को किस बेहतर तरीके से उनका समाधान निकाल सकते हैं उसका एक ब्लूप्रिंट तैयार करें। राजघाट से शुरू होगी दिल्ली न्याय यात्रा :प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जेपी अग्रवाल के अनुसार दिल्ली के सभी कांग्रेस कमेटी के साथियों का साथ लेकर हम यात्रा करेंगे। दिल्ली की यात्रा 8 नवंबर से राजघाट से शुरू होगी। चार चरणों मे इस यात्रा के दौरान पहले चरण राजघाट से शुरू होगा। यह पहला फेज होगा। यह यात्रा लगभग 16 विधानसभाओं से होकर गुजरेगी। दूसरा चरण 15 नवंबर से शुरू होगा 20 नवंबर तक चलेगा। इसमें भी लगभग 18 दिल्ली की विधानसभाओं को कवर किया जाएगा। उसके पश्चात तीसरा चरण 22 नवंबर से शुरू होगा और 27 नवंबर तक चलेगा। इस चरण में 16 विधानसभाओं के बीच निकलते हुए लोगों से उनकी बात सुनते हुए अपनी इस यात्रा को आगे बढ़ाया जाएगा। यात्रा को सफल बनाने के लिए कांग्रेस करेगी दिन-रात एक : फाइनल चरण जो चौथा चरण है 29 नवंबर से शुरू होगा वह 4 दिसंबर तक चलेगा और इसमें लगभग 20 विधानसभाओं को लोगों के पास कांग्रेस नेता जाएंगे। 8 नवंबर को राजघाट से शुरू यात्रा में चांदनी चौक, मटिया महल, बल्लीमारान, सदर बाजार, करोल बाग, पटेल नगर, दिल्ली कैंट, मोती नगर, शकूरबस्ती, श्रीनगर, मॉडल टाउन, आदर्श नगर, शालीमार जैसे क्षेत्र के बीच से होकर गुजरेगी। दिल्ली की इस यात्रा को सफल बनाने के लिए कांग्रेस नेता दिन और रात मेहनत करेंगे। वे दिल्ली की जनता की समस्याओं को सुनने के लिए पूरा एक महीना प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा लगाए गए कैंप में ही रात्रि विश्राम करके अगले दिन सवेरे यात्रा पर निकलेंगे। इन मुद्दों पर जनता से होगी बात : प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि 11 वर्ष बीतने के बाद लोकपाल बिल का कोई अता-पता नहीं है। जिसकी बात अरविंद केजरीवाल करते थे। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता के लिए बहुत सारे वादे किए, दिल्ली को फ्री पानी देने का लेकिन आज ज्यादातर क्षेत्र में जनता को पानी मिल नहीं रहा है।

अगर मिल रहा है तो वह है गंदा पानी। जिसकी वजह से दिल्ली में टैंकर माफिया का राज चल रहा है। मुफ्त बिजली के मुद्दे पर उन्होंने कहा था कि आधे बिल हम कर देंगे। लेकिन दुख तब होता है सरकारी आंकड़े हम देखते हैं उसमें स्पष्ट नजर आता है शीला दीक्षित की सरकार के समय में 5 रुपए यूनिट हुआ करती थी आज वही बिजली लगभग 10- 12 रुपए यूनिट मिल रही है। प्रदूषण की हालत हम देखते हैं डीजल वाली बसों को हमने सीएनजी में कन्वर्ट करने का काम किया था। कांग्रेस की सरकार थी मुझे याद है जब केरोसिन का मामला था हमने फ्री सिलेंडर देने का काम किया। आज यमुना की जो हालात हम सबके सामने हैं वह एक गंदे नाले के रूप में दिख रही है। दिल्ली न्याय यात्रा के लिए पोस्टर, लोगो और टीशर्ट लांचः कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली में शुरू होने वाली न्याय यात्रा के तहत लोगो, टी-शर्ट और पोस्टर को भी लॉन्च किया है।

इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन, पूर्व अध्यक्ष दिल्ली कांग्रेस कमेटी सुभाष चोपड़ा, पूर्व मंत्री हारून यूसुफ, राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा, आलोक शर्मा, महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा समेत अन्य नेता मौजूद थे।

अगले महीने एमसीडी सदन की बैठक के दौरान महापौर चुनाव होंगे : ओबेरॉय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर चुनाव अगले महीने सदन की बैठक के दौरान होंगे। महापौर शैली ओबेरॉय ने सोमवार को मौजूदा सत्र को स्थगित करते हुए यह घोषणा की। महापौर का चुनाव करीब छह महीने से लंबित है। ओबेरॉय के सदन में पहुंचने के तुरंत बाद, विपक्षी पार्टी के पार्षदों ने प्रदूषण और महापौर चुनाव में देरी जैसे मुद्दों पर नारे लगाए, जिससे हंगामा हुआ। पार्षदों ने महापौर का चुनाव कराने की मांग की, जो तीसरे कार्यकाल के लिए दलित उम्मीदवार के लिए आरक्षित है और अप्रैल से लंबित है। हंगामे के बीच ओबेरॉय ने कहा, आश्वस्त रहें कि अगली बैठक में चुनाव होंगे। अभी हमें चर्चा के एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हालांकि, जब विपक्षी पार्षदों ने आपत्तियां उठाना जारी रखा, तो ओबेरॉय ने कई प्रस्ताव पारित किए और सदन को अगली बैठक तक के लिए स्थगित कर दिया। महापौर के देरी से पहुंचने के कारण सदन की कार्यवाही निर्धारित समय पूर्वाह्न 11 बजे से 45 मिनट देरी से शुरू हुई, जिस पर कई पार्षदों ने विरोध जताया।

पटेल चौक के पास गुरुवार को रास्ते बंद रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस के मौके पर गुरुवार को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाएगा। सरदार पटेल को श्रद्धांजलि देने के लिए पटेल चौक पर एक कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके चलते आसपास के क्षेत्र में यातायात प्रभावित रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वह इस दौरान वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करें। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह चार बजे से लेकर कार्यक्रम समाप्त होने तक पटेल चौक की तरफ जाने वाले रास्ते बंद रहेंगे। गोल डाकखाना से अशोक रोड और पंडित पंत मार्ग की तरफ वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। अशोक रोड से पटेल चौक और बूटा सिंह मार्ग पर किसी भी प्रकार के वाहनों का जाना प्रतिबंधित रहेगा। टॉलस्टॉय क्रॉसिंग से पटेल चौक और जयसिंह रोड की तरफ वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। संसद मार्ग- इम्तियाज खान मार्ग क्रॉसिंग से पटेल चौक की तरफ जाने वाला रास्ता वाहनों के लिए बंद रहेगा। इस दौरान वाहन चालक बाबा खड़क सिंह मार्ग और जनपथ के रास्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्वाति मालीवाल ने किया शीश महल कालोनी का दौरा

स्सरकार से बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के किराड़ी क्षेत्र की शीश महल कॉलोनी का दौरा किया और वहां की दयनीय स्थिति पर गहरा दुख व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि क्षेत्र में न तो सड़कें हैं, न सीवर, न ही पीने के लिए साफ पानी, और न ही स्वच्छता की बुनियादी सुविधाएं। जगह-जगह खुले नाले और कूड़े के ढेर से स्थानीय निवासियों को बेहद कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में जल जमाव के बीच में खुले तारों के कारण करंट लगने से कई जान भी गई हैं। स्वाति मालीवाल ने कहा, दिल्ली में दो शीश महल हैं। एक वह शीश महल है, जिसमें 6 करोड़ के पर्दे और 10 लाख रुपये के टॉयलेट्स लगे हैं। दूसरी तरफ, टैक्सपेयर्स की ह्यशीश महल कॉलोनी है, जहां मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। यहां की जनता को न सड़कें मिली हैं, न पीने का साफ पानी, और न ही स्वच्छता की कोई व्यवस्था है। स्थानीय निवासियों ने मिले फीडबैक के आधार पर स्वाति मालीवाल ने कहा कि जल भराव के चलते पिछले दस सालों में 150 से ज्यादा लोगों की यहां करंट लगने के कारण मृत्यु हो चुकी है। स्वाति एक ऐसी बुजुर्ग महिला से भी मिलीं, जिसके पति की दो महीने पहले ही करंट लगने से मृत्यु हुई। उस महिला ने स्वाति को बताया कि अभी तक उसके पास न विधायक, न पार्षद और न ही दिल्ली सरकार का कोई अफसर मिलने आया। स्वाति मालीवाल ने स्थानीय विधायक ऋतुराज को मौके पर बुलाया और पिछले दस वर्षों में कॉलोनी का दौरा नहीं करने के लिए उन्हें कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने अपनी नाराजगी जताते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना को चेतावनी दी कि यदि इस कॉलोनी की स्थिति में जल्द सुधार नहीं किया गया तो वे टैंकर भरकर इस क्षेत्र के सीवर के पानी को मुख्यमंत्री के आवास के बाहर फेंकने के लिए बाध्य होंगी। उन्होंने कहा, यह दिल्ली के टैक्सपेयर्स के साथ अन्याय है, जिन्हें सरकार द्वारा बुनियादी सुविधाओं से वंचित किया गया है। जब टैक्सपेयर के पैसों से मुख्यमंत्री आवास शीश महल बनाया जा सकता है तो गरीबों को कीड़े मकौड़े की तरह जीने पर क्यों विवश किया जा रहा है। मैं सरकार से तुरंत कदम उठाने की मांग करती हूं, ताकि इस कॉलोनी के निवासियों को एक गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार मिल सके।

विनय मिश्रा ने दिल्ली जल बोर्ड उपाध्यक्ष का चार्ज संभाला

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आआपा) विधायक विनय मिश्रा ने सोमवार को औपचारिक रूप से दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के उपाध्यक्ष का पद संभाल लिया। इसी के साथ ही उन्होंने दिल्लीवासियों को स्वच्छ पानी और मुफ्त जल उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर विनय मिश्रा ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली जल बोर्ड को पिछले एक साल से अपंग कर दिया था। न तो पानी की सप्लाई सही से करने दे रहे हैं और न सीवर की सफाई होने दे रहे हैं। हालांकि, अब अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आ गए हैं और उनके आने के बाद दिल्ली में युद्ध स्तर पर काम हो रहे हैं। सड़कों की मरम्मत की जा रही है और अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर अब दिल्ली जल बोर्ड भी बहुत जल्द पटरी पर आ जाएगा। सीवर और पानी की समस्याओं को हम जल्द ही हल कर देंगे।

दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध सख्ती से लागू हो, पर्यावरण मंत्री ने एलजी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदूषण की रोकथाम के लिए दिल्ली में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय का दावा है कि दिल्ली में पटाखों का उत्पादन, भंडारण और वितरण किया जा रहा है। अब गोपाल राय ने उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों पर लागू प्रतिबंधों का उल्लंघन किए जाने पर कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया।

गोपाल राय ने सोमवार को उपराज्यपाल को लिखे पत्र में कहा है, मेरे संज्ञान में लाया गया है कि प्रतिबंध के बावजूद दिल्ली के विभिन्न बाजारों में पटाखे खुलेआम बेचे जा रहे हैं। ये पटाखे दिल्ली को हरियाणा और उत्तर प्रदेश से जोड़ने वाली विभिन्न सीमाओं के जरिए लाए जा रहे हैं। प्रदूषण पर लगाम लगाने के इरादे से पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने 14 अक्टूबर को शहर में 1 जनवरी तक पटाखों के उत्पादन, भंडारण, वितरण और उपयोग पर रोक लगाने की घोषणा की थी। पत्र में आगे लिखा गया है, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के रूप में दिल्ली पुलिस ने पटाखों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया है। विक्रेता खुलेआम लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन कर रहे हैं। पत्र में ये भी कहा गया है, दिवाली के दौरान इन पटाखों को फोड़ने से वायु प्रदूषण और दिल्ली के निवासियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने वाला है। सोमवार को वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। वायु गुणवत्ता पूवार्नुमान एवं अनुसंधान प्रणाली (सफर) के अनुसार दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 328 दर्ज किया गया।

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल का बड़ा ऐलान, दोबारा मुख्यमंत्री बना तो पानी के सारे बिल कर देंगे माफ

-वजीरपुर में अरविंद केजरीवाल ने लोगों से की मुलाकात
-भाजपा पर जमकर साधा निशाना -कहा- 70 की 70 सीटें जिताएं

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में आप नेताओं की पदयात्रा जारी है। इसी कड़ी में रविवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल वजीरपुर विधानसभा इलाके पहुंचे। इस दौरान वे दुकानदारों, बुजुर्गों एवं रेहड़ी पटरी वालों से भी मिले और अपने कामों को जनता के सामने रखा। उनके साथ स्थानीय विधायक व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में कभी ऐसा काम ही नहीं हुआ जितना दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार ने किया है। वहीं भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा कहती है कि दिल्ली में जनता को कुछ भी फ्री नहीं देना चाहिए। भाजपा शासित 22 राज्यों में अभी भी बिजली की कटौती होती है, लेकिन दिल्ली में 24 घंटे बिजली आती है। पहले दिल्ली में भी कई कई घंटे बिजली नहीं आती थी। बिजली बिल होंगे माफः अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली में किसी को भी बिजली का बिल जमा करने की जरूरत नहीं है। 2025 के विधानसभा चुनाव के बाद सभी के बिजली बिल माफ कर दिए जाएंगे।

बाप-बेटे ने थाना प्रभारी और सिपाही को पीटा

नई दिल्ली, एजेंसी। बुलेट बाइक पर प्रतिबंधित साइलेंसर लगाकर घूम रहे बाप बेटे ने जांच के लिए रोकने पर जामिया नगर थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर व एक कांस्टेबल पर हमला कर दिया। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जामिया नगर थाना पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त रवि कुमार ने बताया कि इंस्पेक्टर नरपाल सिंह जामिया नगर थाने के प्रभारी हैं। वह 26 अक्टूबर की रात 8.45 बजे अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। बटला हाउस के पास कब्रिस्तान चौक से जाकिर नगर मार्केट की ओर जा रही एक बुलेट बाइक तेज आवाज कर रही थी। उसमें प्रतिबंधित साइलेंसर लगा था। इसको लेकर नरपाल सिंह के निर्देश पर पुलिसकर्मियों ने बाइक चालक को रोका। जांच में पता चला कि साइलेंसर अवैध रूप से अपग्रेड किया गया था, जिससे अधिक शोर हो रहा था। इस तरह का मोडिफिकेशन मोटर वाहन अधिनियम के खिलाफ है। इसलिए बाइक सवार आसिफ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। इसी दौरान उसने फोन कर अपने पिता रियाजुद्दीन को बुला लिया। आरोप है कि दोनों बाप-बेटे ने बाइक को छुड़ाने के लिए पुलिसकर्मियों को धमकाया। इस पर थाना प्रभारी नरपाल सिंह पहुंचे तो उनके साथ हाथापाई शुरू कर दी। आसिफ के पिता ने प्रभारी को पकड़ लिया और आसिफ ने उनकी आंख के पास मुक्का मारा।

एक नजर

एनडीएमसी का सतर्कता जागरुकता सप्ताह शुरू, सचिव ने दिलाई सत्यनिष्ठा की शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। सतर्कता जागरुकता सप्ताह के तहत नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के सचिव कृष्ण मोहन उप्पू ने सोमवार को सभी विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता रखने की शपथ दिलाई। दरअसल, एक लोकसेवक के रूप में सरकारी कामकाज और सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के महत्व पर जोर देने के लिए एनडीएमसी 28 अक्टूबर से 03 नवंबर तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह मना रही है। इस वर्ष सतर्कता जागरुकता सप्ताह का विषय राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति है। इसी थीम पर एनडीएमसी कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

इस सप्ताह के तहत एनडीएमसी अपने कर्मचारियों और एनडीएमसी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ एनडीएमसी के विभिन्न विभागों के माध्यम से एक सप्ताह तक चलने वाले उत्सव का आयोजन करेगी। इसमें स्वास्थ्य विभाग नुक्कड़ नाटक, शिक्षा विभाग भ्रष्टाचार विरोधी बहस, प्रश्नोत्तरी, ड्राइंग/पेंटिंग प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का विद्यालयों में आयोजन करेगा। सिविल और इलेक्ट्रिक विभाग ग्राहक उन्मुख गतिविधियों का आयोजन करके नागरिकों व ग्राहकों और वेंडर्स के लिए भी शिकायत निवारण शिविर आयोजित करेगा।

लूटपाट के आरोपी को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्राइम ब्रांच ने 18 आपराधिक मामलों में शामिल एक घोषित बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया बदमाश लूटपाट के दो मामलों में भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी अभिषेक बाहरी दिल्ली का रहने वाला है। आरोपी को पुलिस ने सुल्तानपुरी इलाके से दबोचा है। नशे का आदी होने के बाद वह लूटपाट, चोरी, झपटमारी सहित अन्य वारदात को अंजाम देने लगा था।

पीडब्ल्यूडी के पांच इंजीनियरों के खिलाफ जांच को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के पांच इंजीनियरों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जांच की मंजूरी दे दी है। अब भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) इस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। इन इंजीनियरों पर दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 200 करोड़ रुपये का घोटाला करने का आरोप है। राजनिवास के एक अधिकारी ने बताया कि इस घोटाले में पीडब्ल्यूडी के इलेक्ट्रिक डिवीजन के दो सहायक अभियंता और तीन जूनियर इंजीनियर के खिलाफ जांच होगी। आरोप है कि इन्होंने दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों में आपातकालीन कार्यों के नाम पर खुद को लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न कंपनियों को टेंडर दिलाने में मदद की। इन अस्पतालों में लोक नायक अस्पताल, मौलाना आजाद डेंटल विज्ञान संस्थान, जीबी पंत अस्पताल और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। राजनिवास के मुताबिक, अभी तक हुई जांच में पता चला है कि पीडब्ल्यूडी के उक्त पांच अधिकारियों ने फर्जी बिलों के भुगतान को मंजूरी दी। इससे सरकार को भारी नुकसान हुआ।

सीएजी रिपोर्ट से संबंधित याचिका पर आज सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। हाईकोर्ट ने सोमवार को सीएजी रिपोर्ट उपराज्यपाल को भेजने की मांग वाली भाजपा विधायकों की याचिका को 29 अक्तूबर के लिए सूचीबद्ध किया है। याचिका में सरकार को शराब शुल्क, प्रदूषण और वित्त पर 12 सीएजी रिपोर्ट उपराज्यपाल को भेजने का निर्देश देने की मांग की गई थी ताकि उसे विधानसभा के समक्ष रखा जा सके। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता सहित अन्य भाजपा विधायकों मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, अजय कुमार महावर, अभय वर्मा, अनिल कुमार बाजपेयी और जितेंद्र महाजन ने शनिवार को याचिका दायर की थी।

बीसीआई ने दिल्ली में 107 ह्यफर्जीह्व अधिवक्ताओं को अपनी सूची से हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने शुचिता और व्यावसायिकता को बरकरार रखने के अपने अभियान के तहत दिल्ली में वर्ष 2019 से 2024 के बीच अपनी सूची से 107 फर्जी अधिवक्ताओं के नाम हटा दिये हैं। बीसीआई के 26 अक्टूबर के बयान में कहा गया है, इस निर्णायक कार्रवाई का उद्देश्य फर्जी अधिवक्ताओं और उन लोगों को हटाना है जो अब कानूनी प्रैक्टिस के मानकों को पूरा नहीं करते। ऐसा करके बीसीआई ने जनता के भरोसे और कानूनी प्रणाली को अनैतिक प्रथाओं से बचाने के सिलसिले को जारी रखने की कोशिश की है। बीसीआई सचिव श्रीमंतो सेन ने कहा कि कानूनी समुदाय की शुचिता और व्यावसायिकता को बनाए रखने के लिए जारी प्रयास के तहत अकेले दिल्ली में 107 फर्जी अधिवक्ताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं।

बयान में कहा गया है, वर्ष 2019 और 23 जून, 2023 के बीच, कई हजार फर्जी अधिवक्ताओं को उनकी साख और प्रैक्टिस की गहन जांच के बाद हटा दिया गया। ये निष्कासन मुख्य रूप से जाली प्रमाणपत्रों के मुद्दों और नामांकन के दौरान गलत बयानी के कारण है। इसके अलावा सक्रिय रूप से कानूनी प्रैक्टिस करने में विफलता और बार काउंसिल की सत्यापन प्रक्रियाओं का अनुपालन नहीं करने से भी अधिवक्ताओं के नाम सक्रिय प्रैक्टिस से हटा दिए गए हैं।

पुलिस ने ठक-ठक गैंग के 3 बदमाशों को दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया थाने की पुलिस टीम ने ठक ठक गैंग के तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों के पास से मोबाइल और मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। पूर्वी दिल्ली की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान यूपी के मेरठ निवासी वसीम, रईस और शोएब के रूप में की गई है। तीनों को गाजीपुर के पास से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि 25 अक्टूबर की रात यूपी के इटावा के रहने वाले सुधीर कुमार अपने रिश्तेदार को लेने के लिए आनंद विहार बस स्टेशन जा रहे थे। इस दौरान जब वह पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया के गेट नंबर दो पर पहुंचे तो तीन बाइक सवार बदमाशों ने कार के सामने आकर इशारा कर बताया कि इंजन ऑयल लीक कर रहा है। इसपर सुधीर ने तुरंत कार रोककर जांच की तो देखा की कोई लीकेज नहीं हो रहा। इस दौरान मौका पाकर बाइक सवार बदमाश कार के डैशबोर्ड पर रखा मोबाइल लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने शोर मचाते हुए बाइक सवारों का पीछा किया।

किसानों को सांसद महेश शर्मा ने दिया दिवाली का तोहफा

ऋषि तिवारी

नोएडा। आठ गांवों के 56 किसानों को कोटे के तहत पांच प्रतिशत भूखंड आवंटित किए गए हैं। सेक्टर-6 स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र में आयोजित विशेष समारोह में किसानों को सांसद महेश शर्मा और सीईओ डॉ. लोकेश एम ने आवंटन पत्र दिए। इस दौरान 5 प्रतिशत आबादी भूखंड पाने वाले किसानों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सांसद डा. महेश शर्मा और सीईओ डॉ. लोकेश एम का आभार जताया। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बताया कि इलाहबास, पर्थला खंजरपुर, रसूलपुर नवादा, शाहदरा, सुत्याना, छिजारसी, मोहियापुर और नंगला-नंगली गांव के किसानों को लाभान्वित किया गया। प्राधिकरण ने किसानों को सेक्टर-62, 86, 136 समेत अलग-अलग सेक्टरों में भूखंड आवंटित किए हैं। आवंटित भूखंडों पर किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार व्यावसायिक या आवासीय उपयोग कर सकते हैं। साथ ही, प्राधिकरण उन्हें सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगा।

सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने कहा कि लंबे समय से रुकी यह प्रक्रिया अब पुन शुरू हो गई है। दिवाली के अवसर पर किसानों को यह उपहार देते हुए विशेष प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने आगे बताया कि प्राधिकरण ने भविष्य में और अधिक किसानों को भूखंड देने की योजना बनाई है। यह कदम किसानों के हितों की रक्षा और उनके जीवन स्तर में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस दौरान एसीईओ सतीश पाल, मुख्य विधि सलाहकार रविन्द्र प्रसाद गुप्ता, ओएसडी क्रांति शेखर सिंह, विशेष कार्याधिकारी अरविन्द कुमार सिंह, विशेष कार्याधिकारी अशोक शर्मा, विशेष कार्याधिकारी देवेन्द्र प्रताप, महाप्रबन्धक नियोजन मीना भार्गव, सहायक महाप्रबन्धक संजीव बेदी, वरिष्ठ प्रबन्धक नियोजन देवेन्द्र निगम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा में शातिर बदमाशों की तलाश में छापेमारी, 109 पर हुई कानूनी कार्रवाई

नोएडा, एजेंसी। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ने ऑपरेशन प्रहार के तहत नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में लूटपाट और महिला संबंधित अपराध करने वाले करीब 527 अपराधियों के यहां छापेमारी कर उनका सत्यापन किया। 67 टीमें बनाकर 432 पुलिसकर्मी इस कार्रवाई में लगे हुए थे। पुलिस ने 109 अपराधियों के खिलाफ बीएनएस/बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान के पर्यवेक्षण में एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा जोन के अन्तर्गत अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे ऑपरेशन प्रहार के अगले चरण के अन्तर्गत

विभिन्न थाना क्षेत्रान्तर्गत निवास कर रहे लगभग 227 अपराधियों जिनमें लुटेरे, चैन, मोबाईल स्नेचर व अन्य गंभीर अपराधों एवं महिला संबंधित अपराधों में संलिप्त अपराधियों के यहां सघन तलाशी अभियान चलाया गया एवं उनके विरूद्ध कार्यवाही के लिए ग्रेटर नोएडा जोन में 42 टीमों का गठन करते हुए 182 पुलिसकर्मियों के द्वारा उनके सत्यापन की कार्यवाही के साथ-साथ कुल 69 अपराधियों के विरूद्ध बीएनएस/बीएनएसएस की विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत नियमानुसार कार्यवाही करायी गयी है। इसके अलावा नोएडा जोन में डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह के पर्यवेक्षण में एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र के नेतृत्व में नोएडा जोन के अन्तर्गत अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे ऑपरेशन प्रहार के अगले चरण के अन्तर्गत विभिन्न थाना क्षेत्र में निवास कर रहे लगभग 300 अपराधियों जिनमें लुटेरे, चैन, मोबाईल स्नेचर व अन्य गंभीर अपराधों एवं महिला संबंधित अपराधों में संलिप्त अपराधियों के यहां सघन तलाशी अभियान एवं उनके विरूद्ध कार्यवाही के लिए 25 टीमों का गठन करते हुये 250 पुलिसकर्मियों के द्वारा उनके सत्यापन की कार्यवाही के साथ-साथ कुल 40 अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने किया पिंक बूथ का उद्घाटन

ऋषि तिवारी

नोएडा। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने भंगेल में महिला सुरक्षा को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नए पिंक बूथ और नवनिर्मित पुलिस चौकी का शुभारंभ किया है और यह नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में स्थापित 12वां पिंक बूथ है, जो विशेष रूप से महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा कि भंगेल एक संवेदनशील क्षेत्र है और यहां पिंक बूथ की स्थापना से महिलाओं को अपनी समस्याएं साझा करने और समाधान पाने का एक सुरक्षित स्थान मिलेगा। उन्होंने बताया कि बूथ पर महिला पुलिस अधिकारी तत्काल तैनात की जाएंगी, जो महिलाओं की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी। यह पहल नोएडा पुलिस की महिला सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जिसका उद्देश्य महिलाओं और बच्चियों को एक सुरक्षित और भरोसेमंद माहौल प्रदान करना है। कार्यक्रम को और अधिक सार्थक बनाते हुए स्थानीय स्कूली बच्चों को गिफ्ट वितरित किए गए और सभी छात्र-छात्राओं के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर ज्वाइंट सीपी बबलू कुमार, महिला सुरक्षा डीसीपी सुनीति, डीसीपी सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी, एडिशनल डीसीपी हृदेश कठेरिया सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। अब छेड़खानी की शिकायत सीधे महिला पुलिसकर्मियों से कर सकेंगी पिंक बूथ की उपयोगिता को प्रमाणित करते हुए कन्या इंटर कॉलेज की कक्षा 6 की छात्रा परी ने बताया कि इस सुविधा से उन्हें और उनकी सहपाठियों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब वे छेड़खानी जैसी घटनाओं की शिकायत सीधे महिला पुलिसकर्मियों से कर सकेंगी या 1090 हेल्पलाइन का उपयोग कर सकेंगी।

आरडब्ल्यू 55 ने किया दीपावली मेले का आयोजन

नोएडा। आरडब्ल्यू 55 ने दीपावली मेले का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर महेश शर्मा, एवं विशेष अतिथि के रूप में फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महासचिव के. के. जैन, पूर्व महिला आयोग की अध्यक्ष विमला बाथम, डीसीपी नोएडा जोन रामबदन सिंह, बीजेपी महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, समाजसेवी राजन श्रीवास्तव, लक्ष्मी नारायण मंदिर के ट्रस्टी ओ.पी.गोयल, श्री राम मित्र मंडल के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल, जीएनओआईटी से राजेश अग्रवाल, राजीव अग्रवाल उपस्थित रहे। आरडब्ल्यू 55 के अध्यक्ष सत नारायण गोयल ने बताया कि हमने अपने सेक्टर वासियों के लिए दो दिवसीय दीपावली मेले का आयोजन किया,

जिसमें झूले और स्वादिष्ट फूड स्टॉल लगाए इसी के साथ-साथ मेले में विभिन्न प्रकार के स्टाल भी थे जिसमें आयुर्वेद कॉस्मेटिक प्रोडक्ट, आयुर्वेद मेडिसन, मुरैना की मशहूर गजक, बच्चों के लिए खिलौने, महिलाओं के लिए ज्वेलरी और कपड़े आदि के स्टॉल प्रमुख रहे। महासचिव राजेश अग्रवाल ने बताया की सेक्टर वासियों ने इस मेले का खूब आनंद उठाया और धवन एंटरटेनर बैंड की लाइव परफॉर्मेंस पर जमकर झूमे। उन्होंने बताया कि इस मेले के आयोजन में कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा, राजरानी अग्रवाल, विद्या रावत, नीरा वाष्णैय, निशांत गर्ग, कुलदीप शर्मा, नीरज शर्मा, अजय शुक्ला, निशांत गर्ग का विशेष सहयोग रहा।

स्ट्रोक व पैरालाइसिस अटैक में पहले चार घंटे अहम : डा. रोहित गुप्ता

फरीदाबाद, एजेंसी। वर्ल्ड स्ट्रोक डे पर सोमवार को ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर-86 स्थित एकॉर्ड अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग डायरेक्टर डॉ. रोहित गुप्ता ने कहा कि स्ट्रोक या दिमाग का दौरा देश में दिल का दौरा और कैंसर के बाद मौत का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। विकलांगता का भी इसे प्रमुख कारण माना जाता है। फरीदाबाद में युवाओं में स्ट्रोक की समस्या तेजी से बढ़ रही है। स्ट्रोक में पहले साढ़े चार घंटे मरीज के लिए विंडो पीरियड के अहम होते हैं। इस बीच मरीजों का इलाज शुरू हो दिया जाए तो वह ठीक पूर्ण रूप से ठीक हो सकता है। न्यूरोलॉजी ओपीडी में आए मरीजों को जागरूक करते हुए डॉ. रोहित ने बताया कि भागदौड़ भरी लाइफ में व्यक्ति आज अपने सुकून को खोता जा रहा है। तनाव के इस दौर में व्यक्ति को इसका पता भी नहीं चल पा रहा है कि पीछे दरवाजे से कई तरह की बीमारियों उसे अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। उन्होंने स्ट्रोक की मुख्य वजह स्ट्रेसफुल लाइफ और धूम्रपान, हाइपरटेंशन, डायबिटीज, बढ़ता लिपिड स्तर को बताया है।

ऑफिस में लोग अपने काम को अगले दिन के लिए छोड़ देते है। इससे काम का बोझ बढ़ता जाता है। इससे धीरे-धीरे तनाव से ग्रसित हो जाते है। तनाव की वजह से ही इन बीमारियों के अलावा पैरालाइसिस (लकवा) भी आम इंसान को अपनी गिरफ्त में ले लेता है। स्ट्रोक दिमाग में ब्लड सर्कुलर में कमी आ जाने के कारण होता है। उन्होंने कहा कि तीव्र स्ट्रोक और लकवाग्रस्त रोगियों के लिए थ्रोम्बोलाइसिस इंजेक्शन नई तकनीक है। अस्पताल में इस तकनीक का काफी इस्तेमाल किया जा रहा है। स्ट्रोक के अब तक करीब 500 से अधिक मरीजों को थ्रोम्बोलाइसिस इंजेक्शन से ठीक किया जा चुका है।

एक नजर

गाजियाबाद आरटीओ ऑफिस में सेवाएं होंगी फेसलेस जल्द लागू होगी व्यवस्था

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद आरटीओ ऑफिस खुद को हाईटेक करने में जुटा है। गाजियाबाद आरटीओ ऑफिस अब अपनी 58 सेवाएं पूरी तरह फेसलेस करने जा रहा है। लोगों को अब अपनी आरसी, ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के फिटनेस कॉपी के लिए आरटीओ ऑफिस के चक्कर नहीं काटने होंगे। करीब दस दिन के ट्रायल के बाद गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, हापुड और बुलंदशहर जिले में नई व्यबवस्था लागू कर दी जाएगी। इससे घर बैठे ही लोगों के काम होने लगेंगे। आरटीओ की सेवाएं ऑनलाइन होने का सबसे बड़ा लाभ ये होगा कि आरसी और वाहन फिटनेस सर्टिफिकेट जैसे जरूरी कामों में दलालों का दखल रुकेगा। अब तक नौ सेवाओं को आरटीओ ऑफिस में ऑनलाइन किया जा चुका है। इन सेवाओं में बची 43 सेवाओं को अब आनलाइन किया जा रहा है। आरटीओ विभाग का इरादा सभी 58 सेवाओं को ऑनलाइन करने का है। लेकिन कुछ सेवाएं ऑनलाइन करने में कानूनी परेशानी आ रही हैं। इन समस्याओं का समाधान होते ही इनको ऑनलाइन कर दिया जाएगा।

आरटीओ ऑफिस की सेवाएं ऑनलाइन होने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि इससे लोगों का काम कर्मचारी बिना वजह अटका नहीं पाएंगे। किसी काम के लिए आवेदन करने के बाद एक तय समय के भीतर उस अप्लीहकेशन को स्वीसकार या नामंजूर करना होगा। इसका फायदा यह होगा कि लोगों को अपना कोई भी कागज लेने को लंबा इंतजार नहीं करना होगा।

पुलिस मुठभेड़ में लुटेरा गोली लगने से हुआ घायल

नोएडा, एजेंसी। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने देर रात को एक पुलिस मुठभेड के दौरान एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से लूटी हुई मोटरसाइकिल, देसी तमंचा आदि बरामद किया है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अशोक कुमार सिंह ने बताया कि थाना नॉलेज पार्क पुलिस रविवार की रात को झट्टा रेलवे अंडरपास के पास चेकिंग कर रही थी, तभी बाइक पर सवार होकर आते हुए एक युवक दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो, वह रूकने की बजाए पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाते हुए वहां से भागने लगे। उन्होंने बताया कि जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गोली चलाई।

पुलिस द्वारा चलाई गई गोली से बाइक सवार घायल हो गया। उन्होंने बताया कि बदमाश की पहचान जीतू पुत्र अनिल उम्र 21 वर्ष निवासी जनपद बुलंदशहर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने लूटी हुई एक मोटरसाइकिल, देसी तमंचा और कारतूस बरामद किया है। उन्होंने बताया कि इस बदमाश ने लूटपाट की कई वारदातें करनी स्वीकार की है।

रन फॉर यूनिटी करके रॉयल पब्लिक स्कूल ने सरदार पटेल को किया नमन

गुरुग्राम, एजेंसी। लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती की पूर्व अवसर पर सोमवार को रॉयल पब्लिक स्कूल सेक्टर-95 वजीरपुर द्वारा रन फॉर यूनिटी करके सरदार पटेल को नमन किया गया। इस रन में 1500 से अधिक बच्चों ने भाग लेकर एक कीर्तिमान स्थापित किया। रॉयल ग्रुप ऑफ एजुकेशन द्वारा इस तरह के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते रहे हैं। जिनका उद्देश्य सामाजिक एकता राष्ट्रीय सशक्तिकरण तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर रहता है। रन फॉर यूनिटी का अर्थ ही एकता के लिए दौड़ है। रॉयल ग्रुप ऑफ एजुकेशन के अध्यक्ष डॉ. विजय सिंह चौहान (नम्बरदार) ने इस दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार देश के लोगों पुरुष कहे जाने वाले पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने राष्ट्रीय एकता के लिए काम किया, उसी प्रकार हमें राष्ट्रीय एकता के लिए इसी तरह के प्रयास करते रहना चाहिए। छात्रों में राष्ट्रीय एकता की भावना जागृत की जानी चाहिए। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को होती है, लेकिन उस दिन दीपावली अवकाश होने के कारण सोमवार को ही रॉयल पब्लिक स्कूल वजीरपुर द्वारा पटेल जयंती मनाई गई। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक राजेश चौहान भी मौजूद रहे।

नोएडा में किशोरी समेत दो ने की आत्महत्या

नोएडा, एजेंसी। जनपद गौतमबुद्व नगर के अलग-अलग जगहों पर रहने वाले एक किशोरी समेत दो लोगों ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर ली। वहीं एक व्यक्ति शराब के नशे में निमार्णाधीन बिल्डिंग से नीचे गिर गया। इस घटना में उसकी मौत हो गई है। इसके अलावा ट्रेन की चपेट में आने से एक युवती की मौत हो गई है। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना बिसरख क्षेत्र के चिपियाना गांव में रहने वाली रिया सिंह पुत्री राजन सिंह उम्र 17 वर्ष ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में रहने वाले अंशु पुत्र शंभू दयाल उम्र 34 वर्ष ने मानसिक तनाव के चलते पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर-63 पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर-142 क्षेत्र में रहने वाले महंत गिरी 14 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। दनकौर रेलवे स्टेशन के जीआरपी पुलिस चौकी पर तैनात उप निरीक्षक विपिन कुमार ने बताया कि ओमवती पुत्री नंदराम उम्र 23 वर्ष निवासी सादुल्लापुर गांव दनकौर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आ गई। उन्होंने बताया कि घटना में उसकी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राजस्थान कल्याण परिषद ने अयोजित किया दीपावली स्नेह मिलन समारोह

नोएडा। राजस्थान कल्याण परिषद ,नोएडा द्वारा दीपावली स्नेह मिलन-2024 का कार्यक्रम सामुदायिक केंद्र सेक्टर 19 नोएडा में बहुत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम दीप-सज्जायुक्त रंगोली प्रतियोगिता के साथ प्रारंभ हुआ तथा सभी कलाकारों ने बहुत सुंदर सुंदर रंगोली बनाई ।रंगोली में प्रथम स्थान अवनी माहेश्वरी और द्वितीय महिमा जायसवाल को मिला। दीपावली मिलांबकार्यक्रम के संयोजक दिनेश माहेश्वरीजी और मनमोहन रामावतजी रहे ।दीप प्रज्वलन, गणेश वन्दना के बाद राजस्थानी गीतों का कार्यक्रम हुआ । जिसमें कई कलाकारों ने बहुत सुंदर राजस्थानी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया और सभी का मन मोह लिया । इसके बाद राजस्थान को जानों प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें राजस्थान के बारे में सदस्य परिवारों से प्रश्नों के उत्तर मंच पर बुलाकर किये गायबऔर सही उतर पर पुरस्कार भी दिए गए । उसके बाद में पारुल माहेश्वरी द्वारा डांडिया का बहुत सुंदर संयोजन किया गया । जिसमें महिला पुरुष सदस्यो ने हिस्सा लिया और बहुत ही शानदार डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया ।संस्था के अध्यक्ष जुगल किशोर भारती जी ने बताया कि इस कार्यक्रम की विषय वस्तु खास तौर से राजस्थानी परंपरा राजस्थानी गीत राजस्थानी संस्कृति और राजस्थान के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए रखी गई। कार्यक्रम की सभी सदस्यों बहुत सराहना की गई ।संस्था की सभी पूर्व अध्यक्ष जी पी केडिया, आ.पी. सोनी, महेंद्र शाह, जी सी माहेश्वरी अंजनी सर्राफ, विजय सोनी, अनिल अग्रवाल, अरविंद सोनी, आर.सी बजाज पवन शर्मा, के. सी गुप्ता, एन के मालपानी, जीवन जैन के साथ-साथ संस्था के पैटर्न मेंबर आर के पुरोहित, संस्था के महासचिव निशु गुप्ता, कोषाध्यक्ष निर्मल भुतोड्यिा, राजेश खंडेलवाल, राजीव गुप्ता, विक्रम अग्रवाल, रंजू माथुर, सरिता गुप्ता, रंजना सोनी, राजेंद्र गोयल, अरुण अग्रवाल, विनय सोनी, राम रतन शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि शामिल हुए।

फरीदाबाद में दो नशा तस्कर गिरफ्तार

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए आरोपियों की लगातार धर-पकड़ की जा रही है। पुलिस कमिश्नर के दिशा-निदेर्शों के अनुसार कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा सेन्ट्रल की टीम ने गांजा तस्करी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में दलीप और राकेश उर्फ चिया का नाम शामिल है। दलीप नंगला इंक्लेव पार्ट-2 एनआईटी, राकेश उर्फ चिया खोका कॉलोनी फरीदाबाद का रहने वाला है। आरोपी दलीप को सरकारी डिस्पैंसरी गावं सारन एरिया से काबू किया है। आरोपी से 240 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। आरोपी के खिलाफ थाना सारन में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है। आरोपी गांजा को दिल्ली के सदर बजार से 3000/-रु में खरीद कर लाया था। राकेश उर्फ चिया को अपराध शाखा टीम ने डबुआ मंडी एरिया से काबू किया था।

मोबाइल टावर से आरआरयू चोरी करने वाले गैंग गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

ग्रेटर नोएडा। क्विक रिस्पांस टीम (सीआरटी) और थाना बिसरख ग्रेटर नोएडा में पुलिस ने ज्वाइंट ऑपरेशन में टावर से कीमती उपकरण चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 10 आरआरयू बरामद किए गए है जिसके बाजार में अनुमानित कीमत करीब 80 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने बताया कि सीआरटी व थाना बिसरख पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में एनसीआर क्षेत्र में मोबाइल टावरों से रेडियो रिसीवर यूनिट, बैटरी और अन्य सामान को चोरी करने वाले चार आरोपियों मोहम्मद आजाद, आकाश कुमार, रिहान और जहीरुद्दीन को भगत मार्केट के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में पता चला कि ये लोग राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली-एनसीआर में कई स्थानों पर टावर से रेडियो रिसीवर यूनिट, बैटरी व अन्य कीमती उपकरण चोरी करते हैं। नोएडा में मोबाइल टावर से चोरी के सामान को गिरोह दिल्ली में बेचता है। गैंग दिन के समय टावर को चिन्हित कर लेते हैं और रात में टावर से कीमती उपकरणों को चुरा लेते हैं। आरोपियों ने बताया कि चोरी के बाद शातिर सामान को गाड़ी में रखकर फरार हो जाते हैं। चोरी के सामानों को दिल्ली में बेचा जाता है। आरोपियों से जानकारी जुटाकर रेडियो रिसीवर यूनिट, बैटरी और अन्य कीमती उपकरण चोरी करने वाले अन्य अपराधियों का रिकॉर्ड बनाया जा रहा है। जिसके आधार पर टीमें बनाकर माल बरामदगी व गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले भी आरआरयू चोरी करने वाले कई लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

वाहन चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

फरीदाबाद, एजेंसी। अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने कार्रवाई करते हुए वाहन चोरी करने वाले दो आरोपियो को मोटरसाइकिल सहित अलग-अलग स्थान से गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियो में गुलशन उर्फ गुलाटी और हंसराज उर्फ हंसा का नाम शामिल है। गुलशन उर्फ गुलाटी पर्वतीय कॉलोनी, हंसराज उर्फ हंसा सेक्टर-22 का रहने वाला है। अपराध शाखा टीम ने आरोपियो को अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से गस्त के दौरान सेक्टर-31 में अलग-अलग स्थान से 2-मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियो ने दोनों मोटरसाइकिलो को सेक्टर-31 एरिया में अलग-अलग स्थान से चोरी किया था। दोनों पर पूर्व में वाहन चोरी के मामले दर्ज है। आरोपियो को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

1 नवंबर को दीपावली मनाने सही समय : पंडित निखिल शर्मा

ऋषि तिवारी

पंडित निखिल शर्मा ने बताया कि इस बार दिवाली को लेकर लोगों में कंफ्यूजन है की दिवाली किस दिन मनाई जाये 31 को या 1 तारिख को, अमावस्या लगभग सुबह 3:00 बजे से लग रही है इस वजह से शास्त्रों में वर्णित है कि जिस दिन पूर्णिमा हो उसी दिन दीपावली माननी

चाहिए। तो सभी को 1 तारीख को दीपावली माननी चाहिए। हो सके तो धनतेरस पर सभी को अपने जेब के अनुसार एक चांदी का सिक्का भी लेना चाहिए जिससे घर में धान की प्राप्ति हो दीपावली के दिन लक्ष्मी गणेश जी की पूजा करें। घर के बाहर यम को दीपक भी जलाएं। यम के दीपक जलाने से घर में अकाल मृत्यु नही होता है। घर के अंदर लक्ष्मी गणेश जी की पूजन करने के लिए । लक्ष्मी गणेश जी की मीटी से बनी मुर्ति लेकर आये।

ईवीएम जैसी निर्जीव चीज का बहाना लेती है कांग्रेस: ओमप्रकाश धनखड़

-गुरुग्राम जिला में 4.50 लाख नए सदस्य बनाएगी भाजपाः ओम प्रकाश धनखड़

-भाजपा का सदस्यता अभियान नगर निगम चुनाव को बनाएगा सरल

गुरुग्राम, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ अपनी हार पर कांग्रेस ईवीएम जैसी निर्जीव चीज का बहाना लेती है जो जवाब नहीं दे सकती। भाजपा मजबूती के साथ चुनाव लड़ती है और जीत दर्ज करती है। भविष्य में भी होने वाले निकाय चुनावों में भाजपा की जीत जय है। यह बात उन्होंने सोमवार को गुरुग्राम में भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर पार्टी कार्यालय में कार्यशाला के बाद पत्रकार वार्ता में कही। जिलाध्यक्ष कमल यादव की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में विधायक बिमला चौधरी, तेजपाल तंवर, मुकेश शर्मा व महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष उषा प्रियदर्शी भी उपस्थित रहीं।

कार्यशाला में ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि गुरुग्राम जिला में 4 लाख 50 हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा। सदस्यता अभियान को कैसे आगे बढ़ाया जाए, इसके बारे में राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कार्यकताओं को विस्तार से जानकारी दी। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने बूथ और मंडल स्तर पर कार्यशाला करके नए सदस्य जोड? के बारे में बताया। ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि हरियाणा में भाजपा ने 50 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। हरियाणा में 20 हजार 629 बूथ हैं और हर बूथ पर 250 सदस्य बनाए जाने हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जिला में 4 लाख 50 हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्य कार्यकताओं को दिया है। गुरुग्राम विधानसभा में 1 लाख 25 हजार, बादशाहपुर विधानसभा में भी 1 लाख 25 हजार व पटौदी तथा सोहना विधानसभा में 1-1 लाख नए सदस्य बनाए जाएंगे। कार्यकताओं को उत्साहित करते हुए धनखड़ ने कहा कि यह सदस्यता अभियान नगर निगम चुनाव को भी सरल बना देगा और चुनाव में भाजपा का परचम लहराएगा।

पुरु रवा राजपूत मानव कल्याण समिति (रजि०) उ.प्र. का हुआ वार्षिक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह

अतिथियों के स्वागत में ए डी एन जूनियर हाई स्कूल शहबाजपुर के छात्र छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

❍ प्रातः अखबार अवश्य बढ़ें ,सभी बच्चे खुली आंखों से सपने देखते हुए अपना लक्ष्य निर्धारित करें, लक्ष्य प्राप्ति के लिए सकारात्मक विचारों को आत्मसात करते हुए कठिन परिश्रम के साथ आगे बढ़ें।

- सुभाष राजपूत

कीरतपुर (बिजनौर)। पुरु रवा राजपूत मानव कल्याण समिति (रजि ०)उत्तर प्रदेश का वार्षिक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह वी. के. फार्म हाउस नांगल सोती में भव्य एवमं सुंदर व्यवस्था के साथ आहूत हुआ जिसकी अध्यक्षता सभा अध्यक्ष समिति अध्यक्ष ठाकुर सिंह तथा संचालन सभा के महासचिव डॉ भूपेन्द्र सिंह द्वारा किया गया । मुख्य अतिथि के रूप में सुभाष राजपूत (एआरटीओ फरुर्खाबाद) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में लक्ष्य गहलौत (इंटेलिजेंस ऑफिसर दिल्ली), सोहनपाल सिंह राणा (अध्यक्ष रवा राजपूत संगठन पूर्वी दिल्ली), सीमा स्वस्ति राजपूत (अध्यक्षा क्षत्राणी फाउंडेशन रजि. दिल्ली), सत्यवीर सिंह (प्रबंधक राजपूत रवा आई टी आई बड़ोत बागपत), डॉ मेधावी सिंह (एम डी एस), मा. जयप्रकाश राजपूत (रिटायर्ड अध्यापक) रहे । सभी ने समाज व समाज के युवाओं का मार्गदर्शन किया ।

बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए मुख्यातिथि सुभाष राजपूत (ए आर टी ओ फरुर्खाबाद) ने कहा गूगल सहारा छोड़ बच्चे अखबार अवश्य बढ़ें,खुली आंखों से सपने देखते हुए अपना लक्ष्य निर्धारित करें लक्ष्य प्राप्ति के लिए सकारात्मक विचारों को आत्मसात करते हुए कठिन परिश्रम के साथ आगे बढ़ें।अतिथियों के स्वागत में

विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम ए डी एन जूनियर हाई स्कूल शहबाजपुर के बच्चो द्वारा प्रस्तुत किये गये , सभी बच्चो को पुरस्कृत किया गया ।

(1) समाज के मेधावी 200 छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने शैक्षिक वर्ष 2023 एवं 2024 के हाई स्कूल व इंटरमीडिएट (यू पी बोर्ड 80% एवं सीबीएसई आईसीएसई बोर्ड 90% तथा विश्वविद्यालयों से स्नातक स्नातकोत्तर 65% एवं व्यवसायिक डिप्लोमा/डिग्री आदि में 75%) से उत्तीर्ण किया ।

समाज की सर्वाधिक शिक्षित महिला एक शहरी व एक ग्रामीण सम्मानित किया गया।

समाज की सर्वाधिक आयु 96 वर्ष की एक महिला एवं एक पुरुष 92 वर्ष को सम्मानित किया गया।

वार्षिक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में समाज के सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे मा. कृष्णवीर सिंह, मा. धर्मपाल सिंह राजपूत, ठा. तेजपाल सिंह, कैलाश राजपूत, देवेंद्र सिंह,विवेक राजपूत,आशीष कुमार ,योगेश कुमार आर्य, कुलदीप आर्य, जितेंद्र आर्य, मितेन्द्रपाल सिंह, घनश्याम सिंह,यतेन्द्र राजपूत, दिनेश कुमार, टीकम सिंह, मा. यशपाल सिंह, डॉ दिनेश कुमार, नवीन कुमार , विपिन कुमार, डॉ विजयपाल सिंह, महेंद्र सिंह गांधी, रामकुमार, महेशपाल सिंह, देवेंद्र सिंह, जबर सिंह,महेश पालसिंह,शेखर सिंह, चेतन राजपूत, रक्षक राजपूत,सौरभ राजपूत, संजय सिंह, भीम सिंह , बबीता राजपूत, राधेलाल राजपूत, हरेंद्र राजपूत , संजीव राजपूत, अनील राजपूत , ओमपाल राजपूत, मोनू राजपूत, शिवचरण राजपूत, मा. सत्यवीर राजपूत , राजीव राजपूत , कौशल राजपूत आदि सैकडों की संख्या में समाज के प्रत्येक गांव से व्यक्ति कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।कार्यक्रम

अध्यक्ष कार्यक्रम को समाप्ति की ओर ले जाते हुए सभी आभार प्रकट किया और कार्यक्रम के समापन की की घोषणा की।

चित्रकूट में रेलमार्ग के किनारे महिला के बेहोश मिलने के मामले में एसएचओ निलंबित

बांदा (उप्र), एजेंसी। पड़ोसी चित्रकूट जिले के बरगढ़ थाना क्षेत्र में रेलमार्ग के किनारे महिला के बेहोश अवस्था में मिलने के मामले में पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी (एसएचओ) को निलंबित कर दिया है। सोमवार को पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

चित्रकूट के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) चक्रपाणि त्रिपाठी ने सोमवार को बताया कि बरगढ़ थाना क्षेत्र के रेलमार्ग के पास शनिवार को एक महिला बेहोश मिली थी जिसके हाथ बंधे थे। उन्होंने बताया कि महिला की पहचान एक निजी अस्पताल की 23 साल की नर्स तौर पर हुई थी।

त्रिपाठी ने बताया कि मामले में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने लापरवाही बरतने के आरोप में बरगढ़ थाना के एसएचओ राकेश मौर्या को निलंबित कर दिया है।

उन्होंने बताया कि इस मामले में पीड़िता के पिता की तहरीर के आधार पर चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म करने और अन्य सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और इसी आधार पर पुलिस की जांच आगे बढ़ रही है।

इसके पहले चित्रकूट जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि शनिवार सुबह साढ़े दस-ग्यारह बजे 23-24 साल की एक महिला रेलमार्ग के पास 'ट्रैकमैन' को बेहोश अवस्था में मिली जिसके हाथ बंधे थे।

सिंह ने बताया कि 'ट्रैकमैन' ने उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया और बाद में उसे (महिला को) स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल (प्रयागराज) ले जाया गया।

एसपी ने कहा, 'घटना के खुलासे के लिए अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ और दो महिला थानाध्यक्षों को लगाया गया है। शीघ्र ही इस घटना का अनावरण होगा और आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।'

शादी से लौट रहे दूल्हे के भाई और जीजा की सड़क हादसे में मौत

सहारनपुर (उप्र), एजेंसी। सहारनपुर जिले के गंगोह थाना क्षेत्र में शादी से लौट रहे दूल्हे के भाई और जीजा की एक सड़क हादसे मे मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि रविवार रात थाना गंगोह के अन्तर्गत ग्राम हाजीपुर निवासी इजरायल की बारात शामली के कांधला के गढ़ी दौलत से देर रात लौट रही थी, वहीं दूल्हे का छोटा भाई हसीन (18), बहनोई राजू (26) और मामा इस्तखार (30) एक बाइक से लौट रहे थे।

जैन ने बताया कि उनकी बाइक जैसे ही गंगोह बिडौली मार्ग पर ग्राम दुधला के पास पहुंची, तभी एक टैक्ट्रर-ट्रॉली से टक्कर हो गई।

एएसपी ने बताया कि यह टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों लोग 20 मीटर दूर जाकर सड़क पर गिरे। उन्होंने बताया कि हादसे में दूल्हे के छोटे भाई हसीन और जीजा राजू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मामा इस्तखार हेलमेट पहने होने की वजह से बच गया, लेकिन वह भी बुरी तरह चोटिल हो गया है।

जैन ने बताया कि सूचना मिलते ही थाना गंगोह पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने हसीन और राजू को मृत घोषित कर दिया। घायल इस्तखार का उपचार चल रहा है।

विवाहिता की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या

सुलतानपुर (उप्र), एजेंसी। सुलतानपुर जिले के थाना करौदी कला क्षेत्र में एक युवक ने अपनी शादीशुदा प्रेमिका की कथित तौर पर कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी और उसके छह साल के बच्चे को भी घायल कर दिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कादीपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) विनय गौतम ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सीओ ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है और परिवार की ओर से तहरीर मिलते ही मुकदमा कायम किया जाएगा।

पुलिस के अनुसार, करौंदी कला थाना क्षेत्र के गजेंद्र पुर गांव निवासी राजेन्द्र प्रसाद गुजरात में नौकरी करता है और उसकी पत्नी हौसिला देवी (40) अपने तीन बच्चों के साथ गांव में रहती है।

पुलिस ने बताया कि इस बीच हौसिला देवी का कथित तौर पर गांव के ही व्यक्ति बिंदे के साथ प्रेम प्रसंग शुरू हो गया और पिछले दो वर्षों से दोनों के बीच फोन पर बातचीत चल रही थी।

उन्होंने बताया कि हाल में बिंदे और हौसिला के मध्य किसी बात को लेकर कहा सुनी हुई और उसने बिंदे का फोन उठाना बंद कर दिया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि रविवार रात बिंदे कुल्हाड़ी लेकर उसके घर पहुंचा, तब हौसिला के दो बच्चे दूसरी झोपड़ी में सो रहे थे और वह अपने छह वर्षीय पुत्र के साथ सो रही थी।

उन्होंने बताया कि बिंदे ने हौसिला के गले पर वार कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी ने बच्चे पर भी हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया और उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज से ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है।

महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली 'महायुति' के 'महादुखी' काल का अंत होगा : अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेंसी। विपक्षी दलों के समूह 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के प्रमुख घटक दल समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में संयुक्त और संगठित राजनीतिक रणनीति से भारतीय जनता पाटी (भाजपा) के नेतृत्व वाली 'महायुति' के 'महादुखी' काल का अंत होगा।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर महाराष्ट्र के निवासियों और मीडियाकर्मियों को संबोधित एक अपील में सपा प्रमुख यादव ने महाराष्ट्र चुनाव में महायुति के खिलाफ एकजुटता दिखाने का आह्वान करते हुए दावा किया, 'संयुक्त और संगठित राजनीतिक रणनीति से भाजपा के नेतृत्व वाली

'महायुति' के 'महादुखी' काल का अंत होगा।'

उन्होंने इस अपील के सबसे अंत में प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, 'महाराष्ट्र के दुश्मनों को हराने के लिए और सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए वचनबद्ध और संकल्पबद्धङ्क.आपका अखिलेश।'

अपने पोस्ट की शुरूआत में यादव ने कहा, 'प्रिय महाराष्ट्रवासियो और मीडियाकर्मियो, आपकी जागरुकता से महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव 'महाराष्ट्र' को भाजपा की साजिशों से भरी तोड़-फोड की नकारात्मक राजनीति और सांप्रदायिक सियासी दांव पेचों से मुक्ति दिलाएगा।'

यादव ने कहा, 'संयुक्त विपक्ष की सकारात्मक रणनीति और परस्पर समायोजन को भाजपा की नकारात्मक राजनीति समझ ही नहीं पा रही है। महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खत्म करने के भाजपाई षड्यंत्र का खुलासा महाराष्ट्र की जनता के सामने हो गया है।'

उन्होंने कहा, 'भाजपा ने महाराष्ट्र के समाज के ऐतिहासिक सौहार्द और भाईचारे को भी तोड़ा है और राजनीतिक दलों को भी। भाजपा चाहती है कि महाराष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से इतना कमजोर कर दिया जाए कि महाराष्ट्र के हाथ से देश के आर्थिक नेतृत्व की लगाम छीनकर किसी और के हाथ में दी जा सके।'

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'महाराष्ट्र की जनता और महाराष्ट्र के हितों की रक्षा करने वाले मीडियाकर्मियों के बीच आई 'राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक चेतना' भाजपा की इस चाल को कामयाब नहीं होने देगी।'

यादव ने कहा, 'महाराष्ट्र के मान-सम्मान, रोजी-रोटी, रोजगार, व्यापार और कारोबार के दुश्मनों को महाराष्ट्र के लोग हराएंगे।

डीजीपी ने दीपावली पर कड़ी सुरक्षा, सोशल मीडिया की सघन निगरानी के निर्देश दिये

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने धनतेरस और दीपावली के त्योहार को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए हैं और अयोध्या में विशेष सतर्कता बरतने की जिम्मेदारी अधिकारियों को सौंपी है।

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता के अनुसार अयोध्या में आठवें दीपोत्सव के तहत सरयू नदी के तट पर 28 लाख दीप प्रज्वलित कर विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारियों के बीच रामलला के मंदिर में इस बार एक विशेष तरह के दीप जलाने की योजना है।

इसके साथ ही, कुमार ने सोशल मीडिया के सभी मंचों की सघन निगरानी करने तथा किसी भी प्रकार के भ्रामक पोस्ट का तत्काल खंडन

करते हुये दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

डीजीपी मुख्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार प्रशांत कुमार ने त्योहारों के संबंध में सभी क्षेत्रीय अपर पुलिस महानिदेशक/पुलिस आयुक्त, परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस उपमहानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक प्रभारी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिये बैठक की और चाक चौबंद सुरक्षा के निर्देश दिये।

डीजीपी ने अयोध्या के सभी धर्मशालाओं, होटल, ढाबों आदि पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि संदिग्ध व्यक्तियों और सभी प्रमुख स्थानों की सघन जांच सुनिश्चित की जाये।

महत्वपूर्ण स्थलों पर नाकेबंदी की व्यवस्था 24 घंटे रखी जाए तथा जिले के प्रमुख मार्गों पर सुगम यातायात के लिए पार्किंग आदि चिह्नित करते हुए समुचित प्रबंध किया जाए। उन्होंने सरयू नदी के प्रवाह मार्ग पर भी सतर्क दृष्टि रखने तथा सरयू नदी में गश्त के लिए समुचित व्यवस्था के निर्देश दिये हैं। कुमार ने स्थानीय अभिसूचना इकाई के अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहने तथा इसके माध्यम से प्राप्त होने वाली सूचनाओं के आधार पर समय रहते प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

डीजीपी ने कहा कि विस्फोटक पदार्थ, पटाखा बिक्री के लाइसेंस धारकों की सूची थानावार तैयार की जाए और विस्फोटक पदार्थों की निर्माण इकाइयों की आकस्मिक जांच उपजिलाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, थाना प्रभारी तथा अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ की जाए।

कुमार ने कहा कि पटाखों का भंडारण तथा बिक्री आबादी वाले क्षेत्रों से दूर हो, यह सुनिश्चित किया जाए तथा पर्याप्त संख्या में अग्निशमन यंत्रों की व्यवस्था की जाए। डीजीपी ने कहा कि किसी नई परंपरा की अनुमति न दी जाये। असामाजिक और अवांछनीय तत्वों की सूची तैयार कर इन पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा आवश्यकतानुसार ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाये।

कुमार ने बताया कि सभी जिलों के समस्त धार्मिक स्थलों के आसपास सुबह सघन जांच की जाये।

कुमार ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में हों और महत्वपूर्ण संवेदनशील स्थलों पर ड्रोन कैमरे से निगरानी की जाए।

धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन, भैयादूज आदि के संदर्भ में सुदृढ़ सुरक्षा/कानून व्यवस्था का उल्लेख करते हुए डीजीपी ने कहा कि इन त्योहारों पर सरार्फा बाजारों तथा अन्य बाजारों में काफी भीड़-भाड़ होती है, इसलिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं तथा पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं।

कुमार ने छोटी-छोटी सूचनाओं को भी गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों तथा थाना प्रभारियों को मौके पर पहुंच कर विवाद का हल कराने की जिम्मेदारी सौंपी।

एक नजर

सभी को अपनी बात रखने का हक, जेपीसी बैठक को लेकर बोले जगदंबिका पाल

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता में वक्फ संशोधन संयुक्त समिति की बैठक बुलाई गई है। जिसमें बिल पर विस्तृत चर्चा होगी। इससे पहले सांसद ने दावा किया कि सबको बात रखने का मौका दिया जाएगा। वक्फ संशोधन संयुक्त समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा, 'हमने बैठक में दिल्ली, हरियाणा और पंजाब वक्फ बोर्ड को बुलाया है। हमारी कोशिश है कि सभी स्टेकहोल्डर्स से चर्चा करें, ताकि एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की जा सके। हमने इस संबंध में बीते दिनों दक्षिण भारत का भी दौरा किया था। अब हम उत्तर भारत का रुख करेंगे। विभिन्न प्रदेशों का दौरा करेंगे। इस तरह से पहली बार जेपीसी इतने सारे लोगों से मिलने का काम कर रही है। आज की बैठक में हमने सेवानिवत्त न्यायाधीश और इस्लामिक विद्वानों को भी बुलाया है। हमारी कोशिश है कि एक अच्छी रिपोर्ट तैयार करके उसे जमीन पर उतारा जा सके, ताकि वक्फ बोर्ड का उद्देश्य पूरा हो सके।' वहीं, कुछ लोगों द्वारा इस बिल का विरोध किए जाने पर जगदंबिका पाल ने कहा, 'कौन क्या कहता है। यह अलग विषय है। जेपीसी में हर किसी को अपनी बात रखने का पूरा हक है। मुझे या किसी और को कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन, यहां गौर करने वाली बात है कि जब सरकार ने इस बिल को चर्चा के लिए जेपीसी को सौंप दिया है, तो यहां सभी को अपनी बात रखने का पूरा हक है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वो कौन हैं। जेपीसी में सभी पार्टियों का प्रतिनिधित्व होता है। संसद को कानून बनाने का हक है।' वहीं, बीते दिनों जेपीसी की बैठक में कल्याण बनर्जी द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने पर जगदंबिका पाल ने कुछ नहीं कहा।

सुरक्षा के मद्देनजर बंद किए गए 'राम की पैड़ी' की तरफ जाने वाले 17 रास्ते

अयोध्या (उप्र), एजेंसी। अयोध्या में आगामी 30 अक्टूबर को होने वाले भव्य दीपोत्सव आयोजन की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने सरयू नदी पर राम की पैड़ी की ओर जाने वाले 17 मार्ग बंद कर दिए हैं। साथ ही पुलिस ने राम की पैड़ी और राम पथ से जुड़ी सभी कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के नाम की सूची तैयार की है। अयोध्या थाने के निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने सोमवार को बताया कि राम की पैड़ी से जुड़ी 17 सड़कों को सुरक्षा की दृष्टि से बंद कर दिया गया है। सिर्फ पास धारकों को ही इन रास्तों से गुजरने की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि राम की पैड़ी की तरफ जाने वाले सभी रास्तों पर अवरोधक लगा दिए गए हैं। सिर्फ घाटों पर तैनात किये गये स्वयंसेवक, दीपोत्सव कार्यक्रम से जुड़े अधिकारियों और पास धारकों को ही इन रास्तों पर प्रवेश मिलेगा। शर्मा ने बताया कि राम की पैड़ी की सुरक्षा को देखते हुए सभी 17 सम्पर्क मार्गों पर एक-एक दारोगा और चार-चार सिपाही तैनात किये गये हैं। उन्होंने बताया कि राम की पैड़ी से सटे इलाकों में रहने वाले लोगों से खासतौर पर आग्रह किया गया है कि वे दीपोत्सव वाले दिन प्रतिबंधित गलियों से ना गुजरें और ना ही अपने घरों की छतों पर जाएं। इसके लिये इलाके की सभी ऊंची इमारतों पर सुरक्षाकर्मी तैनात किये जाएंगे। आगामी 30 अक्टूबर को छोटी दीपावली के अवसर पर राम की पैड़ी तथा अन्य घाटों पर 28 लाख दीये जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने की जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। घाट प्रभारी और समन्वयक नियमित रूप से दीयों को घाट पर व्यवस्थित तरीके से रख रहे स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, हर दीये में 30 मिलीलीटर सरसों का तेल भरा जाएगा और इस प्रक्रिया की सावधानीपूर्वक निगरानी की जाएगी।

यमुना एक्सप्रेसवे पर तीन वाहनों की सिलसिलेवार टक्कर में छह यात्री घायल

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के महावन थाना इलाके में सोमवार को सुबह यमुना एक्सप्रेस-वे पर सिलसिलेवार तीन वाहनों की टक्कर होने से छह यात्री घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आजमगढ़ से दिल्ली जा रही एक डबल डेकर बस रास्ते में कैंटर में पीछे से जा टकराई और कुछ समय बाद ही उसी ट्रैक पर नोएडा की ओर जा रही एक कार भी उसमें जा भिड़ी। पुलिस के मुताबिक, इस सिलसिलेवार टक्कर में घायल आधा दर्जन यात्रियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है तथा दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को मौके से हटवाकर यातायात चालू करा दिया गया है। यह दुर्घटना महावन थाना क्षेत्र में घटी। महावन की थाना प्रभारी डेजी पंवार ने बताया कि सुबह साढ़े पांच बजे आगरा की ओर से आ रही डबल डेकर बस आगे चल रहे कैंटर द्वारा एकाएक ब्रेक लगा दिए जाने से उसके पीछे से जा टकराई, कुछ ही पलों में एक मारुति कार भी बस से जा टकराई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने बताया कि इन दुर्घटनाओं में घायल हुए लोगों को अस्पताल भेजकर यातायात बहाल करा दिया गया है। घायलों के परिजनों को भी सूचना दे दी गई है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने श्री काशी विश्वनाथ और बाबा कालभैरव के दरबार में लगाई हाजिरी

वाराणसी, एजेंसी। केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सोमवार को काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत हाजिरी लगाई और दर्शन पूजन किया। केन्द्रीय मंत्री ने दोनों मंदिरों में दर्शन पूजन के बाद बाबा विश्वनाथ और कालभैरव से देश में सुख समृद्धि की मंगलकामना की। बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन पूजन के बाद इसकी फोटो भी केन्द्रीय मंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की। उन्होंने लिखा कि आज काशी में बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन व पूजन करने का सौभाग्य मिला। महादेव का आशीर्वाद सदैव सब पर बना रहे। सभी के जीवन में सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना। इसी तरह कालभैरव का दर्शन कर लिखा कि काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव जी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। उनके आशीर्वाद से सभी का जीवन मंगलमय हो, यही कामना करता हूँ। दोनों मंदिरों में दर्शन पूजन के बाद केन्द्रीय मंत्री आईआईटी बीएचयू के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। परिसर स्थित स्वतंत्रता भवन सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में केन्द्रीय मंत्री 53 मेधावियों को मेडल और 7 को विशेष पुरस्कार देंगे। समारोह में 1954 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जाएगी।

ट्रक और कार की टक्कर में दादा-पोते की मौत, परिवार के तीन सदस्य भी जख्मी

महराजगंज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले में ट्रक और कार की टक्कर में कार सवार एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत हो गयी तथा तीन जख्मी हो गये। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रविवार देर रात निचलौल क्षेत्र में एक कार और ट्रक की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई जिससे कार चालक रमेश पटेल (50) और उनके दो वर्षीय पोते शिवांश की मौत हो गयी। उसने बताया कि कार में सवार परिवार के तीन अन्य सदस्य जख्मी हो गई जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि कार सवार सभी लोग कपिया गांव के निवासी थे। उसने बताया कि घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है और उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एक नजर

गायघाट में मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण योजना के तहत तीन सड़कों का उद्घाटन

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम के तहत गायघाट प्रखंड में लगभग 1.24 करोड़ रुपये की लागत से बने तीन सड़कों का उद्घाटन किया गया। इन सड़कों का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग की देखरेख में संपन्न हुआ है। इन तीन सड़कों में शामिल हैंः गायघाट प्रखंड के मैठी ढहऊ मार्ग पर रामलगन राय के घर से मिडिल टोला तक का पथ निर्माण, पिरौंछा हाई स्कूल से महुआरा गांव तक की सड़क और शिवदहा के राम जानकी मंदिर से दरभंगा सीमन तक की सड़क। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों द्वारा मिले अपार स्नेह और आशीर्वाद से अतिथिगण अभिभूत नजर आए। इस अवसर पर जिला राजद महासचिव फूलबाबू राय, प्रधान महासचिव राहुल यादव, मुखिया गणेशी ठाकुर, मीडिया प्रभारी मो. रेहान शेख, अति पिछड़ा प्रदेश सचिव सह सरपंच संघ अध्यक्ष परशुराम सहनी, वरिष्ठ राजद नेता परमानंद चौपाल, नवल पटेल, शंकर साह, उपाध्यक्ष सह पंसस दिनेश राय, पंसस विजय यादव, युवा नेता संतोष यादव, पंचायती राज प्रधान महासचिव धर्मेंद्र यादव, अनुसूचित प्रखंड अध्यक्ष हरेंद्र राम, अमरजीत राय, झपसी राय, डॉ. सुरेंद्र राय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने सरकार द्वारा ग्रामीण इलाकों में सड़कों के विकास को सराहा और इस प्रकार की योजनाओं के महत्व पर जोर दिया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी और विकास में सुधार हो सके।

मुजफ्फरपुर मरीन ड्राइवः रात की खूबसूरती का अद्भुत नजारा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर मरीन ड्राइव, जिसे स्थानीय लोग प्यार से "मरीन ड्राइव" कहते हैं, एक नई पहचान बना रहा है। यह स्थान अब न केवल दिन में, बल्कि रात में भी अपनी खूबसूरती से सैलानियों को आकर्षित कर रहा है। पटना मरीन ड्राइव के मुकाबले में, यह जगह अपनी खासियत के लिए जानी जा रही है।

रात की रोशनी और ठंडी हवा का जादू

जब सूर्य अस्त होता है, तो मरीन ड्राइव की चमक बढ़ जाती है। रात की रोशनी में नहाई हुई यह जगह, ठंडी हवा के साथ एक शांतिपूर्ण माहौल प्रदान करती है। यहां की सजावट और स्ट्रीट लाइटिंग की व्यवस्था, इस स्थान को और भी आकर्षक बनाती है। स्थानीय लोग और पर्यटक यहां सैर करने, बैठने और एक दूसरे के साथ समय बिताने के लिए आते हैं।

खाने-पीने के स्टाल और सांस्कृतिक गतिविधियाँ

मरीन ड्राइव पर कई खाने-पीने के स्टाल भी हैं, जहां पर स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकता है। इस स्थान पर सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी आयोजित की जाती हैं, जिसमें लाइव म्यूजिक, नृत्य और अन्य मनोरंजन कार्यक्रम शामिल होते हैं। यह सभी चीजें मिलकर मरीन ड्राइव को एक खास अनुभव बनाती हैं। मुजफ्फरपुर मरीन ड्राइव न केवल शहर की खूबसूरती को बढ़ा रहा है, बल्कि यह पर्यटन के लिए नए अवसर भी प्रदान कर रहा है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी, जिससे रोजगार के नए साधन उत्पन्न होंगे। मुजफ्फरपुर मरीन ड्राइव, रात की खूबसूरती के साथ-साथ स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का संगम है। यहां की खासियतों और आकर्षणों के चलते, यह स्थान जल्द ही बिहार के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शुमार होने की राह पर है।

अयोध्या को सीतामढ़ी से जोड़ने के लिए रेल लाइन का दोहरीकरणः विकास के नए द्वार

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी और शिवहर के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर और लवली आनंद ने भारतीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और केंद्रीय कैबिनेट द्वारा सीतामढ़ी (पुनौरा धाम) को अयोध्या से जोड़ने के लिए रेल लाइन के दोहरीकरण के फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेलमंत्री को धन्यवाद दिया।

परियोजना का विवरण और महत्व

करीब 256 किलोमीटर लंबी इस रेल लाइन के दोहरीकरण के लिए 4,553 करोड़ रुपये की लागत निर्धारित की गई है। यह निर्णय शिवहर और सीतामढ़ी जिले के विकास में मील का पत्थर साबित होगा और इन जिलों को विश्व पटल पर सांस्कृतिक और सामरिक रूप से स्थापित करेगा। इस रेल लाइन के दोहरीकरण से शिवहर जिला भी भारत के रेल मानचित्र पर आ जाएगा।

आर्थिक और सामाजिक लाभ

रेल लाइन के दोहरीकरण से सीतामढ़ी और शिवहर जिलों का समग्र विकास होगा। यह न केवल आवागमन को सुगम बनाएगा बल्कि दोनों जिलों में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा। स्थानीय व्यापारियों और किसानों को उनके उत्पादों को बेहतर बाजारों तक पहुँचाने में मदद मिलेगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी।

सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

सीतामढ़ी, जिसे सीता माता की जन्मस्थली माना जाता है, को अयोध्या से जोड़ने से धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। पुनौरा धाम और अयोध्या दोनों ही महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों के रूप में जाने जाते हैं। इस रेल लाइन के माध्यम से भक्तों और पर्यटकों के आवागमन में सुगमता आएगी, जिससे इन स्थलों की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता और भी बढ़ जाएगी। यह परियोजना भविष्य में भी विकास की कई संभावनाओं को जन्म देगी। बेहतर कनेक्टिविटी से न केवल स्थानीय उद्योगों को लाभ होगा, बल्कि क्षेत्र में नई निवेश संभावनाएँ भी खुलेंगी। सरकार की इस पहल से न केवल स्थानीय जनता को लाभ होगा बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर भी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस प्रकार, अयोध्या-सीतामढ़ी रेल लाइन का दोहरीकरण न केवल इन जिलों के आर्थिक और सामाजिक विकास को गति देगा, बल्कि भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को भी संरक्षित और प्रोत्साहित करेगा।

नीतीश कुमार की अध्यक्षता में एनडीए बैठकः पारस गुट को नहीं मिला निमंत्रण

पटना,संवाददाता। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के सभी दलों के प्रमुख नेताओं और कार्यकताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक मुख्यमंत्री आवास में चल रही है। इस बैठक में जदयू (जनता दल यूनाइटेड), भाजपा (भारतीय जनता पार्टी), लोजपा (लोक जनशक्ति पार्टी) रामविलास गुट, हम सेकुलर (हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा सेकुलर), और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी का प्रतिनिधित्व शामिल है।

पारस गुट को नहीं मिला निमंत्रण

इस बैठक में लोजपा के पारस गुट को निमंत्रण नहीं दिया गया है। यह निर्णय राजनीतिक हलकों में खासा चर्चा का विषय बना हुआ है क्योंकि लोजपा के पारस गुट का एनडीए में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। पारस गुट के नहीं बुलाए जाने के पीछे की वजहों पर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला लोजपा में चल रहे अंदरूनी विवादों और गुटबाजी का परिणाम हो सकता है।

बैठक का एजेंडा और मुद्दे

बैठक के एजेंडे में मुख्य रूप से आगामी चुनावी रणनीतियों पर चर्चा की जा रही है। इसके अलावा, एनडीए के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने, राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति और सरकार की उपलब्धियों पर भी विचार-विमर्श किया जा रहा है। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया जा रहा है कि कैसे एनडीए बिहार में अपनी स्थिति को और मजबूत कर सकता है और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।

प्रमुख नेताओं का विचार-विमर्श

इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल, लोजपा (रामविलास गुट) के अध्यक्ष चिराग पासवान, हम सेकुलर के प्रमुख जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की उपस्थिति रही। नेताओं ने विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार साझा किए और एनडीए की एकजुटता पर जोर दिया।

राजनीतिक प्रभाव और अटकलें

इस बैठक का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह बिहार में राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित कर सकता है और आने वाले चुनावों के संदर्भ में एनडीए की दिशा को निर्धारित करने में मददगार साबित हो सकता है। पारस गुट को शामिल नहीं करने के निर्णय का आगामी चुनावों में क्या प्रभाव पड़ेगा, इस पर भी चर्चा हो रही है। कई राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर नजर रख रहे हैं कि इस फैसले से एनडीए के भीतर क्या प्रतिक्रिया होती है और इससे गठबंधन की एकजुटता पर क्या असर पड़ता है। एनडीए की इस बैठक में लिए गए निर्णयों और नीतियों पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। बिहार की राजनीति में यह बैठक एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि पारस गुट को शामिल नहीं करने का क्या प्रभाव पड़ता है और एनडीए अपनी रणनीतियों को कैसे आगे बढ़ाता है।

गया की कंचनः कचरे के डिब्बे और बाल्टी से मशरूम उत्पादन कर हर महीने कमा रही हजारों

गया। बिहार के गया जिला में मशरूम उत्पादन का हब बनता जा रहा है। इस क्षेत्र में एक नया नाम उभर कर सामने आया है - कंचन कुमारी। गया की रहने वाली कंचन कुमारी ने नई तकनीक का उपयोग कर मशरूम उत्पादन में सफलता हासिल की है और मशहूर हो गई हैं।

कचरे के डिब्बे और बाल्टी में मशरूम उत्पादन

कंचन कुमारी ने अपने घर में कचरे के डिब्बे और बाल्टियों का उपयोग कर मशरूम उत्पादन शुरू किया। इस प्रक्रिया से वह हर महीने 15 से 20 हजार रुपये की कमाई कर रही हैं। कंचन ने आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत किया है।

महिला उद्यमियों को बना रही हैं आत्मनिर्भर

कंचन कुमारी न केवल अपने लिए बल्कि दूसरी महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बनी हैं। वह महिला उद्यमियों को एफपीओ (फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन) का सदस्य भी बना रही हैं। इसके माध्यम से वह महिलाओं को मशरूम उत्पादन के लिए बीज और सामग्री उपलब्ध कराती हैं।

बाजार में बेचने में भी कर रही मदद

कंचन का योगदान यहीं तक सीमित नहीं है। वह महिलाओं को उत्पादित मशरूम को बाजार में बेचने में भी मदद करती हैं। इस प्रकार, कंचन कुमारी न केवल खुद आत्मनिर्भर बनी हैं बल्कि दूसरी महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की राह दिखा रही हैं। उनका यह प्रयास नारी सशक्तिकरण का एक बेहतरीन उदाहरण है। कंचन कुमारी की यह कहानी साबित करती है कि यदि ठान लिया जाए, तो किसी भी परिस्थिति में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उनका यह योगदान न केवल गया जिला बल्कि पूरे बिहार के लिए गर्व की बात है।

2025 में फिर से नीतीश कुमार : एनडीए की बैठक में हुआ मुख्यमंत्री पद का ऐलान

पटना। पटना में एनडीए के घटक दलों की एक महत्वपूर्ण बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार नीतीश कुमार होंगे। इस बैठक में एनडीए ने 220+ सीट जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा और इसकी तैयारी आज से विधिवत प्रारंभ कर दी गई है।

बैठक की मुख्य बातें

बैठक में जदयू, भाजपा, लोजपा (रामविलास), उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी और जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा ने भाग लिया। हालांकि, इस बैठक में पशुपति कुमार पारस को निमंत्रण नहीं दिया गया था, जो एक अहम राजनीतिक संकेत हो सकता है।

रणनीति और तैयारी

एनडीए के घटक दलों ने अपने-अपने क्षेत्रों में आगामी चुनाव की तैयारियों पर काम शुरू कर दिया है। सभी दलों ने मिलकर एक संयुक्त रणनीति बनाने का निर्णय लिया है, जिसमें ग्रासरूट स्तर पर काम करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पार्टी कार्यकताओं को सक्रिय करने, बूथ स्तर पर मजबूती बनाने और जनता से सीधे संवाद करने की योजना बनाई गई

है।

नीतीश कुमार का नेतृत्व

नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए ने पिछले चुनावों में भी सफलता प्राप्त की थी। उनका राजनीतिक अनुभव और प्रशासनिक क्षमता एनडीए के लिए एक मजबूत पक्ष साबित होती है। बैठक में शामिल नेताओं ने उनके नेतृत्व पर विश्वास जताया और कहा कि उनके मार्गदर्शन में एनडीए एक बार फिर से बिहार में मजबूत वापसी करेगी।

गठबंधन के मुद्दे

बैठक में गठबंधन के सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी घटक दलों ने एकजुट होकर चुनाव लड़ने और सभी चुनौतियों का सामना करने का संकल्प लिया। सभी दलों के नेताओं ने आपसी समन्वय और सहयोग पर जोर दिया, ताकि कोई भी दल अलग-थलग न पड़े और मिलकर चुनावी सफलता प्राप्त की जा सके। इस बैठक के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार ही एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। एनडीए ने अपने लक्ष्य को स्पष्ट करते हुए 220+ सीटों पर जीत हासिल करने का संकल्प लिया है और इसकी तैयारी आज से ही शुरू हो गई है। आगामी चुनावों में एनडीए की रणनीति और नीतीश कुमार का नेतृत्व ही यह तय करेगा कि वे इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को कितनी सफलता से प्राप्त कर पाते हैं।

छठ पर्व को लेकर सीओ एवं थाना अध्यक्ष ने किया घाटों का निरीक्षण

- नावों एवं गोताखोरों की उपलब्धता के निर्देश
- संवेदनशील स्थलों को किया चिन्हित

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। जिले के बन्दरा के सीओ अंकुर राय और पीयर थाना अध्यक्ष पंकज यादव ने प्रखंड क्षेत्र के बूढ़ी गंडक नदी के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शांति, सुरक्षा व्यवस्था और संवेदनशील घाटों को चिन्हित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीओ अंकुर राय और थाना अध्यक्ष पंकज यादव ने बताया कि प्रखंड के रामपुरदयाल, पीयर, सिमरा, पिलखी-देदौल, बड़गांव जैसे विभिन्न क्षेत्रों में छठ घाटों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा की दृष्टि से नाव और गोताखोरों की व्यवस्था को लेकर कार्रवाई की। अधीनस्थ कर्मियों को सुरक्षा को लेकर विशेष दिशा-निर्देश दिए गए हैं ताकि छठ पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो। प्रशासन का कहना है कि छठ पर्व के अवसर पर सुरक्षात्मक इंतजाम किए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मुजफ्फरपुर में जल प्रबंधन को लेकर मंत्री राजभूषण निषाद की बैठक, कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

मुजफ्फरपुर। जिला समाहरणालय सभागार में आज जलशक्ति मंत्री राजभूषण चौधरी निषाद की अध्यक्षता में जल प्रबंधन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के अधिकारियों के साथ जल संरक्षण और बेहतर जल प्रबंधन के विभिन्न बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई। बैठक के दौरान जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। मंत्री ने जल संकट को रोकने और जल स्रोतों के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सरकारी योजनाओं के तहत लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के प्रयासों को और तेज किया जाएगा। बैठक के बाद मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, "हम जल प्रबंधन के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और इसे सुदृढ़ करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। बैठक में लिए गए निर्णयों का कार्यान्वयन जल्द ही शुरू किया जाएगा।

सीतामढ़ी के किसानों के लिए नई उम्मीदः 80 लाख की लागत से धान बीज प्रोसेसिंग यूनिट

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी जिले के भूप भैरों गांव में किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। यहाँ 80 लाख की लागत से धान के बीज की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित की जा रही है। इस यूनिट का उद्देश्य धान के बीजों की गुणवत्ता को बढ़ाना है, जिससे स्थानीय किसानों को बेहतर उत्पादन और अधिक मुनाफा मिल सके।

इस यूनिट में काला नमक और बासमती जैसी उच्च गुणवत्ता वाली धान की किस्मों की प्रोसेसिंग की जाएगी। इन किस्मों की मांग बाजार में बहुत अधिक है, और गुणवत्ता बढ़ाने से इनकी कीमत और भी बढ़ सकती है। इस पहल से लगभग 55 से ज्यादा स्थानीय किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। किसानों का कहना है कि इस तरह की यूनिट से उनके उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होगा और वे बेहतर मूल्य पर अपना धान बेच सकेंगे। साथ ही, यह पहल किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति जागरूक करने में भी सहायक होगी।सरकार और स्थानीय प्रशासन द्वारा इस पहल का समर्थन किया जा रहा है, और उम्मीद की जा रही है कि इससे सीतामढ़ी के किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस प्रकार की पहलें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

बिहार का पहला अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्लांट बनेगा नवीनगर, 800 मेगावाट की लगेगी तीन और यूनिट

औरंगाबाद। बिहार में ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, नवीनगर में एनटीपीसी (नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन) का पहला अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्लांट स्थापित किया जा रहा है। यह प्लांट औरंगाबाद जिले में स्थित है और इसे राज्य के ऊर्जा उत्पादन में एक नई ऊँचाई पर ले जाने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा है।

1. स्टेज दो के तहत 800 मेगावाट की तीन इकाइयों का निमार्णः नवीनगर में एनटीपीसी प्लांट के स्टेज दो के तहत 800 मेगावाट की तीन नई इकाइयों का निर्माण किया जाएगा। यह नया निर्माण प्लांट की वर्तमान उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 4380 मेगावाट तक पहुंचाएगा, जिससे यह प्लांट देश के प्रमुख पावर प्लांट्स में से एक बन जाएगा।

2. देश के प्रमुख पावर प्लांट में से एकः स्टेज दो के निर्माण के बाद, नवीनगर प्लांट देश के प्रमुख पावर प्लांट्स में से एक बन जाएगा। इस परियोजना से न केवल बिहार बल्कि पूरे देश में बिजली की आपूर्ति को स्थिरता और विश्वसनीयता मिलेगी।

3. वर्तमान क्षमताः फिलहाल नवीनगर सुपर थर्मल पावर स्टेशन की क्षमता 1980 मेगावाट है। यह क्षमता पहले से ही राज्य की बिजली जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसके विस्तार से यह और भी प्रभावी हो जाएगी।

4. बिजली उत्पादनः वित्तीय वर्ष 2023-24 में, इस प्लांट ने 14 हजार मिलियन यूनिट (14411 एमयू) से भी ज्यादा बिजली उत्पादन किया है। यह उत्पादन दशार्ता है कि प्लांट अपनी

वर्तमान क्षमता का पूरा उपयोग कर रहा है और आगामी विस्तार के बाद इसके उत्पादन में और भी वृद्धि होगी।

5. तकनीकी उन्नति और पर्यावरणीय लाभः अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल तकनीक का उपयोग करने से ऊर्जा उत्पादन में अधिक दक्षता और कम कार्बन उत्सर्जन होगा। यह पर्यावरण के अनुकूल है और सतत विकास को बढ़ावा देता है। इस तकनीक के कारण ईंधन की खपत कम होगी और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी कम होगा।

6. आर्थिक और सामाजिक प्रभावः इस परियोजना से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। निर्माण और संचालन के दौरान रोजगार के अवसर पैदा होंगे, जिससे क्षेत्र के निवासियों को लाभ होगा। इसके अलावा, इस परियोजना से क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का भी विकास होगा।

नवीनगर में एनटीपीसी का यह नया अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्लांट बिहार में ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इसके सफल संचालन से राज्य को स्थायी और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे न केवल उद्योग और वाणिज्य को बल मिलेगा बल्कि आम जनता को भी लाभ होगा। यह परियोजना बिहार के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और राज्य को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम आगे बढ़ाएगी।

चरण सिंह

विचार

महाराष्ट्र में सपा तो उत्तर प्रदेश में कांग्रेस विपक्ष का करेगी नुकसान!

भले ही विपक्ष में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी प्रतिपक्ष नेता हों, भले ही उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की पार्टी लोकसभा सभा में सबसे अधिक सीटें ले आई हो पर बीजेपी की रणनीति के सामने विपक्ष के नेता टिक नहीं पा रहे हैं। लोकसभा चुनाव में आरक्षण और संविधान मुद्दे पर गच्चा खाई बीजेपी ने हरियाणा चुनाव में जबरदस्त वापसी की है। भाजपा के सामने सहयोगी दल बड़बड़ा कर रह जाते हैं तो कांग्रेस को उसके सहयोगी दल कुछ समझने को तैयार नहीं। लोकसभा चुनाव में चाहे अखिलेश यादव हों, ममता बनर्जी हों, शरद पवार हो, उद्धव ठाकरे हों सभी क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस को कोई खास तवज्जो नहीं दी। कांग्रेस को सभी राज्यों में समझौता करना पड़ा।

कांग्रेस हरियाणा विधानसभा चुनाव क्या हार गई कि क्षेत्रीय दल उसे कुछ समझने को तैयार नहीं। उत्तर प्रदेश उप चुनाव में अखिलेश यादव ने सभी नौ सीटों पर अपने सिंबल पर प्रत्याशी उतारे हैं तो महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव), एनसीपी ने कांग्रेस को कोई खास तवज्जो नहीं दी। झारखंड में भी यही हाल है। हेमंत सोरेन कांग्रेस को उतनी तवज्जो नहीं दे रहे हैं। सपा तो महाराष्ट्र में भी कांग्रेस को आंख दिखा रही है। सपा अध्यक्ष अबू आजमी ने २० सीटों पर चुनाव लड़ने की चेतावनी दे दी है। कांग्रेस है कि उसे विपक्ष की सभी पार्टियों के नखरे झेलने पड़ रहे हैं। हालांकि इसके लिए खुद कांग्रेस ही जिम्मेदार है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में जब अखिलेश ने छह सीटें मांगी तो तत्कालीन कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार कल्पनाथ राय ने कह दिया कि ये अखिलेश वखिलेश कौन होता है। ऐसे ही हरियाणा विधानसभा चुनाव में भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस को एक भी सीट नहीं दी। यही वजह रही कि अखिलेश ने उत्तर प्रदेश के सभी सीटों पर अपने सिंबल पर प्रत्याशी उतार दिये।

अखिलेश यादव को यह समझ लेना चाहिए कि कांग्रेस ने भले ही उत्तर प्रदेश उप चुनाव में सपा को समर्थन दे दिया हो पर अखिलेश यादव के निर्णय से कांग्रेस के नेता नाराज हैं। उत्तर प्रदेश के कांग्रेस नेता चुनाव में सपा को नुकसान करते दिखेंगे। फूलपुर में ऐसे ही सुरेश यादव ने पर्चा नहीं भरा है। इसकी बड़ी वजह यह है कि कांग्रेस नेताओं के दिमाग में बैठ गया है कि अखिलेश यादव को जो ३७ सीटें मिली हैं उनमें कांग्रेस का बहुत बड़ा योगदान है। यह बात सपा नेता भी जानते हैं कि आज की तारीख में मुस्लिम राहुल गांधी को अपना नेता मान रहे हैं। कांग्रेस नेता जानते हैं कि अब कांग्रेस उत्तर प्रदेश में पैर पसार रही है। ऐसे में कांग्रेस नेता नहीं चाहेंगे कि अखिलेश यादव को ज्यादा सीटें मिले।

उधर अखिलेश यादव भी नहीं चाहते कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पैर पसारे। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश में जमने के बाद सपा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यदि उत्तर प्रदेश का मुसलमान कांग्रेस के साथ आ गया तो सपा की स्थिति डांवाडोल हो जाएगी। यही वजह है कि कांग्रेस और सपा दिखाने को तो एक साथ हैं पर दोनों ही पार्टियां एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगी हैं और इस अंदरूनी लड़ाई का फायदा बीजेपी को हो रहा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के विस्तार की जरूरत

-डॉ. पीएस वोहरा-

कुछ समय पहले विश्व बैंक ने भारत को चेताया है कि उसे अमेरिका की वर्तमान प्रति व्यक्ति आय के एक-चौथाई स्तर तक पहुंचने में अभी 75 वर्ष का समय और लग सकता है। उसने यह भी रेखांकित किया है कि मध्यम वर्गीय प्रति व्यक्ति आय के जाल में फंसना भारत के लिए बहुत संभव होता दिख रहा है। वर्तमान में भारत में प्रति व्यक्ति आय 2, 500 डॉलर है और इसे 20, 000 डॉलर तक पहुंचने में 2047 की विकसित भारत बनने की समय सीमा से भी अधिक समय लग सकता है। प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने की चुनौतियां भविष्य में और गंभीर हो सकती हैं। वैश्विक मानकों के अंतर्गत उच्च मध्यवर्गीय आय की आर्थिक सीमा 13, 845 डॉलर तक है। विश्व बैंक ने यह भी बताया है कि 1990 से लेकर अब तक वैश्विक स्तर पर मात्र 34 देश ही मध्यम वर्गीय आय से उच्च स्तर की प्रति व्यक्ति आय के दायरे में पहुंच पाये हैं। वे 34 मुल्क, मात्र 25 करोड़ के लगभग जनसंख्या का ही प्रतिनिधित्व करते हैं, जो भारत की वर्तमान आबादी के 20 प्रतिशत से भी कम है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की तरक्की और उसकी चुनौतियों पर हो रही चचाओं के बाद से आर्थिक विस्तार एवं प्रगति को देखने-समझने का नजरिया बदलने लगा है। यह सवाल पूछा जा रहा है कि जीडीपी में निरंतर बढ़ोतरी का बहुत अधिक महत्व क्यों है। वर्तमान में सर्वाधिक जीडीपी वाले शीर्ष के 10 देशों में सबसे कम प्रति व्यक्ति आय भारत की है। इस समय भारत 3.94 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के संदर्भ में अक्सर इसकी विशाल जनसंख्या का एक विपरीत संदर्भ सदैव रहता है, पर सवाल उठता है कि चीन की अधिक आबादी का क्या। आर्थिक विकास के मोर्चे पर जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय में चीन ने भारत को करीब डेढ़ दशक पहले ही पीछे छोड़ दिया था। यकीनन भारत ने पिछले तीन-चार दशकों में आर्थिक विकास का एक सुखद सफर तय किया है और जीडीपी एवं प्रति व्यक्ति आय में निरंतर बढ़ोतरी हुई है। साठ से नब्बे के तीन दशकों तक भारत में प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी दो गुना से कम ही दर्ज हुई, जबकि आर्थिक सुधारों के बाद से अब तक इसमें करीब पांच गुना बढ़ोतरी हुई है। लेकिन विश्व बैंक के अनुसार भारत को अब आमूलचूल परिवर्तन करने ही पड़ेंगे, अन्यथा अधिकांश आबादी का मध्य आय के जाल में फंसे रहना निश्चित है। पिछले 15 वर्षों से भारत की विकास दर पांच प्रतिशत या उससे अधिक रही है, पर इसी मामले में कुछ अन्य देशों, जिनमें कोरिया मुख्य उदाहरण के तौर पर सामने आता है, ने पिछले 50 वर्षों से अपनी विकास दर को बरकरार रखा है। भारत के पास अभी आगामी 20 से 25 वर्षों तक के लिए एक चुनौती है कि वह अपनी न्यूनतम विकास दर को पांच प्रतिशत या उससे अधिक बनाये रखे।

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में हुई प्रगति तथा भारतीयों के व्यक्तिगत आर्थिक जीवन स्तर में हुई वृद्धि ऐसे दो मुख्य आयाम है, जिनके बीच में एक तार्किक संबंध को स्थापित करना आवश्यक है। पिछले तीन दशक से दोनों में एक सकारात्मक संबंध भारतीय समाज में देखने को मिलता है। उदाहरण के लिए, 2000 के दशक में पांच हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पाने वाले व्यक्ति के लिए तब उपलब्ध न्यूनतम लागत की कार को खरीदने की क्रय क्षमता तीन से पांच वर्ष तक होती थी, जो आज छह माह पर आ गयी है क्योंकि अब वेतन 60 हजार रुपये प्रतिमाह के बराबर है। एक अन्य रोचक तथ्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों से भारतीय समाज के जो परिवार निम्न मध्यम आय वर्ग से मध्यमवर्गीय आय की श्रेणी में पहुंचे हैं, उनमें हवाई यात्रा के उपयोग का प्रचलन बढ़ा है क्योंकि वे उसका खर्च वहन करने में सक्षम हुए हैं। यह भी सच है कि प्रतिस्पर्धा के चलते हवाई यात्रा की लागत नियंत्रण में रही है। यह तथ्य एक विचित्र स्थिति को प्रस्तुत करता है कि आज भी भारत के विनिर्माण क्षेत्र द्वारा उत्पादित रेडीमेड कपड़ों को खरीदने की पहुंच आबादी के 20 प्रतिशत लोगों तक ही है क्योंकि उसकी लागत तीन हजार रुपये या उससे अधिक है। वहीं समाज का एक बहुत बड़ा तबका जो 300 से 500 रुपये तक की कमीज या पतलून पहनता है, जिसे भारत बांग्लादेश व वियतनाम जैसे देशों से खरीदता है। अब सरकार, समाज व बाजार तीनों को एक दिशा में आगे बढ़ना होगा। इस संदर्भ में सरकार को वित्तीय नियंत्रण को मुख्य उद्देश्य में रखना, अपनी वित्तीय ऋण पर निर्भरता कम करना ताकि निजी निवेशकों के पास भी कम लागत पर वित्तीय ऋण की उपलब्धता रह सके आदि उपायों पर ध्यान देना चाहिए।

बेफिक्र रहिये ! न कोई कटेगा और न कोई बंटेगा

-राकेश अचल-

> दुनिया जानती है कि संघ जिस की बेल है उससे अमृतफल तो नहीं निकल सकते। संघ के भावी मुखिया दत्तात्रेय होसबाले ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान का समर्थन किया, उन्होंने कहा कि हमें इसे आचरण में लाना चाहिए. यह हिंदू एकता और लोक कल्याण के लिए जरूरी है.। दत्तात्रेय होसबाले अभी आरएसएस के सरकार्यवाह हैं उन्हें सरसंघ चालक बनने से पहले वो सब करना और कहना पडेगा जो न सिर्फ अनिवार्य है बल्कि अपरिहार्य भी है।

आखिर होसबोले भी वो ही बोले जो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिछले कई महीनों से लगातार बोलते आ रहे हैं। दोनों की बोली और शब्दों का स्वरूप एक ही है। दोनों देश के बहुसंख्यकों को भयभीत कर रहे हैं कि यदि बँटोगे तो कटोगे। दोनों के निशाने पर देश के वे अल्पसंख्यक हैं जिन्हें आरएसएस आजादी के 77 साल बाद भी भारत का नागरिक नहीं मानता। आरएसएस और महंत योगी आदित्यनाथ के बोल एक संप्रभु, विविधवर्णी देश कि जड़ों में मठा डाल रहे हैं।

मै उन लोगों में से नहीं हूँ जो आरएसएस को आतांकवादी संगठन मानते हैं। मै आरएसएस को राष्ट्रद्रोह संगठन भी नहीं कहता, लेकिन मेरे मानने और कहने से कुछ नहीं होता क्योंकि आरएसएस जो है वो खुद प्रमाणित कर रहा है, और तब कर रहा है जब इस विशिष्ट देश ने आरएसएस को 99 साल तक अपनी कोख में पाला पोसा है। ये संघ का शताब्दी वर्ष है। देश ने कभी नहीं कहा कि आरएसएस को भारत में नहीं होना चाहिए। लेकिन आरएसएस है जो न सिर्फ खुद बल्कि अपनी दत्तक संतानों से भी यही कहला रही है कि इस देश को कांग्रेस विहीन होना चाहिए।

दुनिया जानती है कि संघ जिस की बेल है उससे अमृतफल तो नहीं निकल सकते। संघ के भावी मुखिया दत्तात्रेय होसबाले ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान का समर्थन किया, उन्होंने कहा कि हमें इसे आचरण में लाना चाहिए. यह हिंदू एकता और लोक कल्याण के लिए जरूरी है.। दत्तात्रेय होसबाले अभी आरएसएस के सरकार्यवाह हैं उन्हें सरसंघ चालक बनने से पहले वो सब करना और कहना पडेगा जो न सिर्फ अनिवार्य है बल्कि अपरिहार्य भी है।

दुर्भाग्य की बात ये है कि संघ और संघ का दत्तक पुत्र भाजपा एक विचार है, ऐसा विचार जो न सामयिक है और न आवश्यक। संघ और भाजपा का व्यवहार दुनिया में रूढ़ियों से घिरे तालिबानियों से बहुत कुछ मेल खाता है। संघ देश कि विविधता में यकीन करता ही नहीं है, संघ हिन्दुओं कि श्रेष्ठता में न सिर्फ यकीन करता है बल्कि उसे बहुसंख्यक हिन्दुओं के मन-मस्तिष्क में अंगद के पैर की तरह जमा देना चाहता है। दुर्भाग ये कि संघ को लगभग एक सदी में भी इस योजना में कामयाबी नहीं मिली। मुझे लगता है कि इस अभियान को साकार करने के लिए संघ को सात जन्म तो लेना ही पड़ेंगे।

होसबाले 2021 से सरकार्यवाह के रूप में कार्यरत हैं, वे 2024 से 2027 तक अपने इस पद पर रहने वाले हैं दत्तात्रेय होसबाले और योगी आदित्यनाथ में और कोई समानता हो या न हो लेकिन एक समानता ये है कि ये दोनों यदुवंशी हैं। दोनों अविवाहित हैं और दोनों बाल्य-काल से एक खास तरह की दीक्षा से गुजरे हैं जो कोसों तक भारत की राजनीति से मेल नहीं खाती। होसबोले 56 साल से संघ के साथ हैं और आजीवन रहने वाले हैं। उनका एकमेव लक्ष्य वही है जो 1925 में श्रीमंत केशव वलीराम हेडगवार साहब ने तय किया था। उनका लक्ष्य तो सौ साल में भी पूरा नहीं हुआ लेकिन इस देश को आजाद करने का जो लक्ष्य महात्मा गाँधी ने 81 साल पहले तय किया था वो न सिर्फ फलीभूत हो चुका है बल्कि पल्लिवत -पुष्पित भी हो रहा है।

जैसा कि मैंने पहले ही कहा कि मै संघ का और समस्त संघमित्रों का बहुत सम्मान करता हूँ। सम्मान इसलिए कि वे बहुत त्यागी होते है। सादगी पसंद होते हैं। उन्होंने सादगी हेडगेवार से नहीं बल्कि शायद महात्मा गाँधी से सीखी है। देश और दुनिया ने गांधी की सादगी को तो अंगीकार कर लिया किन्तु हेडगेवार साहब के हिन्दू राष्ट्र को स्वीकार नहीं किया। यदि किया होता तो ये देश 1947 में ही हिन्दू राष्ट्र बन जाता। हिन्दू राष्ट्र बनकर नेपाल ने देख लिया है। इस्लामिक राष्ट्र बनकर पाकिस्तान ने भी देख लिया है। इन्हें क्या हासिल हुआ ये बताना जरूरी नहीं है। चिंता की बात ये है कि संघ तमाम हकीकत जानते हुए भी हार मानने के लिए तैयार नहीं है।

हमारे बुंदेलखंड में होंस को उत्साह या गर्व कहते हैं और होंस से बोलने वालों को गवीर्ला मना जाता है किन्तु दत्तात्रय जी जो बोल रहे हैं उसमें गर्वोक्ति बिलकुल नहीं है केवल दम्भ है दम्भ। इस दम्भ से देश कि गंगा-जमुनी संस्कृति तबाह हो रही है। संघ और सभी संघमित्र गंगा-जमुनी संस्कृति में यकीन करते ही नहीं हैं। उन्हें लगता है कि संस्कृति मुगलों कि देन है और इसका वसुधैव कुटुंबकम से कोई मेल नहीं है, कोई बराबरी नहीं है। जबकि हकीकत कुछ और है। इस हकीकत को न संघ समझना चाहता है और न हमारी भाजपा। समझे तो आखिर कैसे समझे? उसे तो देश को हिन्दू राष्ट्र बनाना है।

देश हिन्दू राष्ट्र बने तो मुझे भी क्या आपत्ति हो सकती है लेकिन हमारा तजुर्बा बता रहा है कि अब बहुत देर हो चुकी है। देश जो राष्ट्र बन चुका है उसे अब बिगाड़ा नहीं जा सकता। नया देश बनाने के लिए बहुत लम्बी लड़ाई लड़ना पड़ती है। महात्मा गाँधी के नेतृत्व में देश कि जनता ने ये लड़ाई लड़ी है, लड़ी ही नहीं उसे जीता भी है। इस जीत में संघ का कितना योगदान है ये दुनिया जानती है और संघ भी। अब लगता है कि संघ 1947 से पहले कि गयी अपनी भूल सुधार करने कि कोशिश करना चाहता है। देश को एक बार फिर से नया नाम देना चाहता है। और इसी के लिए बँटोगे तो कटोगे का नारा दिया गया है। महात्मा गाँधी ने देश को करो या मरो का नारा दिया था और होसबोले देश को बँटोगे तो कटोगे का नारा दे रहे हैं।

आपको याद रखना होगा कि महात्मा गाँधी भी राम भक्त थे और संघमित्र दत्तरी होसबोले भी राम भक्त है। पूरा संघ रामभक्त है। पूरी भाजपा रामभक्त है लेकिन पूरा देश रामभक्त नहीं है। राम का सम्मान सब करते हैं। उन्हें देवता भी मानते हैं। मुसलमान भी उन्हें इमामे-हिन्द कहते हैं। यहां राम को मानने वाले भी हैं और न मानने वाले भी, लेकिन सब हैं भारतीय। और ऐसे भारतीय जिनका जन्म दत्तात्रय होसबोले से पहले हुआ था। उन्हें भारतीयता का प्रमाणपत्र न संघ से चाहिए और न होसबोले से। उनका आधारकार्ड ही उनके भारतीय होने का प्रमाण है। और संयोग से ये प्रमाणपत्र संघ कार्यालय से नहीं भारत सरकार के कार्यालय से जारी होता है।

मुझे हैरानी तो ये है कि डॉ मोहन भागवत हों या माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी भी इस हकीकत को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं, उलटे बार-बार इस हकीकत को ठुकराना चाहते हैं। इन सभी महनुभवों ने देश कि जनता के एक बड़े वर्ग के मन में भय पैदाकरने कि कोशिश की, लेकिन जब ये कोशिश भी असरकारी साबित नहीं हुई तो सबका साथ, सबका विकास से शुरू होकर अब बँटोगे तो कटोगे तक आ पहुंचे हैं। संघ और भाजपा जबरन हिन्दुओं के ठेकेदार बन गए है। जब संघ और भाजपा नहीं थी तब भी इस देश में हिन्दू थे, हिंदुत्व था।

हमारे संघमित्र शायद नहीं जानते कि भारत पर आर्यों ने, फारसियों ने, अलेक्जेंडर ने सेल्यूकस ने, यवनों ने, हूणों ने, अरबों ने मुगलों ने और अंग्रेजों ने हमला किया, शासन किया लेकिन हिन्दू तब भी थे और आज भी हैं। मै संघमित्रों को यकीन दिलाना चाहता हूँ कि भारत में हिन्दू कल भी रहेंगे और बहुसंख्यक बनकर ही रहेंगे, वे न बंटेंगे और न कोई उन्हें काट पायेगा। ये कोशिश सियासत जरूर करती है, लेकिन सियासत भी हर बार कामयाब नहीं होती। कभी-कभी संघ कि विचारधार को कामयाबी मिलती है। जनता भी संघमित्रों को मौका देती है, लेकिन जब हकीकत समझती है तो अपना फैसला बदल भी लेती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

महाराष्ट्र में कांग्रेस की उदारता भाजपा के लिए चिंता का विषय

-दिलीप कुमार पाठक-

महाराष्ट्र में 288 सीटों पर 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होना है। महायुति में सीटों के बंटवारे पर सहयोगी दलों के साथ सहमति पहले ही बन चुकी है। अब महा विकास अघाड़ी की बारी है। हालाँकि महा विकास आघाडी ने 85-85-85 सीटों का फामूर्ला निकाला था, बांकी बची हुई सीटों पर कांग्रेस लड़ना चाहती है, लेकिन उद्धव ठाकरे कांग्रेस को पूरी सीटें देना नहीं चाहते। वक़्त कोई भी हो सहयोगी दलों के साथ सीटों का बंटवारा बिल्कुल भी आसान नहीं होता। राजनीति पल-पल बदलती है, खासकर राजनीति नम्बरों पर ही टिकी हुई होती है। हरियाणा की जीती हुई बाजी हारने के बाद कांग्रेस को महाराष्ट्र में बेहद कम सीटों पर संतुष्ट होना पड़ रहा है। जबकि महाराष्ट्र में भी कांग्रेस खासी मजबूत स्थिति में है। जिस महाराष्ट्र में कभी कांग्रेस अपने दम पर सरकार चलाती थी, अब स्थिति ऐसी हो गई है कि गठबंधन के सहारे चलना कांग्रेस की मजबूरी बन गई है। पिछले कई चुनावों में शरद पवार के साथ मिलकर कांग्रेस लड़ती रही है, जबकि अब तो शरद पवार-और कांग्रेस के साथ उद्धव ठाकरे भी आ गए हैं। हालाँकि ज़्यादा मजबूत सहयोगियों के साथ अपनी महत्वाकांक्षाओं को सीमित करना ही पड़ता है। यही गठबंधन धर्म है जो कांग्रेस निभाती हुई दिख रही है। जो तात्कालिक हरियाणा हार की कीमत है जो महाराष्ट्र में चुकानी पड़ रही है। यही कीमत है जो हर बार कांग्रेस चुकाती है सिर्फ़.और सिर्फ़. अपने क्षेत्रीय नेताओ के कारण जो खुद ही सबकुछ हासिल करना चाहते हैं।

कहाँ तो कांग्रेस हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतकर महाराष्ट्र के महा विकास आघाडी में बड़े भाई की भूमिका चाहती थी, लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा। हरियाणा हार-जाने के बाद कांग्रेस को भाजपा से सीधी टक्कर में बेहद कमजोर माना जा रहा है, कांग्रेस हरियाणा में भाजपा से सीधे टक्कर में थी यही कारण है कि हरियाणा हारने के बाद कांग्रेस को निधाना बनाया गया है। यही कारण है ये भी है कि शरद पवार-संजय राउत कांग्रेस के साथ अच्छी खासी बार्गेनिंग करके फायदा उठा रहे हैं। जबकि कांग्रेस की उदारवादी सोच भाजपा के लिए चिंता का सबब बनी हुई है। हालाँकि कांग्रेस विधानसभा चुनाव में लोकसभा वाला शानदार प्रदर्शन नहीं दोहरा पा रही है। हरियाणा इसका एक बड़ा उदाहरण है, जहां पर जीती हुई बाजी पार्टी ने गंवाई है। अगर महाराष्ट्र की बात करें तो कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में 16 सीटों पर चुनाव लड़ा जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 13 सीटें जीती हैं, यहां भी 11 सीटों पर उसने बीजेपी प्रत्याशी को मात दी थी। अतः अब संदेश देने का प्रयास हो रहा है कि बीजेपी को हराने में सिर्फ कांग्रेस सक्षम है। ऐसे में पार्टी को अगर फिर महाराष्ट्र में अपनी स्थिति मजबूत करनी है उसे हर कीमत पर अपने पारंपारिक वोटबैंक को मजबूत करना होगा। यानी कि पार्टी को दलित, मुस्लिम और आदिवासी वोटरों को अपने पाले में लाने के लिए भरपूर कोशिश करनी चाहिए। जिस तरह से इस बार के लोकसभा चुनाव ने मराठवाड़ा के मराठा आंदोलन ने कांग्रेस के पक्ष में हवा बनाई, फिर कुछ वैसा ही कमाल पार्टी को करना पड़ेगा। स्थानीय मुद्दों को आगे लेकर चलना होगा।

महाराष्ट्र में 85 सीटों पर लड़ने वाली कांग्रेस महाराष्ट्र में अपना सीएम नहीं बना पाएगी, अब तो यही लग रहा है। चूंकि पिछली बार कुछ ऐसी परिस्थितियां बनी कि सीएम पद तो उद्धव ठाकरे को दे दिया गया था क्योंकि समय की डिमांड कुछ ऐसी ही थी। अब जाहिर है कि कांग्रेस इस बार महाराष्ट्र में बड़े भाई की भूमिका में नहीं है, यही कारण है कि कांग्रेस महाराष्ट्र में वैसी नहीं दिख रही जैसी कांग्रेस कभी होती थी। महाराष्ट्र में भाजपा-कांग्रेस दोनों एक दूसरे को रोकने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं की बलि दे रहीं हैं, जहां बेहद कम सीटों वाले शिंदे को भाजपा ने सीएम बना दिया था। जबकि कांग्रेस ने अपने सिद्धांतो से समझौता करते हुए उद्धव ठाकरे को सीएम बना दिया था। देखा जाए तो हर राज्य का चुनाव दूसरे राज्यों से अलग होता है, सभी के मुद्दे अलग होते हैं। भाजपा महाराष्ट्र को हरियाणा की तरह जीतना चाहती है, जबकि महाराष्ट्र एवं हरियाणा में कुछ फर्क. हैं जो कांग्रेस के लिए राहत की बात हैं। दरअसल कांग्रेस पार्टी हर बार आपसी खींचतान अंदरुनी कलह, गुटबाजी में अव्वल रही है, कांग्रेस में अनुशासन की भारी कमी दिखती रही है, जबकि भाजपा अपनी अंदरुनी मामलों को पहले ही निपटा लेती है। कांग्रेस की अंदरुनी कलह भाजपा के लिए हमेशा फायदे का सबब होती रही है। हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश इसके ताजा उदाहरण हैं।

हालाँकि कांग्रेस के लिए महाराष्ट्र में एक राहत की बात यह जरूर है कि महाराष्ट्र में कांग्रेस किसी एक लोकल नेता पर निर्भर नहीं है। जैसे राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट को लेकर विवाद था, हरियाणा में हुड्डा बनाम शैलजा की जंग थी। एमपी में कमलनाथ की मनमानी थी। लेकिन महाराष्ट्र में तो उसके अलग-अलग इलाकों में अलग स्थानीय नेता सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। ऐसे में महत्वकांक्षा या सत्ता की वो रस्साकशी यहां देखने को नहीं मिलने वाली। उदाहरण के लिए लातूर में अमित देशमुख, गढ़चिरौली और चंद्रपुर में विजय वडेट्टीवार, भंडारा में नाना पटोले अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं, महाराष्ट्र में कांग्रेस नेताओ की अंदरुनी कलह जैसी कोई स्थिति नहीं है जबकि अभी सीएम बनने-बनाने की बात अभी दूर की बात है क्योंकि अभी महा विकास आघाडी चुनाव लड़ने पर फोकस करना चाहेगी।

बिहार को साम्प्रदायिकता की आग में झोंकने का कुत्सित प्रयास?

-तनवीर जाफरी-

राजनैतिक यात्राओं से बिहार का गहरा नाता रहा है। भारतीय जनता पार्टी नेता लालकृष्ण आडवाणी ने जब सोमनाथ से अयोध्या तक की रथ यात्रा निकाली थी उस दौरान अयोध्या पहुँचने से पहले ही बिहार के समस्तीपुर में 22 अक्टूबर 1990 को तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव द्वारा उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया था। उस समय विश्वनाथ प्रताप सिंह भारत के प्रधानमंत्री थे। केंद्र में नेशनल फ्रंट की भाजपा के समर्थन से चलने वाली सरकार थी। अडवाणी की रथ यात्रा जहाँ जहाँ से गुजर रही थी वहाँ सांप्रदायिक माहौल खराब हो रहा था। कई जगह साम्प्रदायिक दंगे भी भड़क उठे थे। एक तरफ अडवाणी समर्थक पूरी यात्रा के दौरान जय श्रीराम और सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे जैसे नारे लगा रहे थे वहीं दूसरी तरफ लालू यादव का मत था की इसतरह की यात्रा से देश में साम्प्रदायिक तनाव बढ़ रहा है। इस यात्रा का देश की राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ा। भाजपा ने आडवाणी की गिरफ़्तारी के विरोध स्वरूप विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार से समर्थन वापस ले लिया। दूसरी तरफ इस आंदोलन ने भाजपा में एक नई जान फूँक दी।

उसके बाद जनवरी 2024 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी जिस समय मणिपुर से मुंबई तक देश के 15 राज्यों के 110 जिलों की यात्रा पर थे उस दौरान उन्होंने भी बिहार में चार दिनों में 425 किलोमीटर की दूरी किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार व अररिया जैसे जिलों में की थी। इस यात्रा का नाम था 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा'। इस यात्रा में राहुल समाज के सभी वर्गों को जोड़ने तथा समाज के शोषित वर्ग को न्याय दिलाने की बात किया करते थे। इसके अतिरिक्त भी बिहार की जो यात्रायें चर्चित रहीं उनमें विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी की निषाद संकल्प यात्रा, प्रशांत किशोर की जन सुराज यात्रा तथा सीपीआई-एमएल की न्याय यात्रा व तेजस्वी यादव की कार्यकर्त्ता संवाद यात्रा उल्लेखनीय है। परन्तु गत 18 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह द्वारा जो ह्यहिंदू स्वाभिमान यात्राह्ल शुरू की गयी थी उसके तेवर, मकसद व नीयत सब कुछ विवादित था। यही वजह थी कि न केवल बीजेपी ने गिरिराज सिंह की इस यात्रा से खुद को अलग रखा बल्कि बिहार में बीजेपी की सत्ता सहयोगी जनता दाल यूनाइटेड ने भी इस यात्रा का विरोध किया। जिसके चलते गिरिराज सिंह को यह यात्रा 20 अक्टूबर को ही रोकनी पड़ी। परन्तु इस बीच भागलपुर से शुरू हुई उनकी यात्रा किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया होते हुये अररिया पहुँच चुकी थी। यह जिले सीमांचल क्षेत्र के जिले कहे जाते हैं। जहाँ मुसलमानों की घनी आबादी है। यह वही इलाके हैं जिनमें कई सीटों पर असदुद्दीन ओवैसी भी बड़ी उम्मीदें लेकर अपने उम्मीदवार तो जरूर खड़ा करते हैं परन्तु क्षेत्र के लोग उनके झांसे में भी नहीं आते।

सवाल यह है कि स्वयं केंद्रीय मंत्री होने तथा बिहार में भी भाजपा-जे डी यू गठबंधन की सरकार होने के बावजूद गिरिराज सिंह को राज्य में ह्यहिंदू स्वाभिमान यात्राह्ल निकालने की जरुरत क्यों महसूस हुई? ऐसा तो संभव नहीं है कि वह यात्रा की योजना बना रहे हों और उन्हीं की पार्टी को इस यात्रा की जानकारी न हो? और यदि यात्रा शुरू हो ही चुकी थी तो किन कारणों से भाजपा ने इस यात्रा से अपना पल्ला झाड़ा और यात्रा निर्धारित समापन तिथि से पहले ही समाप्त कर दी गयी? माना जा रहा है कि भाजपा अपने सहयोगी व बिहार सरकार के मुखिया नीतीश कुमार से नाराजगी मोल नहीं लेना चाहती थी। क्योंकि जहां केंद्र में नीतीश कुमार के समर्थन से भाजपा की सरकार चल रही है वहीं बिहार में भाजपा, नीतीश कुमार की जे डी यू-भाजपा सरकार में सहयोगी है। जाहिर है गिरिराज सिंह की यात्रा को लेकर भाजपा नीतीश कुमार से नाराजगी मोल नहीं लेना चाहती थी। इस वजह से भी गिरिराज सिंह की यात्रा को पार्टी ने समर्थन भी नहीं दिया और यात्रा भी बीच में ही रुकवा दी।

परन्तु इस यात्रा के मकसद को लेकर कई तरह की चचाएं चल रही हैं। एक तो यह कि क्या यह यात्रा पड़ोसी राज्य झारखण्ड में 13 से 20 नवंबर के दौरान होने जा रहे विधान सभा चुनवों के मद्देनजर शुरू की गयी थी ताकि साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का प्रभाव पड़ोसी राज्य के नाते झारखण्ड चुनाव पर पड़ सके? या फिर 13 नवंबर को बिहार में चार विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से यह यात्रा निकाली गयी थी? या इस यात्रा का मकसद 2025 में बिहार में प्रस्तावित आम विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के माहौल को गर्म करना था? राजनैतिक विश्लेषकों द्वारा हालांकि यात्रा के मकसद को लेकर उपरोक्त कयास लगाये जा रहे हैं। परन्तु इस राज्य में पूर्ण रूप से साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का खेल खेलना उस तरह शायद संभव नहीं जैसा कि गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश व उत्तरांचलव असम जैसे राज्यों में किया गया है या करने की कोशिश की जा रही है।

शायद इन्हीं कोशिशों के तहत गिरिराज सिंह ने अपनी यात्रा की शुरूआत अपने लोकसभा क्षेत्र बेगूसराय से लगभग 150 किलोमीटर दूर उस भागलपुर से की जो 1989 में साम्प्रदायिक दंगों की आग में झुलस चुका था। परन्तु आज वहां पूर्ण शांति है। यही वजह थी कि उन्होंने 19 अक्टूबर को कटिहार में अपनी इसी यात्रा के दौरान 'लव जिहाद, लैंड जिहाद' थूक जिहाद तथा 'रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठ' जैसे नफरत फैलाने वाले कई काल्पनिक व आभासी मुद्दे उठाये। उनकी यात्रा भी सीमांचल क्षेत्र कहे जाने वाले अररिया, कटिहार, पूर्णिया और किशनगंज जैसे मुस्लिम प्रभाव वाले क्षेत्रों से गुजरी। बिहार एक एक ऐसा राज्य भी है जहाँ का बहुसंख्य हिन्दू मांसाहारी है। यह बात गिरिराज सिंह को भी मालूम है। इसलिये वह यहाँ शाकाहार पर 'प्रवचन ' देने से बचते हैं परन्तु लोगों को हलाल मांस न खाने और झटका मांस खाने का 'ज्ञान' जरूर बांटते हैं। इस यात्रा का समय भी वह था जबकि उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले का महराजगंज कस्बा साम्प्रदायिक हिंसा का सामना कर रहा था।

दरअसल गिरिराज सिंह भाजपा के स्टार फायर ब्रांड नेताओं में स्वयं को योगी आदित्यनाथ व हिमंत विस्वा सरमा की तरह स्थापित करना चाहते हैं। जाहिर है किसी भी पार्टी का कोई भी नेता जब अपनी सकारात्मक सोच, जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों व विकास सम्बन्धी योजनाओं के बल पर अपनी पहचान नहीं बना पाता तो उसके लिये सबसे आसान तरीका यही होता है कि वह धर्म व साम्प्रदायिकता की राजनीति करे। और जब भाजपा जैसे राजनैतिक दल इन नेताओं को टिकट देकर मंत्री व मुख्यमंत्री बनाने लगें तो इससे उनकी हौसला अफजाई होनी भी स्वभाविक है। गिरिराज सिंह भी अपने दिल में कुछ ऐसी ही दूरगामी राजनैतिक इच्छाओं को पाले हुये बिहार जैसे सद्भावपूर्ण राज्य को साम्प्रदायिकता की आग में झोंकने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

एक नजर

पंजाब: मानसा में पेट्रोल पंप पर ग्रेनेड हमला कर पांच करोड़ की फिरौती मांगी

चंडीगढ़। पंजाब के मानसा में सिरसा रोड पर एक पेट्रोल पंप पर बीती रात हैंड ग्रेनेड से हमला किया गया है। इस घटना के बाद पेट्रोल पंप मालिक को विदेशी मोबाइल नंबर से फोन आया और उनसे पांच करोड़ रुपये फिरौती की मांग की गई। धमाके के बाद पुलिस जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार सिरसा रोड पर स्थित एक पेट्रोल पंप पर बीती रात करीब एक बजे एक बम-नुमा वस्तु फेंक कर ब्लास्ट किया गया। जिसके बाद पेट्रोल पंप मालिक को वॉट्सऐप कॉल जरिए विदेशी नंबर से फोन और मैसेज किया गया। धमाका करने की जिम्मेदारी ली गई। कहा गया कि उनके पेट्रोल पंप पर उन्होंने ग्रेनेड फेंका है और यह तो सिर्फ ट्रेलर है। अगर उन्हें 5 करोड़ रुपये ना दिए तो उनके घर पर हमला कर परिवार को मौत के घाट उतार दिया जाएगा। पेट्रोल पंप मालिक खुशविंदर सिंह द्वारा पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। पुलिस द्वारा इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पंजाब: छह किलो हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने 105 किलोग्राम हेरोइन बरामद करने के बाद कपूरथला निवासी लवप्रीत सिंह को गिरफ्तार करके उसकी कार से 6 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि यह हेरोइन लवप्रीत सिंह ने हनुमानगढ़ राजस्थान से प्राप्त की थी और उसे एक अन्य ड्रग पेडलर नवजोत सिंह को सौंपना था, जिसे पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। यह मामला तब सामने आया, जब पंजाब पुलिस ने अमृतसर में 105 किलोग्राम हेरोइन की एक बड़ी खेप को जब्त किया था। इस खेप के पकड़े जाने के बाद से ही पंजाब के काउंटर इंटेलिजेंस विभाग ने इसकी गहराई से जांच शुरू की। पकड़ी गई हेरोइन के बाद जांच के दौरान पुलिस ने ड्रग तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की शिनाख्त शुरू की। इस सिलसिले में अमृतसर और पंजाब के अन्य इलाकों में कई संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। काउंटर इंटेलिजेंस की टीम ने छानबीन के दौरान यह पता लगाया कि कपूरथला निवासी लवप्रीत सिंह भी इस ड्रग नेटवर्क का हिस्सा है। बताया जा रहा है कि लवप्रीत सिंह राजस्थान के हनुमानगढ़ से हेरोइन की खेप पंजाब लाया था। उसका काम हेरोइन को नवजोत सिंह तक पहुंचाना था, जो खुद भी इस गिरोह का सक्रिय सदस्य था। नवजोत सिंह को सीआई ने एक दिन पहले ही, 105 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर लिया था। लवप्रीत की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस को इस नेटवर्क की अन्य महत्वपूर्ण कड़ियों को उजागर करने में मदद मिली है।

मंडियों में 54 लाख टन धान की खरीद

चंडीगढ़। पंजाब के खाद्य, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने सोमवार को बताया कि आज यानी सोमवार तक राज्य की मंडियों में 59,79,723.94 टन धान की आमद हुई है जिसमें से 54,98,389.72 टन धान की खरीद की जा चुकी है। श्री कटारूचक्क ने बताया कि लिफ्टिंग प्रक्रिया में भी तेजी आई है और अब तक कुल 23,30,117.58 टन धान की लिफ्टिंग हो चुकी है और 27 अक्टूबर को एक दिन में रिकॉर्ड 4.13 लाख टन धान की लिफ्टिंग की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों के खातों में 7640.55 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है ताकि किसान अपने घरों में दीपावली का त्योहार शानदार ढंग से मना सकें। उन्होंने डी.एफ.एस.सीज को खरीद और लिफ्टिंग प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश देते हुए मंत्री ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि सभी के साझा प्रयासों से मौजूदा खरीद सीजन निर्बाध ढंग से सफलतापूर्वक संपूर्ण किया जाएगा।

रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला में सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2024 का शुभारंभ

कपूरथला। रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला में 28 अक्टूबर से तीन नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 मनाया जा रहा है। इस सन्दर्भ में 16 अगस्त से 15 नवंबर, 2024 तक चलने वाले पूरे अभियान अवधि के दौरान केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा पहचाने गये प्रमुख फोकस क्षेत्रों में आर सी एफ के सतर्कता विभाग द्वारा विभिन्न निवारक सतर्कता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में सोमवार को आर सी एफ में एक सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा समारोह आयोजित किया गया, जिसमें श्री मंजुल माथुर महाप्रबंधक /आर सी एफ, रवि कुमार, प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता और विनोद पाल, मुख्य सतर्कता अधिकारी के साथ-साथ आर सी एफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। महाप्रबंधक ने आर सी एफ के सतर्कता विभाग द्वारा प्रकाशित सतर्कता बुलेटिन के 25वें अंक का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप मुख्य सतर्कता अधिकारी विनोद कुमार बाजड़ ने निवारक सतर्कता के विभिन्न पहलुओं तथा इस संबंध में आर सी एफ के सतर्कता विभाग द्वारा की गयी पहलों पर एक प्रस्तुति दी। आज सप्ताह की शुरआत में कार्यस्थलों पर कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ भी दिलाई गई। ह्यसतर्कता जागरूकता सप्ताहह्ल के अवसर पर, भ्रष्टाचार के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिये परिसर में बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किये गये। सतर्कता जागरूकता सप्ताह, अपनी अटूट देशभक्ति और निष्ठा के लिये जाने जाने वाले आदरणीय सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है।

एसआईटी करेगी राजकुमार फौजी आत्महत्या मामले की जांच, एएसपी करेंगे नेतृत्व

हिसार। सेक्टर 1-4 निवासी एवं उपायुक्त कार्यालय में ग्रुप डी पद पर कार्यरत राजकुमार फौजी सुसाइड मामले की जांच एएसपी राजेश कुमार मोहन के नेतृत्व में गठित एसआईटी करेगी। एसआईटी में पांच सदस्य शामिल होंगे और जांच कमेटी में परिवार के पांच सदस्यों को भी शामिल किया जाएगा। यह आश्वासन पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने उनसे मिलने पहुंचे राजकुमार फौजी न्याय संघर्ष समिति के पदाधिकारियों को दिया। उनके इस आश्वासन के बाद समिति सदस्यों व परिजनों ने शव का दाह संस्कार का निर्णय लिया वहीं चेतावनी दी कि यदि सभी आरोपी गिरफ्तार नहीं हुए तो 13 नवंबर को आईजी कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

इससे पहले सीआरपीएफ के पूर्व सैनिक के परिजनों व उनके समर्थन में आए संगठनों ने सोमवार को लघु सचिवालय के समक्ष प्रदर्शन किया और धरना दिया। इस दौरान एक कमेटी ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात और एसआईटी गठन करने व आरोपियों को गिरफ्तार करने के आश्वासन के बाद राजकुमार के शव का दाह-संस्कार का निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता सुरेश कुमार दुर्जनपुर ने की। एसआईटी टीम के सदस्य शहर थाना एसएचओ ने धरने पर पहुंचकर सभी आरोपितों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया और बताया कि एसआईटी में पांच सदस्य होंगे। इसके अलावा परिवार के भी पांच सदस्य जांच कमेटी में शामिल रहेंगे। राजकुमार फौजी के भाई सरदानंद राजली ने बताया कि सोमवार को सुसाइड के छह दिनों बाद सीआरपीएफ के पूर्व सैनिक का दाह-संस्कार हुआ है। एसपी से वातालर्ाप में बताया गया कि एसआईटी गठित कर दी गई है, जिसका इंचार्ज एएसपी राजेश कुमार मोहन को बनाया गया है। पुलिस तह तक जाएगी और कोई भी आरोपी नहीं बख्शा जाएगा। पुलिस के आश्वासन के बाद राजकुमार फौजी न्याय समिति की बैठक हुई जिसमें सभी ने दाह-संस्कार की सहमति दी और आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया।

हरजिंदर सिंह धामी चौथी बार बने एसजीपीसी के अध्यक्ष

- अकालियों के बागी गुट की बीबी जागीर को मिले महज 33 वोट
- अकाली दल की फूट का एसजीपीसी चुनाव पर नहीं हुआ कोई असर

चंडीगढ़। सिखों की सर्वोच्च संस्था शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के वार्षिक चुनाव में बादल समर्थक एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी को चौथी बार एसजीपीसी का अध्यक्ष चुना गया है। इस चुनाव में हरजिंदर सिंह धामी को 107 वोट मिले और उनकी प्रतिद्वंदी व बादल गुट समथर्क एसजीपीसी की पूर्व अध्यक्ष बीबी जागीर कौर को महज 33 वोट मिले। सोमवार को शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के वार्षिक चुनाव में प्रधान पद के चुनाव के लिए दरबार साहिब स्थित तेजा सिंह समुंद्री हॉल में वोटिंग हुई। इसके बाद नतीजे घोषित किए गए। इस चुनाव में एसजीपीसी की पूर्व अध्यक्ष बीबी जागीर के पक्ष में केवल 33 वोट मिले हैं। चुनाव से पहले बीबी जागीर कौर एसजीपीसी सदस्यों से पांच तख्तों के जत्थेदारों जैसे सिख संस्थानों और नेताओं के स्वतंत्र अधिकार को बहाल करने और बाहरी राजनीतिक प्रभाव को रोकने के लिए सुधारों का वादा कर रही थीं। इस चुनाव में 107 वोट पाने वाले बादल समर्थक एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी को विजयी घोषित किया गया। धामी चौथी बार एसजीपीसी के अध्यक्ष चुने गए हैं। एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी अपनी पिछली उपलब्धियों के आधार पर फिर वोट की मांग कर रहे थे। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में गोल्डन टेंपल में केंद्रीय सिख संग्रहालय में सिख शहीदों के चित्रों को जोडे जैसी पहल की थी।

इस चुनाव में रघुजीत सिंह विर्क को एसजीपीसी का सीनियर मीत प्रधान नियुक्त किया गया है और शेर सिंह मंड को जनरल सेक्रेटरी बनाया गया है। साथ ही 11 एग्जीक्यूटिव सदस्य भी बना दिए गए हैं, जिनमें बीबी हरजिंदर कौर, अमरीक सिंह, सुरजीत सिंह, परमजीत सिंह खालसा, सरदार सुरजीत सिंह गड़ी, बलदेव सिंह कैमपुर, दलजीत सिंह भिंडर, सुखप्रीत सिंह रोडे, रविंदर सिंह खालसा, जसवंत सिंह और परमजीत सिंह रायपुर शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पहले एसजीपीसी में सदस्यों की संख्या 185 थी। जिनमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों से चुने जाते हैं। इनमें 31 सदस्यों का निधन हो चुका है और छह सदस्य इस्तीफा दे चुके हैं। सोमवार को हुए चुनाव में कुल 148 सदस्यों ने मतदान किया था। आज का चुनाव इसलिए अहम माना जा रहा था कि वर्ष 1990 से एसजीपीसी पर बादल परिवार का प्रभाव रहा है। इस बार सुखबीर बादल अकाली दल के प्रधान नहीं हैं। बागी गुट सुखबीर के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। इसके बावजूद बादल गुट के धामी ने बड़ी जीत दर्ज की है। इस बार माना जा रहा था कि अकाली दल में फूट का असर इस चुनाव पर असर पड़ेगा। ऐसा नहीं हुआ। बागी गुट की बीबी जागीर कौर पर वर्ष 2022 से भी कम वोट मिले। ऐसे में अकाली दल को उभरने का एक और मौका मिला है।

हरियाणा: चलती ट्रेन में विस्फोट, चार यात्री झुलसे

- चलती ट्रेन में विस्फोट के बाद एक बोगी में लगी आग, फायर कर्मचारियों ने पाया काबू
- प्रारंभिक जांच में किसी यात्री के पास रखे गंधक व पोटाश में विस्फोट होने की खबर

रोहतक। रोहतक से दिल्ली जा रही सवारी रेल गाड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में विस्फोट होने के बाद से एक बोगी में आग लग गई। आग ओ चार यात्री गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेलवे पुलिस व स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शुरूआती जांच में एक व्यक्ति के पास गंधक-पोटाश में विस्फोट होने की बात सामने आई है। दिल्ली से भी एक टीम मौके पर पहुंची और इस बारे में पूछताछ की। पुलिस मामले की गंभीरता से छानबीन कर रही है।

पुलिस के अनुसार रोहतक रेलवे स्टेशन से सवारी गाड़ी करीब चार बजकर बीस मिनट पर दिल्ली के लिए रवाना हुई। जब ट्रेन सांपला स्टेशन के थोड़ा आगे बड़ी तो अचानक एक बोगी में विस्फोट होने से अफरा-तफरी मच गई। इस विस्फोट के बाद आग लगने से चार यात्री झुलस गए। विस्फोट के बाद रेलगाडी को रोका गया और चालक ने इसकी सूचना स्टेशन मास्टर को दी। रेलगाड़ी में विस्फोट की सूचना मिलने पर सांपला पुलिस भी मौके पर पहुंची और घायल यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया। इसी बीच रोहतक से भी आरपीएफ की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और यात्रियों से पूछताछ की। बताया जा रहा है कि कोई यात्री पॉलोथीन में काफी मात्रा में गंधक पोटाश लेकर सफर कर रहा था और गंधक पोटाश में ही विस्फोट हुआ है। जिसके कारण ट्रेन की बोगी में लगी आग पर फायरकर्मियों ने काबू पाया। दिल्ली से भी बम निरोधक टीम को मामले की सूचना दी गई है। विस्फोट के चलते काफी देर तक रेल गाड़ी को खड़ा रखा गया, बाद में पुलिस ने उसे दिल्ली के लिए रवाना किया। रेलवे जांच अधिकारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि ट्रेन में आग लगने की सूचना मिली थी , शुरूआती जांच में गंभीर पदार्थ नहीं मिले हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। इस बीच पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग ने सांपला में हुए ट्रेन हादसे के बाद स्टेशन का दौरा करके जीआरपी अधिकारियों से रिपोर्ट ली।

राज्य से चावल की लिफ्टिंग करने के लिये कटारिया से हस्तक्षेप की मांग

चंडीगढ़। पंजाब के कैबिनेट मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा, हरजोत सिंह बैंस और हरदीप सिंह मुंडिया ने सोमवार को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को एक मांग पत्र सौंपकर केंद्र द्वारा पंजाब से चावल की लिफ्टिंग में तेजी लाने को सुनिश्चित करने के लिये हस्तक्षेप की अपील की।

श्री चीमा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुये कहा कि उन्होंने राज्यपाल को केंद्र सरकार द्वारा शैलर मालिकों से चावल की लिफ्टिंग में की जा रही देरी के बारे में जानकारी दी है, जिससे अनाज मंडियों से धान की उठान में परेशानी आ रही है। उन्होंने कहा कि मांग पत्र में धान से चावल की कम मिलिंग की समस्या को भी सांझा किया गया है और राज्यपाल से केंद्र सरकार से इसका त्वरित समाधान करवाने की अपील की है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किये जा रहे गलत प्रचार के बारे में कहा कि 40 हजार करोड़ रु की सीसीएल लिमिट के बारे में भाजपा नेताओं का दावा वास्तविकता को समझने में कमी को दशार्ता है, क्योंकि सीसीएल लिमिट हर साल धान-गेहूं की खरीद सीजन के दौरान निर्धारित की जाती है। उन्होंने कहा कि सीसीएल सीमा में अक्सर 600 करोड़ रुपये से एक हजार करोड़ रु तक का अंतर होता है, जिसका नुकसान पंजाब सरकार, आढ़तियों या ट्रांसपोर्टरों को होता है। उन्होंने बताया कि इस साल भी लगभग 800 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। श्री चीमा ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा केंद्र सरकार को लिखे पत्रों और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटरूचक की केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी के साथ बैठकों के बावजूद, केंद्र सरकार ने पंजाब के किसानों के प्रति प्रतिशोध की भावना से प्रेरित होकर राज्य से चावल की लिफ्टिंग नहीं की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा से भी मुलाकात कर राज्य में डीएपी की कमी को हल करने की अपील की है।

कैथल जिले में बाबा मुकुट नाथ की समाधि पर पहुंच कर यूपी के मुख्यमंत्री ने पूजा अर्चना

सनातन धर्म की अलख जगाने में सहयोग करें ग्रामीण : मुख्यमंत्री योगी

कैथल। गांव सौंगल में बाबा मुकुट नाथ डेरा में सोमवार को आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। योगी ने बाबा मुकुटनाथ की समाधि पर पूजा-अर्चना की और स्थानीय ग्रामीणों से सनातन धर्म की अलख जगाने में सहयोग करने की अपील की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर दोपहर बाद 3 बजे गांव के स्टेडियम में बने हेलीपैड पहुंचा। यहां गांव के मठ की ओर से गठित कमेटी सदस्य शमशेर मलिक, राजमल सिंह, ओम प्रकाश, सतपाल शर्मा, रामभज, विक्रम बांगड़ व पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, तुषार ढांडा व दरबारा महला ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी यहां बाबा मुकुट नाथ के डेरा पर पहुंचे। योगी ने बाबा मुकुट नाथ की समाधि पर पूजा अर्चना की और फिर गांव के लोगों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीणों से सनातन धर्म की अलख जगाने में सहयोग करने की अपील की और नाथ संप्रदाय के इतिहास पर प्रकाश डाला। उनके साथ आए

महंत बाबा बालक नाथ ने कहा कि गांव के लोगों को चाहिए कि अपने बच्चों को सनातन शिक्षा की तरफ ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि स्कूल से बड़ा कोई मंदिर नहीं होता इसलिए किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है और इसमें सनातन शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस दौरान तत्कालीन गद्दी नशीन बाबा योगी शेरनाथ डेरा सौंगल ने कहा कि गांव में अमन व शांति के प्रतीक के रूप में इस डेरे की प्रतिष्ठा लोगों के दिल में बसती है और गांव में आपसी भाईचारा व सौहार्द का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड़, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर, गांव के सरपंच प्रतिनिधि संदीप बांगड़, पूर्व सरपंच शीशपाल, पूर्व सरपंच राजेश शर्मा, पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर, ग्रामीण गोपी राम, रमेश, पंजाब सिंह, मास्टर कलीराम, सत्यवान, दरिया राम, मास्टर अशोक, चांदी राम, महला पेंटर, सतीश शर्मा, शमशेर सिंह मलिक, पवन कुमार, भले राम, जोगिंदर सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सीवरेज खुदाई के दौरान मिट्टी में दबने से मजदूर की मौत

हिसार। शहर के सेक्टर-14 पार्ट 2 में सीवरेज की खुदाई के दौरान मिट्टी गिरने से एक मजदूर की दबकर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर शहर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि मजदूर दीपक और उसका साथी अजीत मिट्टी की खुदाई के बाद बाहर निकल रहे थे। इस दौरान दीपक मिट्टी के ढेर तरफ से बाहर आने लगा।

मिट्टी उसके ऊपर गिर गई। मौके पर मौजूद करीब 5-6 मजदूरों ने मिट्टी हटाने का काम शुरू किया। जेसीबी मशीन भी बुलाई गई। मिट्टी हटाने में करीब 30 मिनट लगे। इस दौरान दीपक का दम घुट गया और वह बेसुध हो गया। बाहर निकालने के बाद उसे तुरंत नागरिक अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दीपक शादीशुदा था और उसका करीब दो साल का लड़का है। वह परिवार के साथ हिसार में सूर्य नगर की शिव कॉलोनी में रहता था। वह मजदूरी का काम करके परिवार का पालन पोषण कर रहा था।

जालंधर में हत्या के प्रयास के आरोपी दो भगोड़े हथियारों सहित गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब में जालंधर ग्रामीण पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुये दो घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जो लगातार अपना हुलिया बदलकर गिरफ्तारी से बच रहे थे। जिले भर में चलाये गये दो अलग-अलग अभियानों में की गयी गिरफ्तारियों में अवैध आग्नेयास्त्र, गोला-बारूद और नशीले पदार्थ बरामद किये गये।

आरोपियों की पहचान सुखदीप सिंह सोखी उर्फ सुख, गांव बादशपुर के हरप्रीत सिंह के पुत्र और हीरा लाल, जल्लोवाल कॉलोनी के भजन लाल उर्फ भाजी के पुत्र के रूप में हुई है। कानूनी कार्यवाही के लिये बार-बार पेश न होने के बाद दोनों को संबंधित अदालत ने घोषित अपराधी घोषित कर दिया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरकमलप्रीत सिंह खख, ने सोमवार को कहा कि गिरफ्तारियां क्षेत्र में घोषित अपराधियों और आपराधिक तत्वों के खिलाफ एक गहन अभियान का हिस्सा थीं। श्री खख ने कहा, ह्ल ये व्यक्ति गिरफ्तारी से बचने के लिये लगातार अपना रूप और स्थान बदल रहे थे। उन्होंने दाढ़ी बढ़ा ली थी, अपने हेयर स्टाइल बदल लिये थे और पुलिस को गुमराह करने के लिए अलग-अलग पहचान का इस्तेमाल कर रहे थे। पहले ऑपरेशन में, उपाधीक्षक ओंकार सिंह बराड़ की देखरेख में स्टेशन हाउस ऑफिसर यादविंदर सिंह के नेतृत्व में लोहियां पुलिस स्टेशन की एक टीम ने सुखदीप सिंह को गिरफ्तार किया। आरोपी दो हत्या के प्रयास के मामलों में वांछित था,

जिसमें 2023 में धारा 307 आईपीसी और 2024 में (एफआईआर नंबर 55/24) के तहत एफआईआर दर्ज की गयी थी। उसके कब्जे से पांच कारतूस के साथ एक 32 बोर की पिस्तौल बरामद की गयी। दूसरा ऑपरेशन, इंस्पेक्टर सिकंदर सिंह विर्क के नेतृत्व में भोगपुर पुलिस स्टेशन द्वारा किया गया और उपाधीक्षक कुलवंत सिंह, पीपीएस की देखरेख में हीरा लाल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक जसरूप कौर बाथ, आईपीएस की निगरानी में टीम ने आरोपियों से 105 नशीली गोलियां और एक 7.65 एमएम की पिस्तौल और मैगजीन के साथ एक कारतूस बरामद किया। हीरा लाल गांव सेलकियाना में सरपंच गुरदावर सिंह पर सशस्त्र हमला करने और उसके बाद उनकी पुत्री के अपहरण की साजिश रचने के आरोप में भी आरोपी था। श्री खख ने कहा, आरोपी नियमित रूप से अपने मोबाइल फोन और सिम कार्ड बदलते रहते थे। वे पहचान से बचने के लिए केवल सुरक्षित मैसेजिंग ऐप के जरिए अपने परिवार के सदस्यों से संपर्क करते थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दोनों आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिये आपराधिक गतिविधियों का एक पैटर्न स्थापित किया था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि हीरा लाल चंडीगढ़ में छिपा हुआ था, एक झूठी पहचान के साथ रह रहा था, और जब वह गुप्त रूप से अपने घर गया तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

नेशनल अवॉर्डी शिल्पी चंद्रकांत ने जिज्ञासुओं को दिए काष्ठ शिल्प कला के गुर

झज्जर। बहादुरगढ़ में चल रहे नेशनल आर्ट एंड क्राफ्ट फेस्टिवल कम एग्जिबिशन में सोमवार को हजारों शिल्प कला प्रेमी पहुंचे। लोगों ने देश के ख्याति प्राप्त शिल्पियों की कृतियों का अवलोकन किया और जमकर खरीदारी भी की। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त काष्ठ शिल्पी चंद्रकांत बोंदवाल समेत तमाम कलाओं के शिल्पकारों ने जिज्ञासुओं को अपनी-अपनी शिल्प कला के गुर सिखाए।

बहादुरगढ़ के सेक्टर 6 में नाबार्ड के सहयोग से प्राचीन कारीगर संगठन द्वारा 10 दिवसीय नेशनल आर्ट एंड क्राफ्ट फेस्टिवल कम एग्जिबिशन का आयोजन किया गया है। राजस्थान से ब्लॉक प्रिंट के नेशनल अवार्ड प्राप्त कलाकार राजकुमार पांडे ने सोमवार को सांगानेर प्रिंट के बारे में बारीकी से अवगत कराया। बहादुरगढ़ निवासी नेशनल अवॉर्डी काष्ठ शिल्पी चंद्रकांत बोंदवाल ने मेले में आए जिज्ञासुओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर नाम कमा चुकी अपनी हाथी दांत और चंदन की लकड़ी पर कलाकारी के गुर सिखाए। गुजरात से आए दामजी भाई ने कपास और भेड़ की ऊन से बने हुए ताने-बाने के विषय में बताया। उन्होंने बताया कि पहले धागा बनाया जाता है उसके बाद धागे की रंगाई उसके बाद कपड़ा बनाया जाता है। उनकी ये कला प्राकृतिक और परंपरागत है, जो हथकरघा में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुकी है। जोधपुर से आए निपुण चौधरी ने छोटी-छोटी ग्लास बीड्स से ज्वेलरी बनाने की शिल्प कला को हरियाणा प्रदेश के लोगों को सिखाया। इसमें वह प्लास्टिक, नायलॉन के धागे को विभिन्न कलर के ग्लास बीड में प्रयोग कर विभिन्न डिजाइनों के आकर्षक नेकलेस, माला, कान की झुमकी वह अन्य खूबसूरत गहने तैयार करते हैं। दूसरी तरफ नाबार्ड द्वारा सपोर्टेड किसान समूह कंपनी ने ऑर्गेनिक तरीके से फार्मिंग व अन्य खाद्य पदार्थ को कैसे सुरक्षित और उत्पादित किया जाता है उसके बारे में लोगों को जानकारी दी। हिमाचल प्रदेश से आए मनोज कौशल ने बताया कि वह ऑर्गेनिक हल्दी का उत्पादन करते हैं। उसके साथ-साथ अखरोट, हिमाचली बादाम व अन्य पहाड़ी जड़ी बूटियों का उत्पादन करते हैं। जिससे सुरक्षित वह स्वास्थ्य पूर्वक जीवन प्राप्त किया जा सकता है 'भारतीय सेना से सेवानिवृत मनोज कुमार कौशल ने कहा कि वह पहाड़ी क्षेत्र में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए अकेले जंग लड़ रहे हैं। उन्होंने हल्दी के खास गुण बताए। उनकी बातों में लोगों ने खूब रुचि दिखाई। एम.एस.एम.ई की डायरेक्टर नीलिमा से प्रेरित हो बेकरी में महारत प्राप्त बहादुरगढ़ के रहने वाली वंशिता व कोमल द्वारा बनाई चॉकलेट व केक भी मेले में खूब पसंद की जा रही हैं।

एक नजर

प्रधानमंत्री ओली के पार्टी मुख्यालय के दान वाली जमीन पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपनी पार्टी के मुख्यालय भवन निर्माण के लिए विवादित व्यापारी से जमीन दान में लेने पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट से प्रधानमंत्री ओली और उनकी पार्टी के लिए यह एक बड़ा झटका है। कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री ओली ने देश के बड़े व्यापारी से एक बिगहा जमीन दान में लेकर पार्टी मुख्यालय निर्माण के लिए भूमि पूजन किया था। प्रधानमंत्री ने जिस व्यापारी मीन बहादुर गुरूंग से यह जमीन दान में लिया था उस व्यापारी पर भ्रष्टाचार के आरोप में सुप्रीम कोर्ट में ही कई मामले लंबित है। नेपाल के सबसे बड़े जमीन घोटाले ललिता निवास कांड में गुरूंग को मुख्य साजिशकर्ता के रूप में सुप्रीम कोर्ट में चार्जशीट दायर कर मुकदमा चलाया जा रहा है। इसी मामले में गुरूंग करीब 9 महीने तक जेल में थे और इस समय जमानत पर बाहर है।

प्रधानमंत्री ओली द्वारा आपराधिक चरित्र वाले व्यक्ति से जमीन दान में लेने पर रोक लगाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के वकील जान बहादुर बस्नेत के तरफ से दायर की गई रिट याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए न्यायाधीश सुनील पोखरेल ने इस मामले पर अंतिम फैसला नहीं आने तक अंतरिम रोक लगा दिया है। इस मामले पर अंतरिम आदेश सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दान में मिले जमीन का हस्तांतरण नहीं करने और वहां पर चल रहे निर्माण कार्य को फिलहाल स्थगित करने को कहा है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी व्यक्ति से प्रधानमंत्री के पद पर बैठे व्यक्ति के द्वारा जमीन दान में लेने से न सिर्फ नैतिकता का बल्कि देने और लेने वाले की नीयत पर भी शंका उत्पन्न हुआ है। कोर्ट ने दान देने वाले और दान लेने वाले दोनों पक्षों को 15 दिन के भीतर लिखित जवाब देने को कहा है।

अयातुल्ला खामेनेई ने कहा- ईरान कड़ा जवाब देगा इजराइल को

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई ने संकेत दिया है कि ईरान इजराइल के शनिवार के हमलों का कड़ा जवाब देगा। उन्होंने देश के सैन्य अधिकारियों से कहा है कि वे इजराइल को ईरान की शक्ति और संकल्प का एहसास उस प्रतिक्रिया के माध्यम से कराएं जो उन्हें उचित लगे। तेहरान टाइम्स के अनुसार, खामेनेई ने ईरान के शहीद सैन्य कर्मियों के परिवारों के साथ रविवार की बैठक के दौरान कहा, "इजराइल को ईरान और उसके युवाओं की शक्ति, दृढ़ संकल्प और नवाचार को समझने की जरूरत है। ईरान अपनी शक्ति का अहसास इजराइल को कैसे कराता है यह अधिकारियों को तय करना है।" उन्होंने कहा कि इजराइल के बुरे कृत्य को न तो बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाना चाहिए और न ही कम महत्व दिया जाना चाहिए। खामेनेई ने गाजा में इजराइल के आक्रमण की भी निंदा की।

सर्वोच्च नेता गंभीर रूप से बीमार

85 वर्षीय खामेनेई कथित तौर पर गंभीर रूप से बीमार हैं। उनके उत्तराधिकारी की तलाश तेजी से की जा रही है। उनके दूसरे बेटे मोजतबा खामेनेई को उत्तराधिकारी बनाने की संभावना है। द यरूशलम टाइम्स की खबर में कहा गया है कि न्यूयॉर्क टाइम्स की शनिवार की एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि खामेनेई की गंभीर स्थिति पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स लगातार नजर रख रहा है। मई में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में पूर्व ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी की मौत के बाद खामेनेई काफी चिंतित नजर आ रहे थे।

नया एक्स अकाउंट, दो पोस्ट के बाद निलंबित

द यरूशलम टाइम्स के अनुसार, अयातुल्ला खामेनेई ने शनिवार रात हिब्रू भाषा में अपना एक्स अकाउंट खोला। दो पोस्ट के बाद इसे रातों-रात निलंबित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि एक्स ऐसे खातों को निलंबित कर देता है जो उसके नियमों का उल्लंघन करते हैं। खामेनेई ने पहली बार शनिवार को अपना खाता खोलते हुए हिब्रू में लिखा, "अल्लाह के नाम पर, सबसे दयालु, सबसे दयालु।"

बांग्लादेश की औद्योगिक त्रासदी में 1,135 लोगों की मौत के केस में जेल में ही रहना होगा उद्योगपति सोहेल राणा को

ढाका। बांग्लादेश में हृदयविदारक औद्योगिक त्रासदी के आरोपित उद्योगपति सोहेल राणा को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय डिवीजन की तीन सदस्यी पीठ के आज के आदेश से राणा की अंतरिम जमानत पर रिहाई की उम्मीद खत्म हो गई। सोहेल राणा बांग्लादेश की मशहूर कपड़ा फैक्टरी 'राणा प्लाजा' का मालिक है। 24 अप्रैल, 2013 को सावर में राणा प्लाजा की नौ मंजिला इमारत ढह गई थी। इस भयावह हादसे में कम से कम 1,135 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर कपड़ा श्रमिक थे और 2,500 से अधिक अन्य घायल हो गए थे। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार की खबर में सोहेल के वकील मोहम्मद शिशिर मनीर के हवाले से कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट की अपीलीय डिवीजन ने आज अपने चैंबर जज के 2 अक्टूबर के आदेश को बढ़ा दिया। इस आदेश में सोहेल राणा को अंतरिम जमानत देने के हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट से केस को दो महीने में निपटाने को कहा है। वकील मनीर ने कहा कि अंतरिम जमानत पर

रोक का आदेश केस के निपटारे तक जारी रहेगा। इसलिए वह अब रिहा नहीं हो सकता है। द डेली स्टार के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मोहम्मद अशफाकुल इस्लाम की अध्यक्षता वाली अपीलीय प्रभाग की तीन सदस्यी पीठ ने सोहेल राणा को हाई कोर्ट की अंतरिम जमानत को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका पर यह आदेश पारित किया। अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल मोहम्मद अरशदुर रऊफ ने सुनवाई के दौरान राज्य का प्रतिनिधित्व किया। 24 अप्रैल, 2013 को सावर में हुए इस हादसे के बाद बांग्लादेश में श्रम और मानवाधिकार मानकों पर सवाल खड़े हुए थे। सावर पुलिस स्टेशन के उप-निरीक्षक वली अशरफ ने औद्योगिक त्रासदी के कुछ घंटों बाद जुबो लीग के पूर्व नेता सोहेल राणा, उनके पिता और कई अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। पुलिस की अपराध शाखा ने 24 मई, 2015 को अदालत को सौंपी जांच रिपोर्ट में सोहेल और 41 अन्य के खिलाफ आरोप लगाए। ढाका जिला और सत्र न्यायाधीश अदालत ने 18 जुलाई, 2016 को सभी के खिलाफ आरोप तय किए। फिलहाल मामला विचाराधीन है।

पत्नी इनकार करने पर नहीं माना जाएगा डिवोर्स, मद्रास हाईकोर्ट का आदेश

द न्यूज 15 ब्यूरो

चेनई। मुस्लिम तलाक को लेकर मद्रास हाई कोर्ट ने अहम फैसला दिया है। हाई कोर्ट ने कहा कि अगर पति की तरफ से तलाक दिए जाने को पत्नी झुठला रही हो तो अदालत के जरिए ही तलाक हो सकता है। इस टिप्पणी के साथ हाई कोर्ट ने तमिलनाडु की शरीयत काउंसिल की तरफ से जारी तलाक सर्टिफिकेट को अवैध करार दिया है। कोर्ट ने दूसरी शादी कर चुके पति को यह आदेश भी दिया है कि वह पहली पत्नी को मुआवजा और गुजारा भत्ता दे। हाई कोर्ट के जस्टिस जी आर स्वामीनाथन ने इस अहम फैसले में यह भी कहा कि पति अगर दूसरी शादी कर ले तो पहली पत्नी को उसके साथ रहने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। मुस्लिम पर्सनल लॉ में पुरुषों को एक से अधिक शादी की इजाजत है। फिर भी इससे पहली पत्नी को मानसिक पीड़ा होती है। ऐसे में 'घरेलू हिंसा कानून' की धारा 3 के तहत इसे क्रूरता के तौर पर देखा जा सकता है। अगर पहली पत्नी पति के दूसरे विवाह से सहमत नहीं है तो धारा 12 के तहत वह अलग रहने और पति से भरण-पोषण का खर्च पाने की हकदार है।

क्या है पूरा मामला? जानें, एक नजर में

जिस मामले में हाई कोर्ट ने यह फैसला दिया है, उसमें दोनों पक्षकारों की शादी 2010 में हुई थी। साल 2018 में पत्नी ने 'घरेलू हिंसा कानून' की धाराओं के तहत शिकायत दर्ज कराई। जवाब में पति ने दावा किया कि वह महिला को तलाक दे चुका है। मुस्लिम पर्सनल लॉ में तलाक के तीन नोटिस जरूरी होते हैं। कोर्ट के सामने सिर्फ पहला और दूसरा नोटिस ही पेश किया जा सका।

शरीयत काउंसिल को फैसले का हक नहीं

पति ने तमिलनाडु मुस्लिम तौहीद जमात की शरीयत काउंसिल के चीफ काजी का एक सर्टिफिकेट पेश किया। 29 नवंबर 2017 की तारीख से जारी इस सर्टिफिकेट में काजी ने तलाक को मान्यता दी थी। इसके लिए आधार इस बात को बनाया गया था कि पति के पिता ने तलाक हो जाने की पुष्टि की। हाई कोर्ट ने कहा कि तीसरे नोटिस की जगह पिता की गवाही के आधार पर तलाक को मान्यता नहीं मिल सकती।

पति दे मुआवजा और गुजारा भत्ता- HC

हाई कोर्ट ने यह भी साफ किया कि शरीयत काउंसिल या ऐसी कोई भी निजी संस्था तलाक का सर्टिफिकेट नहीं दे सकती। अगर तलाक को लेकर विवाद हो तो पति को कानून के तहत गठित अदालत में जाना चाहिए। वहीं फैसला हो सकता है कि वास्तव में तलाक हुआ या नहीं। ऐसे में हाई कोर्ट ने यह मानने से मना कर दिया कि पक्षकारों के बीच तलाक हो चुका है। हाई कोर्ट ने निचली अदालत के उस आदेश को भी बरकरार रखा, जिसमें पति से कहा गया था कि वह पत्नी को अपनी मानसिक क्रूरता के लिए 5 लाख रुपए मुआवजा दे और हर महीने 2500 रुपए गुजारा भत्ता भी दे।

संगीत सद्भावना और एकता को बढ़ावा देने का एक साधन है : राज्यपाल

गुवाहाटी। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य नोबेल आर्ट डॉक्यूमेंटेशन एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन (एनएडीडीएफ) और नेशनल फाउंडेशन फॉर कल्चरल हार्मनी द्वारा कॉटन यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित "सद्भाव के लिए संगीत" पर एक कार्यक्रम में शामिल हुए। यह कार्यक्रम कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी के केबीआर ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल आचार्य ने कहा कि संगीत एक दिव्य उपहार है और एकता और सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ावा देने में इसका महत्व बहुत अधिक है। संगीत मनुष्य को ईश्वर का एक अनूठा उपहार है। यह हमारी संस्कृति का एक अभिन्न अंग है, जो न केवल आनंद का स्रोत है बल्कि सद्भावना और एकता का प्रतीक भी है।

राज्यपाल ने कई प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला कि कैसे संगीत विविधताओं के बीच एकता को मजबूत करने में सहायक हो सकता है। उन्होंने कहा कि संगीत हमेशा एक सार्वभौमिक भाषा के रूप में कार्य करता है और सीमाओं और भाषाई बाधाओं को पार करता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न संस्कृतियों में सात सुर और लय एक समान रहने से संगीत एक प्रकार से शुद्धिकरण का काम करता है और शांति और सद्भाव का संदेश देता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कैसे संगीत ने "जन गण मन और वंदे मातरम" जैसे गीतों के माध्यम से भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राज्यपाल ने भारत के अद्वितीय शास्त्रीय संगीत भंडार को राष्ट्र की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। राज्यपाल ने संगीत के माध्यम से शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए नोबेल आर्ट डॉक्यूमेंटेशन एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन की एक दशक से चली आ रही प्रतिबद्धता की भी सराहना की। राज्यपाल ने युवा पीढ़ी को उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और सांस्कृतिक जड़ों से उनके जुड़ाव को मजबूत करने के लिए विभिन्न संगीत शैलियों से परिचित कराने के महत्व को भी दोहराया। उन्होंने संगीत को केवल मनोरंजन के रूप में नहीं, बल्कि समाज में सद्भावना और एकता को बढ़ावा देने के साधन के रूप में उपयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कॉटन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. रमेश चंद्र डेका सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मंत्रिपरिषद ने किया नई औद्योगिक विकास नीति का अनुमोदन

रायपुर। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के प्रारूप एवं प्रस्ताव का अनुमोदन भी आज सोमवार किया गया। यह नई औद्योगिक विकास नीति 01 नवम्बर 2024 से प्रारंभ होकर 31 मार्च 2030 तक प्रभावशील रहेगी। इस नीति में अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन@2047 की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रावधान किए गए हैं। इस नीति से प्रदेश में औद्योगिक विकास के नये आयाम स्थापित होंगे। नई औद्योगिक नीति में भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 में एमएसएमईडी एक्ट-2006 में सूक्ष्म, लघु, मध्यम एवं वृहद उद्योगों की परिभाषा में किए गए संशोधन को अपनाया गया है और राज्य में संतुलित विकास के लिए औद्योगिक विकास प्रोत्साहन प्रदान करने का विशेष प्रावधान किया गया है।नवीन औद्योगिक नीति 2024-30 के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए राज्य में नवीन उद्यमों की स्थापना, विस्तारीकरण/ विविधीकरण, प्रतिस्थापन एवं अन्य कार्यो के लिए औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। ई औद्योगिक विकास नीति में कोर सेक्टर के उत्पादों जैसे स्टील, सीमेंट, ताप विद्युत एवं एल्यूमिनियम के लिए पृथक प्रावधान तथा राज्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर थ्रस्ट एवं सामान्य उद्योगों में विभाजित किया गया है। फर्मास्यूटिकल, टेक्सटाईल, फूडप्रोसेसिंग, कृषि उत्पाद संरक्षण, एनटीएफपी प्रसंस्करण इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, आईटी एवं आईटीईएस आदि के लिए आकर्षक औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

छत्तीसगढ़ विजन@2047 विजन डॉक्यूमेंट के प्रारूप का अनुमोदन - मंत्रिपरिषद की बैठक में अमृतकालः छत्तीसगढ़ विजन@2047 विजन डॉक्यूमेंट के प्रारूप का भी अनुमोदन किया गया है। नवा रायपुर अटल नगर में निवेश, रोजगार एवं बसाहट को प्रोत्साहन देने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग, स्वास्थ्य सेवाएं, शैक्षणिक संस्थान, इलेक्ट्रानिक्स एवं इलेक्ट्रिकल उद्योगों के विकास हेतु रियायती प्रीमियम दर पर भूखण्ड आबंटन की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया।ग्राम नियानार, जगदलपुर जिला बस्तर में एन.एम.डी.सी. के अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु आवासीय परिसर के निर्माण हेतु छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल को आबंटित 118 एकड़ शासकीय भूमि, मण्डल द्वारा सी.एस.आई.डी.सी. को रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रय की अनुमति प्रदान करने का निर्णय लिया गया। बैठक में नवा रायपुर परियोजना हेतु आपसी करार द्वारा निजी भूमि क्रय करने पर नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को 31 मार्च 2026 तक मुद्रांक शुल्क में छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया। राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन कार्यालय में राज्य आयुक्त के एक पद के सृजन का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना प्रारंभ -मंत्रिपरिषद ने घोषणा पत्र के अनुरूप राज्य में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना प्रारंभ करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने पांडू बंदरगाह पर चल रही परियोजनाओं का किया निरीक्षण

गुवाहाटी। केंद्रीय बंदरगाह, और जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल ने सोमवार को गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे पांडू बंदरगाह परिसर में उत्तर पूर्व के पहले जहाज मरम्मत केंद्र के काम का निरीक्षण किया।

पूर्वोत्तर भारत में पहले जहाज मरम्मत केंद्र और एलिवेटेड रोड कॉरिडोर के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। जलमार्ग विकास के लिए 645 करोड़ रुपये के बजट के साथ आईडब्लूएआई के सहयोग से यह कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर अपने संबोधन में सबानंद सोनोवाल ने कहा, "जलमार्ग ब्रह्मपुत्र के किनारे के लोगों के लिए जीवन रेखा हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जलमार्ग प्रणाली विकसित की गई है, जो हमारी आर्थिक समृद्धि के लिए नए क्षितिज भी खोल रही है। महाबाहु ब्रह्मपुत्र और राष्ट्रीय जलमार्ग 2 हमारे असम के लोगों के लिए बहुत बड़ी संभावनाएं लेकर आया है।अंतर्देशीय जलमार्ग नेविगेशन के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा विकास कार्य किये जा रहे हैं। ये परियोजनाएं असम में नदी पर्यटन, सार्वजनिक परिवहन और कार्गो परिवहन को आगे ले जाएंगी। इस परियोजना के तहत ब्रह्मपुत्र के तट पर माजुली, धुबड़ी, घागर और बहारी में नए यात्री टर्मिनल बनाए जा रहे हैं। इसके साथ ही ब्रह्मपुत्र नद पर 10 महत्वपूर्ण परियोजनाएं बनाई जा रही हैं। जिसकी कुल लागत 645 करोड़ रुपये है। यात्रा के दौरान, मंत्री ने कहा कि यह परियोजना मरम्मत सुविधा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि, इससे चालान लागत कम हो जाएगी और स्थानीय जहाजों और जलयानों के संचालन में सुविधा होगी। मंत्री ने 208 करोड़ रुपये की लागत से हुगली-कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (एचसीएसएल) के सहयोग से निर्मित जहाज मरम्मत केंद्र के काम की भी समीक्षा की। 108 कोरोड़ रुपये की लागत से एनएच-27 को पांडू पोर्ट कॉम्प्लेक्स से जोड़ने वाली एक वैकल्पिक सड़क के निर्माण पर काम चल रहा है। इससे पूरे क्षेत्र में व्यापार के अवसर बढ़ाने में मदद मिलेगी। मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार माजुली पुल का काम तेजी से पूरा करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर काम कर रही है। ह्लमाजुली ब्रिज बहुत महत्वपूर्ण है।इसके निर्माण में तेजी लाने के लिए पहले ही उपाय किए जा चुके हैं। जल पर्यटन और जल खेलों को बढ़ावा देने के लिए ब्रह्मपुत्र नद के किनारे सात पर्यटक घाटों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें ओरियमघाट, भूपेन हजारिका ब्रिज, कालियाभोमोरा ब्रिज, बोगीबिल ब्रिज, दिखौ मुख, कलोंगमुख और गुवाहाटी का उजान बाजार शामिल है। इस प्रकार परियोजनाओं के द्वारा उत्तर पूर्व भारत की अर्थनीति एवं परिवहन के क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित होगा।

गर्भ में पल रहे शिशु के चरित्र निर्माण के लिए गर्भ संवाद जरूरी

धमतरी। धमतरी जिले में पांच फरवरी से जिले में राष्ट्रीय आयुष कार्यक्रम सुप्रजा चलाया जा रहा। यह कार्यक्रम तीन चरणों में काम कर है। जिसमें गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के समय और प्रसव उपरांत कार्यक्रम चलाया जा रहा। आयुष, सियान जतन क्लीनिक से मिली जानकारी अनुसार जिला चिकित्सालय धमतरी में सुप्रजा कार्यक्रम के तहत फरवरी से सितंबर 2024 तक कुल 671 महिलाओं ने परामर्श के लिए पंजीयन कराया। जिसमें जुलाई में 67, अगस्त में 62 और सितंबर में 30 महिलाओं ने परामर्श लिया। जिले में आयोजित हो रहे कार्यक्रम में परामर्श लेने के बाद फालो अप के लिए ज्यादातर महिलाएं पहुंच रही है। जिसके चलते जुलाई में 88, अगस्त में 99 और सितंबर में 83 महिलाएं फालो अप के लिए पहुंची। सुप्रजा कार्यक्रम के तहत धमतरी जिले में अच्छा काम हो रहा है जिसके चलते पूरे प्रदेश में टाप पर है। दिल्ली की टीम भी दो बार सुप्रजा कार्यक्रम की मानिटरिंग के लिए आ चुकी है। और इनके कार्यों की सराहना की है। सुप्रजा कार्यक्रम के माध्यम से मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करने मदद मिल रही है साथ ही प्रसव के बाद बच्चों में कुपोषण स्तर में कमी लाना है। आयुष विंग के विशेषज्ञ डा सरिता पचौरी ने बताया कि कलेक्टर नम्रता गांधी के मार्गदर्शन में सुप्रजा कार्यक्रम के तहत जिले में युद्ध स्तर पर अभियान चला रहे है। महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग आपस में समन्वय स्थापित कर सुप्रजा कार्यक्रम पर काम कर रहे। सुप्रजा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गर्भवती और शिशुवती माताओं को गर्भ संस्कार देकर गर्भ में पल रहे बच्चे को बौद्धिक और शारीरिक विकास में मदद करना है।

रानीगंज में भू माफियाओं द्वारा तालाब की भराई कर प्लाटिंग करने का मामला, वार्ड पार्षद ने रानीगंज बोरो चेयरमैन पर अवैध कार्य में लिप्त रहने का लगाया गंभीर आरोप, बोरो चेयरमैन ने उल्टा आरोप मढ़ा पार्षद पर

रानीगंज। रानीगंज के वार्ड संख्या 91 के काठगादा इलाके में भू माफियाओं द्वारा तालाब भराई कर प्लाटिंग करने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि इलाके में एक तालाब है जिस इलाके के लोग इस्तेमाल करते हैं परंतु कुछ भू माफियाओं की नजर इस तालाब पर पड़ गई है लोगों ने तालाब की भराई कर यहां के जमीन की प्लॉटिंग कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने इस बात की जानकारी मीडिया कर्मियों की दी।

इस विषय में जब वार्ड पार्षद पार्षद राजू सिंह ने बताया कि उनके वार्ड में तालाब भराई, पेड़ों की कटाई या प्लाटिंग का काम किया जा रहा है लेकिन पार्षद होने के बावजूद उनको इस बारे में पहले से कोई खबर नहीं दी जाती। घटना हो जाने के बाद उन्हें खबर मिलती है। इसके उपरांत पार्षद होने की वजह से सारा ठीकरा उन पर फोड़ा जाता है। कि उनको अपने ही वार्ड में नजरअंदाज किया जाता है। इस विषय को लेकर उन्होंने रानीगंज बोरो चेयरमैन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे 91 नंबर वार्ड के पार्षद हैं लेकिन उनको बताए बिना ही बोरो चेयरमैन के निर्देश पर बहुत से कार्य किए जाते है। यहां तक कि कई गैर कानूनी काम भी किए जाते हैं। उनके वार्ड में हो रही अवैध गतिविधियों के बारे में उन्होंने आसनसोल नगर निगम के मेयर विधान उपाध्याय से कई बार अनुरोध किया है मेयर ने सहयोग किया और उन्हें आश्वासन दिया कि वह पार्षद होने के नाते अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन करें और अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल करते हुए इन अवैध गतिविधियों पर नकेल कसें। लेकिन कोई भी फायदा नहीं हो रहा है और पेड़ों की कटाई तालाब की भराई सहित और भी तमाम तरह की अवैध गतिविधियों की जा रही हैं। राजू सिंह ने रानीगंज बोरो कार्यालय पर संगीन आरोप लगाते हुए कहा कि उनके साथ सहयोग नहीं किया जा रहा है उनको कदम कदम पर नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है। उनके काम में अड़चनें पैदा करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह आज से नहीं जब से वह पार्षद बने हैं तब से उनके साथ ऐसा आचरण किया जा रहा है।

राजू सिंह ने कहा कि अगर पार्षद होने के बावजूद उनके वार्ड में उनका कोई तवज्जो नहीं दी जाती तो फिर ऐसा पार्षद रहने से क्या फायदा। उन्होंने कहा कि दूसरी पार्टी के लोग नहीं बल्कि उनकी अपनी ही पार्टी के लोग उनके पीछे पड़ गए हैं और उनके रास्ते में बाधाएं उत्पन्न कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रानीगंज के 91 नंबर वार्ड में जो अवैध गतिविधियां हो रही है उसके बारे में उन्होंने मेयर से गुहार लगाई है और आने वाले समय में प्रशासन

के विभिन्न स्तरों पर भी वह अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे हालांकि उन्होंने कहा कि अभी तक उन्होंने रानीगंज बोरो कार्यालय में शिकायत दर्ज नहीं कराई है क्योंकि उनके वार्ड में जो भी अवैध कामकाज हो रहे हैं उनका अनुमोदन तो बोरो कार्यालय से ही हो रहा है। ऐसे में वहां पर शिकायत दर्ज करने का फायदा भी क्या। वही इस बारे में रानीगंज बोरो दो चेयरमैन मुजम्मिल शहजादा से बात की तो उन्होंने पलटवार करते हुए 91 नंबर वार्ड के टीएमसी पार्षद राजू सिंह पर ही संगीन आरोप लगाते हुए कहा कि जो व्यक्ति रानीगंज में अवैध गतिविधियों का आरोप लगा रहा है,कौन जमीन माफियाओ के साथ जुड़ा हुआ है और जमीन के अवैध कारोबार में लिप्त है।

मुजम्मिल शहजादा ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान कहीं पर भी कोई अवैध कार्य नहीं होने दिया जा रहा है वह लगातार मेयर विधान उपाध्याय के साथ संपर्क में है और मेयर ने उन्हें कहा है कि हर जगह पर हर काम नियम के अनुसार होना चाहिए उन्होंने कहा कि हम सब यहां पर लोगों की सेवा करने के लिए बैठे हैं और यहां पर किसी का भी पद स्थाई नहीं है उन्होंने कहा कि अगर कहीं से कोई अनियमितता या गड़बड़ी की शिकायत आती है तो बोरो के तरफ से उस पर कार्रवाई की जाएगी उन्होंने मीडिया कर्मियों के जरिए राजू सिंह से कहा कि अगर उनको अपने वार्ड में किसी जगह पर कोई गड़बड़ी की शिकायत मिलती है तो वह लिखित में बोरो कार्यालय में शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने दावा किया कि अभी तक राजू सिंह की तरफ से जिन मुद्दों पर उस दिन संवाददाता सम्मेलन किया गया था उन्हें लेकर कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है मुजम्मिल शहजादा ने साफ कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान उनके कार्य क्षेत्र में कहीं पर भी किसी प्रकार के गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया गया है और अगर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या भ्रष्टाचार का आरोप सामने आता है तो बोरो कार्यालय की तरफ से उसकी सघन जांच की जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ जो भी उचित कानूनी कार्रवाई होगी वह की जाएगी। इस विषय में आसनसोल नगर निगम के मेयर विधान उपाध्याय से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि यह जरूरी नहीं कि काम कौन कर रहा है आम जनता का काम होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिस वार्ड में काम होता है वहां के पार्षद को भी शामिल करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह कोई बहुत बड़ा मसला नहीं है इसका समाधान निकल जाएगा।

2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए भारत को मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में गुणवत्तापूर्ण नौकरियों की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है। देश के 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को लेकर बेहतर आय वितरण के लिए पहले से अधिक औपचारिक और क्वालिटी नौकरियों की जरूरत होगी। हाल ही में आई एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

डेलॉइट की एक रिपोर्ट के अनुसार, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के विस्तार पर सरकार का ध्यान दिया जाना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस सेक्टर में श्रमिकों के आने से औपचारिक रोजगार मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की 51.4 प्रतिशत नौकरियां वेतनभोगियों से जुड़ी हैं। इस बदलाव से नियमित वेतन और सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीने वाले लोगों की आय स्थिरता में वृद्धि होगी।

इसके अलावा, सर्विस सेक्टर के विकास से नौकरियों के औपचारीकरण में सहायता मिलेगी, इससे श्रमिकों को औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने और कौशल को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उभरती इंडस्ट्री में वृद्धि से ऐसे अवसर पैदा होंगे, जिनके लिए उन्नत शिक्षा और विशेष कौशल की आवश्यकता होगी, जिससे उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा होंगी।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'इसके अलावा, स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों की ओर भारत का कदम ऊर्जा, कृषि, पर्यटन और परिवहन सहित विभिन्न क्षेत्रों में हरित रोजगार पैदा करेगा।'

भारत की सबसे बड़ी ताकत इसकी युवा, महत्वाकांक्षी आबादी है। शोधकताओं का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ सीखने की क्षमता कम होती जाती है। इससे पता चलता है कि युवा लोगों में जल्दी नए कौशल सीखने की संभावना अधिक होती है।

एक अध्ययन में पाया गया कि युवा मन और मस्तिष्क स्वाभाविक रूप से अधिक लचीले और खोजी होते हैं। यह भारत को कौशल विकास में निवेश से पर्याप्त लाभ प्राप्त करने की स्थिति में रखता है।

युवाओं की क्षमता को पहचानते हुए, सरकार ने हाल ही में इंटर्नशिप कार्यक्रम चलाने और उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण उपलब्ध कराने की पहल की घोषणा की है।

रिपोर्ट के अनुसार, 'ये भारतीय युवाओं की रोजगार क्षमता और कौशल को बेहतर बनाने में एक लंबा रास्ता तय करेंगे। कई राज्य भी बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनने का प्रयास कर रहे हैं। वे औपचारिक रोजगार सृजन और कौशल विकास में सक्रिय रूप से निवेश कर रहे हैं।'

ईडी ने एमयूडीए मामले में नए सिरे से छापेमारी की

बेंगलुरु/नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुश्किलें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) से जुड़े एक धन शोधन मामले में ताजा छापेमारी की है। इस मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस मामले में सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती से हाल ही में लोकायुक्त ने भी पूछताछ की थी।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि ईडी ने एमयूडीए से जुड़े धन शोधन मामले में छापेमारी की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इस मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मामला भी दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक ईडी के अधिकारी बेंगलुरु और मैसूर सहित करीब सात-आठ ठिकानों पर तलाशी ले रहे हैं। इस मामले में ईडी ने इससे पहले 18 अक्टूबर को छापेमारी की थी, जब उसने मैसूरु में एमयूडीए कार्यालय और कुछ अन्य स्थानों की तलाशी ली थी।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने पिछले सप्ताह बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय में एमयूडीए के कुछ निचले स्तर के अधिकारियों से पूछताछ की थी। ईडी ने लोकायुक्त की एफआईआर का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दायर की है।

उल्लेखनीय है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, एमयूडीए के द्वारा अपनी पत्नी को 14 जगहों के आंवटन में कथित अनियमितताओं के संबंध में लोकायुक्त और ईडी की जांच का सामना कर रहे हैं। सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती बीएम., उनके साले मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू (जिनसे मल्लिकार्जुन स्वामी ने जमीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी) और अन्य को दोनों जांच एजेंसियों ने मामले में अन्य आरोपी बनाया है।

वारी एनर्जीज का शेयर करीब 70 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। सौर पैनल विनिमार्ता वारी एनर्जीज लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मुल्य 1,503 रुपये के मुकाबले करीब 70 प्रतिशत उछाल के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 2,550 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 69.66 प्रतिशत की बढ़त दशार्ता है। इसके बाद यह 72.98 प्रतिशत चढ़कर 2,600 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 66.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,500 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 67,866.35 करोड़ रुपये रहा। वारी एनर्जीज लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन गत बुधवार को 76.34 गुना अभिदान मिला था।

अंबुजा सीमेंट्स का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 472.89 करोड़ रुपये

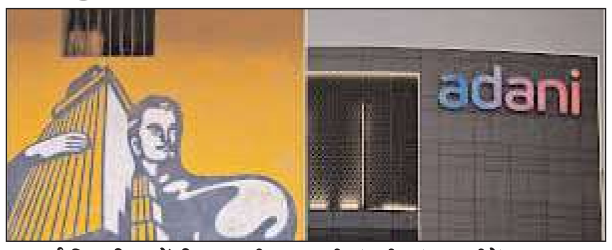

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ घटकर 472.89 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) का शुद्ध लाभ 987.24 करोड़ रुपये था। अंबुजा सीमेंट्स लि. (एसीएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, जुलाई-सितंबर तिमाही में परिचालन आय 7,516.11 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 7,423.95 करोड़ रुपये था। एसीएल की कुल आय (जिसमें अन्य आय भी शामिल है) दूसरी तिमाही में 7,890.14 करोड़ रुपये रही। समीक्षाधीन तिमाही में कुल व्यय 7,023.49 करोड़ रुपये रहा। अंबुजा सीमेंट्स ने एकल आधार पर जुलाई-सितंबर तिमाही में 500.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया।

पिछले लगातार पांच दिन की गिरावट से उबरा शेयर बाजार

मुंबई, एजेंसी। एशियाई बाजारों की तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर धातु, रियल्टी, कमोडिटीज, हेल्थकेयर और दूरसंचार समेत सत्रह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत पिछले लगातार पांच दिन की गिरावट से उबरकर आज शेयर आधे प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 602.75 अंक अर्थात 0.76 प्रतिशत की छलांग लगाकर 80 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 80,005.04 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 158.35 अंक यानी 0.65 प्रतिशत उछलकर 24,339.15 अंक पर पहुंच गया। बीएसई का दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 45,765.78 अंक और स्मॉलकैप 1.11 प्रतिशत मजबूत होकर 52,915.55 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4153 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2579 में तेजी जबकि 1412 में गिरावट रही वहीं 162 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 36 कंपनियां हरे जबकि 14 लाल निशान पर रही। बीएसई में कैपिटल गुड्स, ऊर्जा और सर्विसेज समूह की 1.16 प्रतिशत तकी गिरावट को छोड़कर अन्य 17 समूहों का रुख सकारात्मक रहा। इससे कमोडिटीज 1.79, सीडी 0.55, एफएमसीजी 0.74, वित्तीय सेवाएं 0.87, हेल्थकेयर 1.36, इंडस्ट्रियल्स 0.47, आईटी 0.60, दूरसंचार 1.37, यूटिलिटीज 0.33, ऑटो 0.80, बैंकिंग 0.71, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.34, धातु 1.21, तेल एवं गैस 0.27, पावर 0.34, रियल्टी 1.40 और टेक समूह के शेयर 0.60 प्रतिशत मजबूत रहा।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.07 और जर्मनी का डैक्स 0.03 प्रतिशत उतर गया।

आशीष कचोलिया और कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स ने क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक के प्री-आईपीओ में किया निवेश

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रेन नियंत्रण और सिग्नलिंग सिस्टम विकसित करने वाली अनुसंधान-उन्मुख नई पीढ़ी की कंपनी क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड ने आशीष कचोलिया, कैप्री ग्लोबल और अन्य प्रमुख व्यक्तिगत निवेशकों से 48 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड ने सोमवार को बताया कि कंपनी ने अपने प्री-आईपीओ दौर में आशीष कचोलिया, कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स और अन्य उल्लेखनीय व्यक्तिगत निवेशकों से 48 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी के मुताबिक ये लेन-देन कंपनी के प्रमोटरों द्वारा निवेशकों को इक्विटी शेयरों की बिक्री अर्थात द्वितीयक बिक्री है। यह कोई नया निर्गम या प्राथमिक बिक्री नहीं है। कंपनी ने बताया कि 275 करोड़ रुपये का मूल आईपीओ आकार अभी भी बरकरार है।

कंपनी ने 26 अक्टूबर, 2024 को की गई एक सार्वजनिक घोषणा में कहा कि अपने प्रमुख बैंकरों के परामर्श से, उसने व्यक्तिगत और संस्थागत निवेशकों को 240 रुपये प्रति शेयर (230 रुपये के प्रीमियम सहित) के निर्गम मूल्य पर 2,000,000 इक्विटी शेयर जारी किए हैं, जिसका कुल योग 48 करोड़ रुपये होता है। इस इन्वेस्टमेंट राउंड में प्रमुख रूप से हिस्सा लेने वालों में सूर्यवंशी कमोट्रेड प्राइवेट लिमिटेड (आशीष कचोलिया) शामिल हैं, जिसने 765,000 इक्विटी शेयर हासिल किए हैं, जबकि प्लांटिफाई कैपिटल लिमिटेड ने 125,000 शेयर प्राप्त किए हैं।

उपभोक्ताओं को लक्जरी, टिकाऊ वाहन विकल्पों की तलाश: सर्वेक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वाहन क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत हो रही है, क्योंकि उपभोक्ता लक्जरी और टिकाऊ दोनों तरह के विकल्पों की खोज कर रहे हैं। ग्रांट थॉर्नटन इंडिया के एक सर्वेक्षण में यह बात कही गई।

'शिफ्टिंग गियर्स; अंडरस्टैंडिंग पैसेंजर व्हीकल मार्केट ट्रेंड्स' शीर्षक वाले इस सर्वेक्षण के अनुसार, 85 प्रतिशत उत्तरदाता प्रीमियम मॉडल लेने पर विचार कर रहे थे, और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तुलना में हाइब्रिड वाहनों को प्राथमिकता दी जा रही है। सर्वेक्षण में देशभर के 3,500 से अधिक लोगों की राय ली गई।

सर्वेक्षण के अनुसार, 40 प्रतिशत उत्तरदाता अब हाइब्रिड वाहनों को पसंद कर रहे हैं, जबकि केवल 17 प्रतिशत ईवी के पक्ष में हैं। इसके विपरीत 34 प्रतिशत अब भी पेट्रोल वाहनों की ओर झुकाव रखते हैं। हाइब्रिड वाहनों के साथ बढ़ते जुड़ाव से पता चलता है कि उपभोक्ता अधिक मजबूत ईवी बुनियादी ढांचे और प्रोत्साहनों के इंतजार में अब टिकाऊ विकल्पों की खोज कर रहे हैं।

एआईसीसीए ने एयर इंडिया की नई कमरा साझा नीति को 'अवैध' बताया

मुंबई, एजेंसी। 'ऑल इंडिया केबिन क्रू एसोसिएशन' (एआईसीसीए) ने टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया की, चालक दल के सदस्यों के एक वर्ग के लिए कमरे साझा करने की नीति को 'अवैध व गैर-कानूनी' करार दिया है।

एआईसीसीए ने श्रम मंत्रालय से मामले में हस्तक्षेप का अनुरोध करते हुए इस कदम को रोकने का आग्रह किया है।

एसोसिएशन होटल में ठहराने तथा आवास की शर्तों की मांग कर रहा है, जो पिछले समझौतों तथा न्यायाधिकरण के निर्णयों के अनुसार पायलट के लिए आवास नीति के अनुरूप हो।

एसोसिएशन ने एयर इंडिया के प्रमुख कैम्पबेल विल्सन को भी पत्र लिखकर उनसे आग्रह किया है कि वे मौजूदा यथास्थिति का उल्लंघन न करें तथा औद्योगिक न्यायाधिकरण की पवित्रता तथा इस मुद्दे पर लंबित औद्योगिक विवाद को ध्यान में रखे।

गौरतलब है कि एक दिसंबर से प्रभावी नई नीति के तहत विस्तारा के साथ 11 नवंबर को होने वाले विलय से पहले चालक दल के अधिकारियों और अल्ट्रा-लॉन्ग-हॉल उड़ानों का संचालन करने वालों को छोड़कर, सदस्यों को ठहरने के लिए कमरे साझा करने होंगे।

'ऑल इंडिया केबिन क्रू' एसोसिएशन 50 वर्ष पुराना पंजीकृत व्यापार संघ है, जिससे समूचे भारत की भारतीय तथा विदेशी एयरलाइन के चालक दल के सदस्य जुड़े हैं।

एसोसिएशन ने मुख्य श्रम आयुक्त (सीएलसी) नई दिल्ली को भेजे नोटिस में कहा, 'हमारा ध्यान एयर इंडिया द्वारा अपने बुलेटिन बोर्ड पर जारी किए गए नोटिस की ओर आकर्षित किया गया है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ राष्ट्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के लंबित रहने तथा इसी मामले में एक औद्योगिक विवाद के दौरान चालक दल के सदस्यों की सेवा शर्तों में एकतरफा बदलाव करने का प्रस्ताव है। इसके तहत उन्हें एक दिसंबर से रात भर ठहरने के दौरान कमरे साझा करने के लिए बाध्य किया जाएगा।'

इसमें कहा गया, 'बिना किसी पूर्वाग्रह के हमें सबसे पहले इसका विरोध करना चाहिए और इस क्रूर कदम के प्रति अपना विरोध दर्ज कराना चाहिए। यह कहना चाहिए कि यह एक अवैध कदम है तथा आईईएसओ (औद्योगिक कर्मचारी स्थायी आदेश अधिनियम) के तहत सेवा की शर्तों में बदलाव है।'

एसोसिएशन ने कहा कि एआईसीसीए ने इस मामले पर एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) को पहले ही पत्र लिखा है। साथ ही सीएलसी से तत्काल सहायता का अनुरोध किया है ताकि 'इस अवैध कार्रवाई पर रोक लगाई जा सके, तथा इसी मामले पर कार्यवाही लंबित रहने तक धारा 33 के तहत कार्यवाही शुरू की जा सके।'एयर इंडिया ने इस मामले पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

एसोसिएशन के अनुसार, 2018 में तत्कालीन एयर इंडिया प्रबंधन तथा नागरिक विमानन मंत्रालय द्वारा इसी तरह का कदम उठाने का प्रयास किया गया था, जिसका भी एआईसीसीए ने कानूनी, नैतिक और नैतिक आधार पर विरोध किया था।

एक नजर

महत्वपूर्ण खनिजों के लिए भारत को आयात निर्भरता कम करने की जरूरत: रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अपने ऊर्जा बदलाव की रफ्तार को तेज करने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर बेहद निर्भर है। खासकर लिथियम, कोबाल्ट एवं निकल के लिए देश पूरी तरह आयात पर निर्भर है। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। इंस्टिट्यूट फॉर एनर्जी इकनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आईईईएफए) की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की महत्वपूर्ण खनिजों की मांग 2030 तक दोगुनी से अधिक होने की उम्मीद है जबकि घरेलू खनन कार्यों को उत्पादन शुरू करने में एक दशक से अधिक समय लग सकता है। रिपोर्ट कहती है कि भारत को इन जरूरी खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संतुलित करने और संभावित व्यापार जोखिमों को कम करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गई आयात रणनीति अपनाने की जरूरत है। आईईईएफए की रिपोर्ट में आयात निर्भरता, व्यापार गतिशीलता, घरेलू उपलब्धता और वैश्विक मूल्य उतार-चढ़ाव के दृष्टिकोण से पांच महत्वपूर्ण खनिजों (और उनके यौगिकों) झ्र कोबाल्ट, तांबा, ग्रेफाइट, लिथियम और निकल का परीक्षण किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत इन खनिजों और उनके यौगिकों के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है और लिथियम, कोबाल्ट एवं निकल जैसे खनिजों के लिए तो वह 100 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। रिपोर्ट के सह-लेखक और आईईईएफए के ऊर्जा विशेषज्ञ चरित कोंडा ने कहा, 'भारत को नए अंतरराष्ट्रीय संसाधनों की पहचान करके और घरेलू उत्पादन में तेजी लाकर अपने महत्वपूर्ण खनिजों के स्रोत को जोखिम-मुक्त करने की कोशिश करनी चाहिए। खनिज समृद्ध देशों के साथ साझेदारी करने और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक ठोस प्रयास भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए।'

गोयल सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे; ऊर्जा, डिजिटल ढांचा, विनिर्माण में सहयोग पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अपनी सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा के दौरान नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल बुनियादी ढांचे और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। वह मंगलवार को रियाद जाएंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, गोयल रियाद में 'फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव' (एफआईआई) में हिस्सा लेंगे जो एक महत्वपूर्ण मंच है जो वैश्विक नेताओं, निवेशकों तथा नवप्रवर्तकों को एक साथ लाता है। मंत्रालय ने कहा कि उनकी भागीदारी भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि, सतत विकास पर उसके ध्यान, कृत्रिम मेधा (एआई) और नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल बुनियादी ढांचे व उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में अपार अवसरों पर प्रकाश डालेगी। एफआईआई की बैठक से इतर प्रमुख वैश्विक निवेशकों के साथ विचार-विमर्श करेंगे। इसमें कहा गया, 'इन बातचीत का उद्देश्य निवेशकों का विश्वास बढ़ाना निवेश प्रवाह को सुविधाजनक बनाना और भारत को एक पसंदीदा वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना है।' वह ऊर्जा बदलाव, डिजिटल परिवर्तन और व्यापार सुविधा में सहयोगात्मक प्रयासों पर चर्चा करने के लिए वाणिज्य मंत्री, उद्योग एवं खनिज संसाधन मंत्री, निवेश मंत्री और ऊर्जा मंत्री सहित प्रमुख सऊदी मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। इसके अलावा, वह भारत-सऊदी रणनीतिक साझेदारी परिषद के अंतर्गत अर्थव्यवस्था तथा निवेश समिति की दूसरी मंत्रिस्तरीय बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे, जिसमें कृषि, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। भारत, सऊदी अरब का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है जबकि सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में 43 अरब अमरीकी डॉलर और 2022-23 में यह 53 अरब अमरीकी डॉलर था।

उड़ान ने लाइटहाउस कैंटन, स्ट्राइड वेंचर्स और अन्य से 300 करोड़ रुपये जुटाए

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन बिजनेस-टू-बिजनेस मंच उड़ान ने लाइटहाउस कैंटन, स्ट्राइड वेंचर्स, इनोवेन कैपिटल और ट्राइफेक्टा कैपिटल से करीब 300 करोड़ रुपये का ऋण-वित्तपोषण पूरा कर लिया है। कंपनी के सोमवार को बयान में कहा, वित्त पोषण समूह ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में सामूहिक रूप से 'उड़ान' में करीब 300 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस धन का इस्तेमाल देश भर में किराना स्टोर तथा छोटे व्यवसायों के लिए पसंदीदा भागीदार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए किया जाएगा। बयान में कहा गया, कंपनी अपनी 'सूक्ष्म बाजार रणनीति' के जरिये अपनी भौगोलिक पहुंच का विस्तार करने, परिचालन को अनुकूलित करने, गो-टू-मार्केट (जीटीएम) क्षमताओं को बढ़ाने, आपूर्ति श्रृंखला प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और नए सूक्ष्म-पूर्ति केंद्र खोलने के लिए इस राशि का इस्तेमाल करेगी। उड़ान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (समूह वित्त) किरण एच. ने कहा कि ऋण वित्तपोषण का नवीनतम दौर पिछली 10 तिमाहियों में कंपनी द्वारा हासिल की गई तिमाही-दर-तिमाही लगातार वृद्धि को दशार्ता है। उन्होंने कहा, 'यह वित्तपोषण हमारी वित्तीय स्थिति को और मजबूत करेगा और हमें प्रमुख रणनीतिक पहलों पर दोगुना जोर देने की सुविधा प्रदान करेगा जैसे कि परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए हमारे 'क्लस्टर' मॉडल का विस्तार करना जिससे हम लाभप्रदता के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपनी बाजार स्थिति को मजबूत कर सकें।'

अंबुजा सीमेंट्स का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ घटकर 472.89 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ घटकर 472.89 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) का शुद्ध लाभ 987.24 करोड़ रुपये था। अंबुजा सीमेंट्स लि. (एसीएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, जुलाई-सितंबर तिमाही में उसकी परिचालन आय 7,516.11 करोड़ रुपये रही, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 7,423.95 करोड़ रुपये था। एसीएल की कुल आय (जिसमें अन्य आय भी शामिल है) दूसरी तिमाही में 7,890.14 करोड़ रुपये रही। समीक्षाधीन तिमाही में कुल व्यय 7,023.49 करोड़ रुपये रहा। अंबुजा सीमेंट्स ने एकल आधार पर जुलाई-सितंबर तिमाही में 500.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। एक साल पहले समान तिमाही में यह 643.84 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में एकल परिचालन आय 4,213.24 करोड़ रुपये थी। कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय कपूर ने परिणामों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि एसीएल ने अपने 'वृद्धि खाके के अनुरूप तथा कार्यकुशलता में नए मानक स्थापित करते हुए' एक और सतत प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, 'पूरे देश में अपनी मजबूत पकड़ के साथ हम अपने दृष्टिकोण के अनुरूप नए भौगोलिक क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं। ओरिएंट सीमेंट सौदे के सफल समापन के बाद हम चालू वित्त वर्ष के अंत तक 10 करोड़ टन से अधिक की क्षमता हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।' वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल से सितंबर) में एसीएल का परिचालन राजस्व 15,827.5 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 1,256.07 करोड़ रुपये रहा। पिछले पांच वर्षों में पहली छमाही में इसकी बिक्री मात्रा सर्वाधिक 3.01 करोड़ टन दर्ज की गई।

धनतेरस

जिस प्रकार देवी लक्ष्मी सागर मंथन से उत्पन्न हुई थी उसी प्रकार भगवान धनवन्तरि भी अमृत कलश के साथ सागर मंथन से उत्पन्न हुए हैं। देवी लक्ष्मी हालांकि की धन देवी हैं परन्तु उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए आपको स्वस्थ्य और लम्बी आयु भी चाहिए यही कारण है दीपावली दो दिन पहले से ही यानी धनतेरस से ही दीपामालाएं सजने लगती हें।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन ही धन्वन्तरि का जन्म हुआ था इसलिए इस तिथि को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धन्वन्तरी जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथो में अमृत से भरा कलश था। भगवान धन्वन्तरी चुकि कलश लेकर प्रकट हुए थे इसलिए ही इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परम्परा है। कहीं कहीं लोकमान्यता के अनुसार यह भी कहा जाता है कि इस दिन धन (वस्तु) खरीदने से उसमें 13 गुणा वृद्धि होती है। इस अवसर पर धनिया के बीज खरीद कर भी लोग घर में रखते हैं। दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग-बगीचों में या खेतों में बोते हैं।

प्रथा

धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोइ बर्तन खरिदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में संतोष रूपी धन का वास होता है। संतोष को सबसे बड़ा धन कहा गया है। जिसके पास संतोष है वह स्वस्थ है सुखी है और वही सबसे धनवान है। भगवान धन्वन्तरी जो चिकित्सा के देवता भी हैं उनसे स्वास्थ्य और सेहत की कामना के लिए संतोष रूपी धन से बड़ा कोई धन नहीं है। लोग इस दिन ही दीपावली की रात लक्ष्मी गणेश की पूजा हेतु मूर्ति भी खरीदते हें। यह दिन व्यापारियॉं

कथा

धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है। इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है, कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। 7ज्योंतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया। विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त नवविवाहिता उसकी पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा परंतु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

धन्वंतरि

धन्वन्तरि देवताओं के वैद्य हैं और चिकित्सा के देवता माने जाते हैं इसलिए चिकित्सकों के लिए धनतेरस का दिन बहुत ही महत्व पूर्ण होता है। धनतेरस के संदर्भ में एक लोक कथा प्रचलित है कि एक बार यमराज ने यमदूतों से पूछा कि प्राणियों को मृत्यु की गोद में सुलाते समय तुम्हारे मन में कभी दया का भाव नहीं आता क्या। दूतों ने यमदेवता के भय से पहले तो कहा कि वह अपना कर्तव्य निभाते है और उनकी आज्ञा का पालन करते हें परंतु जब यमदेवता ने दूतों के मन का भय दूर कर दिया तो उन्होंने कहा कि एक बार राजा हेमा के ब्रह्मचारी पुत्र का प्राण लेते समय उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर हमारा हृदय भी पसीज गया लेकिन विधि के विधान के अनुसार हम चाह कर भी कुछ न कर सके। एक दूत ने बातों ही बातों में तब यमराज से प्रश्न किया कि अकाल मृत्यु से बचने का कोई उपाय है क्या। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए यम देवता ने कहा कि जो प्राणी धनतेरस की शाम यम के नाम पर दक्षिण दिशा में दीया जलाकर रखता है उसकी अकाल मृत्यु नहीं होती है। इस मान्यता के अनुसार धनतेरस की शाम लोग आँगन मे यम देवता के नाम पर दीप जलाकर रखते हैं। इस दिन लोग यम देवता के नाम पर व्रत भी रखते हैं।धनतेरस के दिन दीप जलाककर भगवान धन्वन्तरि की पूजा करें। भगवान धन्वन्तरी से स्वास्थ और सेहतमंद बनाये रखने हेतु प्रार्थना करें। चांदी का कोई बर्तन या लक्ष्मी गणेश अंकित चांदी का सिक्का खरीदें। नया बर्तन खरीदे जिसमें दीपावली की रात भगवान श्री गणेश व देवी लक्ष्मी के लिए भोग चढ़ाएं।

धनतेरस पर समृद्धि देते हैं कुबेर..

समस्त धन सम्पदा और ऐश्वर्य के स्वामी कुबेर के लिए धनतेरस के दिन शाम को 13 दीप समर्पित किए जाते हैं। कुबेर भूगर्भ के स्वामी हैं। कुबेर की पूजा से मनुष्य की आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है और धन अर्जन का मार्ग प्रशस्त होता है।

निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें-

कुबेर मंत्र -

'यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये

धन-धान्य समृद्धि में देहि दापय स्वाहा।'

धनतेरस पर क्यों खरीदे जाते हैं बर्तन

धनतेरस दीपावली से दो दिन पहले अदित तिथि में मनाई जाती है। जिस प्रकार लक्ष्मीजी समुद्र मंथन से उत्पन्न हुई थी, उसी प्रकार भगवान धनवंतरी धन त्रयोदशी के दिन अमृत कलश के साथ समुद्र मंथन से उत्पन्न हुए हैं। दीपावली के दो दिन पहले से ही यानी धनतेरस से ही दीप प्रज्ज्वलित करने का प्रचलन भी है।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन ही भगवान धनवंतरी का जन्म हुआ था, इसलिए इस तिथि को धन त्रयोदशी या धनतेरस के रूप में जाना जाता है।

भगवान धनवंतरी जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथों में अमृत से भरा कलश था। भगवान धनवंतरी चूंकि कलश लेकर प्रकट हुए थे इसलिए इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परंपरा है।

कहीं-कहीं लोकमतानुसार कहा जाता है कि इस दिन बर्तन, चांदी की वस्तु आदि की खरीदारी करने से उसमें तेरह गुना वृद्धि होती है। इस अवसर पर धनिया के बीज खरीद कर भी लोग घर में रखते हैं।

दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने खेतों में बोते हैं। कुछ लोग क्यारियों में भी बोते है। धनिया स्वास्थ्य के लिए उत्तम तो होता ही है, इसे स्वाद को बढ़ाने वाला भी माना गया है।

धनतेरस के दिन चांदी के बर्तन या जेवर खरीदने का भी प्रचलन है। माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है, जो शीतलता प्रदान करता है और इसी दिन चन्द्र का हस्त नक्षत्र भी है।

पद्मावती मंत्र से पाएं सुख-समृद्धि

मंत्रों का जाप करने से मनुष्य को आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त होती है। निष्ठा और विधिपूर्वक करने से इच्छित फल भी प्राप्त होता है। महालक्ष्मी पूजन में इस पद्मावती मंत्र का जाप करें।

नमो भगवती पद्मावती सर्वजन मोहनी,
सर्व कार्य करनी, मम विकट संकट हरणी,
मम मनोरथ पूरणी, मम चिंता चूरणी नमों।
पद्मावती नम स्वाहा-।

उपरोक्त पद्मावती मंत्र की एक माला दीपावली से लेकर प्रतिदिन प्रात- आंतरिक भाव से जपने से मनुष्य को रोजगार और धन की प्राप्ति होती है।

मंगल कलश शांति का संदेशवाहक

धर्मशास्त्रों के अनुसार कलश में सम्पूर्ण देवता समाए हुए हैं। कलश को सुख-समृद्धि, वैभव और मंगल कामनाओं का प्रतीक माना गया है। कलश में भरा पवित्र जल इस बात का संकेत हैं कि हमारा मन भी जल की तरह हमेशा ही शीतल, स्वच्छ एवं निर्मल बना रहें। हमारा मन श्रद्धा, तरलता, संवेदना एवं सरलता से भरे रहें। यह क्रोध, लोभ, मोह-माया, ईर्ष्या और घृणा आदि कुत्सित भावनाओं से हमेशा दूर रहें।

कलश पर लगाया जाने वाला स्वस्तिष्क का चिह्न चार युगों का प्रतीक है। यह हमारी 4 अवस्थाओं, जैसे बाल्य, युवा, प्रौढ़ और वृद्धावस्था का प्रतीक है।

पौराणिक शास्त्रों के अनुसार मानव शरीर की कल्पना भी मिट्टी के कलश से की जाती है। इस शरीररूपी कलश में प्राणिरूपी जल विद्यमान है। जिस प्रकार प्राणविहीन शरीर अशुभ माना जाता है, ठीक उसी प्रकार रिक्त कलश भी अशुभ माना जाता है।

इसी कारण कलश में दूध, पानी, पान के पत्ते, आम्रपत्र, केसर, अक्षत, कुंमकुंम, दुर्वा-कुश, सुपारी, पुष्प, सूत, नारियल, अनाज आदि का उपयोग कर पूजा के लिए रखा जाता है। इसे शांति का संदेशवाहक माना जाता है।

धनतेरस पूजन में क्या करें

(अ) कुबेर पूजन

शुभ मुहूर्त में अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठान में नई गादी बिछाएं अथवा पुरानी गादी को ही साफ कर पुनः स्थापित करें।

पश्चात नवीन बसना बिछाएं।

सायंकाल पश्चात तेरह दीपक प्रज्वलित कर तिजोरी में कुबेर का पूजन करते हैं।

कुबेर का ध्यान

निम्न ध्यान मंत्र बोलकर भगवान कुबेर पर फूल चढ़ाएं -

श्रेष्ठ विमान पर विराजमान, गरुड़मणि के समान आभावाले, दोनों हाथों में गदा एवं वर धारण करने वाले, सिर पर श्रेष्ठ मुकुट से अलंकृत तुंदिल शरीर वाले, भगवान शिव के प्रिय मित्र निधीश्वर कुबेर का मैं ध्यान करता हूं।

इसके पश्चात निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें -

यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये
धन-धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।

इसके पश्चात कपूर से आरती उतारकर मंत्र पुष्पांजलि अर्पित करें।

(ब) यम दीपदान

* तेरस के सायंकाल किसी पात्र में तिल के तेल से युक्त दीपक प्रज्वलित करें।

* पश्चात गंध, पुष्प, अक्षत से पूजन कर दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके यम से निम्न प्रार्थना करें-

मृत्युना दंडपाशाभ्याम्‌ कालेन श्यामया सह।
त्रयोदश्यां दीपदानात्‌ सूर्यजः प्रयतां मम।

अब उन दीपकों से यम की प्रसन्नता के लिए सार्वजनिक स्थलों को प्रकाशित करें।

इसी प्रकार एक अखंड दीपक घर के प्रमुख द्वार की देहरी पर किसी प्रकार का अन्न (साबूत गेहूं या चावल आदि) बिछाकर उस पर रखें। (मान्यता है कि इस प्रकार दीपदान करने से यम देवता के पाश और नरक से मुक्ति मिलती है।)

यमराज पूजन

* इस दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखें।

* रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर चार बत्तियां जलाएं।

* जल, रोली, चावल, गुड़, फूल, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर यम का पूजन करें।

दो से अधिक रत्नों से करें परहेज

कई बार एक व्यक्ति दो या दो से अधिक रत्न धारण कर लेते हैं। आजकल तो व्यक्ति पांचों उंगलियों में और एक से अधिक रत्न एक ही उंगली में धारण कर लेते हैं। इससे रत्नों का फल निष्फल या विपरीत भी हो जाता है। योतिष शास्त्रानुसार दो या दो से अधिक रत्नों को धारण करते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। समान तत्व वाली राशियों के स्वामी के तथा मित्र ग्रहों के रत्नों को ही एकसाथ धारण करना चाहिए। शत्रु ग्रहों के रत्नों को धारण करना निषेध है।

र त्नों का ग्रहों की राशियों से केवल गहरा संबंध ही नहीं है, वह व्यक्ति के जीवन को व्यापक स्तर पर प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। अगर रत्नों का सही ढंग से चुनाव किया जाए तो वे धारण करने वाले व्यक्ति को विरोधी शक्तियों का डटकर सामना करने की शक्ति और जीवन ऊर्जा से भरपूर बनाने में सामर्थ्य देते हैं।

रत्न धारण से जो ग्रह शुभ स्थानों के स्वामी होकर अशुभ स्थानों में स्थित हो जाता है तो वह निर्बल हो जाता है तो इससे संबंधित रत्न धारण से ग्रह को शक्ति मिलती है और जो अशुभ स्थान का स्वामी हो, पाप ग्रहों की संगत में बैठा हो, उनसे देखा जाता हो या अन्य कारण से दूषित हो तो उससे संबंधित रत्न पहनने का अर्थ होगा कि उसकी विघटनकारी, अमंगलकारी शक्ति को उत्प्रेरित करना है। इसके साथ जो शुभ ग्रह है और अन्य कारणों से भी शुभ है तो उसका रत्न पहनना निन्संदेह उपयोगी होगा, क्योंकि उसकी प्रखरता में वृध्दि होने से संभावित अवरोध भी दूर होंगे। सही रत्न का चुनाव कर शुभ मुहूर्त में अंगूठी बनवाकर व शुभ मुहूर्त में सही उंगली में अंगूठी धारण करने पर ही रत्न लाभकारी होता है।

कई बार एक व्यक्ति दो या दो से अधिक रत्न धारण कर लेते हैं। आजकल तो व्यक्ति पांचों उंगलियों में और एक से अधिक रत्न एक ही उंगली में धारण कर लेते हैं। इससे रत्नों का फल निष्फल या विपरीत भी हो जाता है। योतिष शास्त्रानुसार दो या दो से अधिक रत्नों को धारण करते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। समान तत्व वाली राशियों के स्वामी के तथा मित्र ग्रहों के रत्नों को ही एकसाथ धारण करना चाहिए। शत्रु ग्रहों के रत्नों को धारण करना निषेध है। ग्रहों के लिए निर्धारित उंगलियों में ही रत्न धारण करना चाहिए तभी प्रभावशाली होता है। उदाहरण के तौर पर माणिक अनामिका में, मूंगा तर्जनी-अनामिका में, मोती तर्जनी-अनामिका, पन्ना-कनिष्ठा में, पुखराज-तर्जनी में, हीरा तर्जनी-अनामिका में, नीलम, गोमेद व लसुनिया मध्यमा में धारण करना चाहिए। तर्जनी गुरू की, मध्यमा शनि की, अनामिका सूर्य की तथा कनिष्ठा बुध की उंगलियां मानी गई हैं। रत्न धारण का प्रभाव तभी होता है, जब कौन-सा रत्न धारण करना का सही निर्णय लिया जाए। रत्न निर्दोष होना चाहिए। सही वजन का होना चाहिए। सही धातु में अंगूठी बनवाकर शुभ मुहूर्त में सही उंगली में निषेध रत्नों के साथ न पहनने से ही लाभकारी होता है।

आइए जानते हैं कि किस राशि के ग्रह के रत्न को किस रत्न के साथ नहीं पहनना चाहिए

राशि	ग्रह	रत्न
मेष	मंगल	मूंगा-पन्ना-हीरा
वृषभ	शुक्र	हीरा-मूंगा
मिथुन	बुध	पन्ना-मूंगा-नीलम
कर्क	चन्द्र	मोती-मूंगा
सिंह	सूर्य	माणिक-नीलम-हीरा
कन्या	बुध	पन्ना-मूंगा-नीलम
तुला	शुक्र	हीरा-मूंगा
वृश्चिक	मंगल	मूंगा-पन्ना-हीरा
धनु	गुरू	पुखराज-हीरा-पन्ना
मकर	शनि	नीलम-माणिक-पुखराज
कुंभ	शनि	नीलम-माणिक-पुखराज
मीन	गुरू	पुखराज-हीरा-पन्ना

वनडे और टी20 टीम के कोच पद से दिया इस्तीफा

गैरी क्रर्स्टन ने छोड़ा पाकिस्तान का साथ

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सफेद गेंद के मुख्य कोच गैरी क्रर्स्टन ने अपने पद से इस्तीफे की घोषणा की है। पाकिस्तान के व्हाइट बॉल कोच के तौर पर उनका करार 2 साल का था, जो मात्र 6 महीने में ही खत्म हो गया। बताया जा रहा है कि इस्तीफे की वजह बोर्ड के साथ उनकी अनबन है। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर गैरी क्रर्स्टन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए टीम के चयन और टीम की घोषणा को लेकर असहमत थे। यह मतभेद तब और बढ़ गया जब कथित तौर पर पीसीबी ने गैरी कर्स्टन के टीम के बारे में सुझावों पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण उन्होंने मुख्य कोच पद से हटने का फैसला किया। सूत्रों ने बताया, पीसीबी ने यही तरीका तब अपनाया था जब उसकी नई चयन समिति ने टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी और कप्तान शान मसूद को टीम चयन में शामिल होने से मना कर दिया था। चयन समिति का रवैया जेसन गिलेस्पी को अच्छा नहीं लगा था। दूसरी ओर गैरी कर्स्टन ने एक

अलग रास्ता अपनाया है और अपने इस्तीफे की घोषणा की है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बाएं हाथ के बल्लेबाज गैरी कर्स्टन को अप्रैल 2024 में दो साल के अनुबंध पर पाकिस्तान का व्हाइट-बॉल कोच नियुक्त किया गया था। हालांकि, टी20 विश्व कप अभियान में पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन ने उनकी नियुक्ति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। सूत्रों का कहना है कि कर्स्टन की जगह कुछ समय के लिए पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अकीब जावेद को कोच बनाया जा सकता है। गैरी कर्स्टन ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के साथ नहीं होंगे और उम्मीद है कि वे कई फ्रेंचाइजी के साथ दुनिया भर में अपनी कोचिंग ड्यूटी पर लौट आएंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के नए वनडे और टी20 कोच बने जेसन गिलेस्पी

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए जेसन गिलेस्पी को मुख्य कोच नियुक्त किया है। गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है, जिसे बोर्ड ने सोमवार को आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया और आगामी दौरे के लिए सीमित ओवरों की देखरेख जेसन गिलेस्पी कौ सौंपी। पीसीबी ने एक्स पर पोस्ट किया, गैरी कर्स्टन ने अपना इस्तीफा दे दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। जेसन गिलेस्पी अगले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पाकिस्तान क्रिकेट टीम को कोचिंग देंगे। कर्स्टन ने केवल छह महीने के कार्यकाल के बाद ही इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कर्स्टन और पीसीबी के बीच मतभेद थे।

ये मतभेद खासकर टीम चयन और ऑस्ट्रेलिया-जिंबाब्वे के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए टीम का चयन करने को लेकर थे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी वर्तमान में पाकिस्तान की रेड-बॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में काम कर रहे हैं। वह अब वनडे और टी20 टीमों का मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। मेलबर्न में 4 नवंबर से शुरू होने वाले आगामी दौरे में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच उनका पहला असाइनमैंट होगा। आईपीएल में गुजरात टाइटंस के साथ अपने सफल प्रदर्शन के बाद अप्रैल 2024 में पाकिस्तान के मुख्य कोच के रूप में कर्स्टन का कार्यकाल शुरू हुआ था।

सार समाचार

शुभंकर शर्मा संयुक्त 66वें स्थान पर रहे

इंचियोन (कोरिया), एजेंसी। भारत के शुभंकर शर्मा का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और वह अंतिम दो दौर में 76 के समान स्कोर के साथ डीपी वर्ल्ड टूर की जेनेसिस गोल्फ चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 66वें स्थान पर रहे। शुभंकर ने पहले दो दौर में 71 और 68 का स्कोर बनाया था। कोरिया के बियोंग हुन आन ने हमवतन टॉम किम को प्ले ऑफ में हराकर अपना दूसरा डीपी विश्व टूर खिताब जीता।

रेहान थॉमस थाईलैंड में सातवें स्थान पर रहे

बैंकॉक, एजेंसी। भारतीय गोल्फर रेहान थॉमस यहां अंतरराष्ट्रीय सीरीज थाईलैंड के अंतिम दौर में दो अंडर 68 का कार्ड खेलकर संयुक्त सातवें स्थान पर रहे जिससे एशियाई टूर पर वह दूसरी दफा शीर्ष 10 में शामिल रहे।

संयुक्त अरब अमीरात में बसा यह गोल्फर हालांकि दूसरे और तीसरे दौर में क्रमशः 63-64 का जादू दोहराने में असफल रहा। रेहान का कुल स्कोर 16 अंडर हुआ। रेहान ने 14वें से 17वें होल के बीच में तीन से कुल चार बर्डी लगाई। अन्य भारतीयों में गगनजीत भुल्लर (67) संयुक्त 19वें स्थान पर और करणदीप कोचर (67) संयुक्त 24वें स्थान पर रहे।

यूएसए क्रिकेट ने स्टुअर्ट लॉ को मुख्य कोच के पद से हटाया

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। यूएसए क्रिकेट ने रविवार को स्टुअर्ट लॉ को राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के पद से हटा दिया है।

यह निर्णय यूएसए के आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 अभियान से एक दिन पहले आया। लॉ का कार्यकाल अप्रैल में शुरू हुआ और सात महीने से कुछ अधिक समय तक चला, उनके कार्यकाल में टीम टी20 विश्व कप सुपर-आठ चरण में अपने इतिहास में पहली बार आगे बढ़ी। वेस्टइंडीज के साथ संयुक्त रूप से आयोजित टूनार्मेंट में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने समूह में कनाडा और पाकिस्तान को हराकर अगले चरण में प्रवेश किया। टीम ने बांग्लादेश को टी20आई श्रृंखला में भी हराया।

एक प्रेस विज्ञप्ति में यूएसए क्रिकेट के अध्यक्ष वेणु पिसिके ने कहा, हम स्टुअर्ट को उनके कार्यकाल के दौरान यूएसए क्रिकेट में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं। हम उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना करते हैं। नौ मैचों में छह जीत के साथ, यूएसए वर्तमान में क्रिकेट विश्व कप लीग 2 अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और 2027 के वनडे विश्व कप में जगह बनाने का लक्ष्य बना रहा है।

नेपाल ने भारत को सैफ महिला चैंपियनशिप 2024 से किया बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत रविवार को दशरथ स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में नेपाल से 2-4 से हारकर सैफ महिला चैंपियनशिप 2024 से बाहर हो गया। नेपाल फाइनल में बांग्लादेश से खेलेगा, जिसने पहले दिन दूसरे सेमीफाइनल में भूटान को 7-1 से हराया था।

खचाखच भरे स्टेडियम में खेले गए इस मैच में, नियमित समय समाप्त होने के बाद शूट-आउट का सहारा लिया गया, जो 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। मैच में मैदान के अंदर से ज्यादा बाहर का ड्रामा देखने को मिला।

62वें मिनट में संगीता बासफोर के शानदार शॉट की बदौलत भारत ने बढ़त हासिल कर ली और इसके बाद नेपाल ने बराबरी का गोल दागा, जिसे रेफरी ने नकार दिया। इसके बाद मैच 70 मिनट से अधिक समय तक रुका रहा, क्योंकि मेजबान टीम ने रेफरी के फैसले का विरोध करना शुरू कर दिया। भूटान के रेफरी ओम चोकी ने एक घंटे से अधिक समय तक धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा की और पर्यवेक्षण अधिकारियों तथा नेपाल टीम के बीच चर्चा के बाद मैच पुनः शुरू हुआ।

मैच पुनः शुरू होने के कुछ सेकंड बाद, नेपाल ने अपने देश की रिकॉर्ड गोल स्कोरर सबित्रा भंडारी के माध्यम से बराबरी कर ली, जो अंततः खेल को 90 मिनट से आगे ले जाने में महत्वपूर्ण साबित हुई। टाई-ब्रेकर में, नेपाल अपने सभी चार शुरूआती प्रयासों को बदलने में सफल रहा, जबकि भारत के लिए केवल मनीषा और करिश्मा शिरवोइकर ही गोल कर सकीं।

अरमान भाटिया और हर्ष मेहता ने पुरुष युगल खिताब जीता, रोमैन-मिचेल को 2-0 से दी मात

नई दिल्ली, एजेंसी। आरके खन्ना टेनिस स्टेडियम में आयोजित पीडब्लूआर डीयूपीआर इंडिया मास्टर्स के प्रो(ओपन) पुरुष युगल के फाइनल मुकाबले में भारत की अरमान भाटिया और हर्ष मेहता की जोड़ी ने अमेरिका के रोमैन स्ट्रेजा और ऑस्ट्रेलिया के मिचेल हरग्रेव्स की जोड़ी को 11-3, 11-2 के अंतर से सीधे गेम में 2-0 के अंतर से मात देकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के अरमान भाटिया तीन वर्ग के फाइनल में पहुंचे थे और वो तीनों में खिताबी जीत हासिल करने में सफल रहे। अरमान भाटिया इडिया मास्टर्स 2024 के असली स्टार बनकर उभरे। उन्होंने पुरुष एकल और मिक्स्ड डबल्स खिताब भी अपने नाम किए।

भारतीय जोड़ी ने 11-3 से जीता पहले गेम

भारत के अरमान भाटिया और हर्ष मेहता की जोड़ी ने पुरुषों के युगल मुकाबले में अमेरिका के रोमैन स्ट्रेजा और ऑस्ट्रेलिया के मिचेल हरग्रेव्स की जोड़ी के खिलाफ पहले गेम में शानदार शुरुआत की। दोनों ने पहले गेम में जल्दी ही 5-2 की बढ़त बना ली। धीरे-धीरे ये बढ़त 10-2 की हो गई और अंत में थोड़ी मशक्कत के बाद 11-3 से पहला गेम अपने नाम करके मैच में 1-0 की बढ़त बना ली।

दूसरे गेम में 11-2 से जीती बाजी

दूसरे गेम में भी अरमान हर्ष की जोड़ी ने शानदार शुरुआत की और 3-0 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी ने जल्दी ही स्कोर को 6-1 तक पहुंचा दिया। कुछ देर यही स्कोर बना रहा। लेकिन इसके बाद दोनों टीमों ने 1-1 अंक हासिल किए और स्कोर 7-2 हो गया। इसके बाद जल्दी ही भारतीय जोड़ी ने 11-2 से गेम और खिताब दोनों अपने नाम कर लिया।

पीकेएल को दिया गया वर्ष की सर्वश्रेष्ठ स्पोर्ट्स लीग का पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) को सीआईआई स्पोर्ट्स बिजनेस अवार्ड्स 2024 में प्रतिष्ठित 'बेस्ट स्पोर्ट्स लीग ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

यह पुरस्कार समारोह शुक्रवार, 18 अक्टूबर को नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) स्कोर कार्ड 2024 कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था, जिस दिन पीकेएल के 11वें संस्करण की शुरूआत भी हुई थी। सीआईआई स्पोर्ट्स बिजनेस अवार्ड्स, एक अभूतपूर्व पहल है, जो खेल व्यवसाय क्षेत्र में उत्कृष्टता और नवाचार को मान्यता देता है। इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धी श्रेणी में प्रो कबड्डी लीग की जीत भारतीय खेल परिदृश्य पर इसके प्रभाव और एक खेल के रूप में कबड्डी के विकास में इसके योगदान को रेखांकित करती है।

प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने पुरस्कार मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हम सीआईआई से यह मान्यता प्राप्त करके रोमांचित हैं। यह पुरस्कार 2014 में अपनी शुरूआत से ही प्रो कबड्डी लीग को एक शानदार सफलता बनाने में शामिल सभी लोगों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, हम पीकेएल को और भी अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने, कबड्डी को और अधिक लोकप्रिय बनाने और भारत के वैश्विक खेल महाशक्ति बनने के सपने में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रो कबड्डी लीग की निदेशक चारू शर्मा ने कहा, भारत का अनूठा विरासत वाला खेल - जो कई दशक पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया था - 10 साल पहले पीकेएल की बदौलत एक बेहद लोकप्रिय, प्रतिष्ठित, पेशेवर लीग बन गया है। कबड्डी की कहानी वाकई दिलचस्प है। मुझे खुशी है कि भारत की प्रमुख कॉर्पोरेट एजेंसी, सीआईआई ने मशाल स्पोर्ट्स द्वारा सुशासन पर दिए गए अत्यधिक ध्यान की सराहना की है, जिससे पीकेएल को सम्मान और स्थिरता मिली है। स्पोर्ट्स बिजनेस अवार्ड्स में 'बेस्ट स्पोर्ट्स लीग ऑफ द ईयर' के लिए सीआईआई का पुरस्कार जीतना, अनुपम गोस्वामी के नेतृत्व में पूरी मशाल स्पोर्ट्स टीम द्वारा की गई कड़ी मेहनत का वास्तव में संतुष्टिदायक सम्मान है।

यह पुरस्कार ऐसे समय में दिया गया है जब भारत राष्ट्रीय खेल नीति 2024 के मसौदे जैसी पहल के साथ खेल क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। प्रो कबड्डी लीग की सफलता एक जीवंत और समावेशी खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के राष्ट्र के लक्ष्य के साथ पूरी तरह से मेल खाती है, साथ ही खेल को ओलंपिक स्तर तक ले जाना भी है।

अजिंक्य रहाणे का क्रिकेट करियर खत्म करने के लिए कौन है जिम्मेदार

टर्बनेटर भज्जी ने कही दिल की बात

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले 2 मैचों में भारतीय टीम को हार मिली और टीम ने सीरीज भी गंवा दी। इस टेस्ट सीरीज में भारतीय बल्लेबाजी की कमजोरी सामने आई। बेंगलुरु में तेज गेंदबाजों वाली पिच पर टीम महज 46 रन पर ढेर हो गई और पुणे की टर्नर पिच पर भारतीय बल्लेबाजों के

पास मिचेल सैंटनर का कोई जवाब नहीं था। भारतीय टीम घर में पिछले 12 साल से अजेय थी, लेकिन ये सिलसिला भी टूट गया।

भारत ने इन 12 साल में जो जीत मिली थी वो स्पिनर्स के दम पर ही मिली, लेकिन कीवी टीम के खिलाफ हमारे बल्लेबाज भी स्पिनर के खिलाफ संघर्ष करते दिखे। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने खराब टर्न तैयार करने के लिए मैनेजमेंट पर निशाना साधा और कहा कि भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसे विकेटों पर खेलकर अपना आत्मविश्वास खो दिया है। हरभजन ने अजिंक्य रहाणे का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत की पिचों के कारण उनका करियर प्रभावित हुआ। टर्बनेटर भज्जी ने पीटीआई से बात करते हुए कहा कि अगर आप पिछले दशक के ट्रेंड को देखें को हम पिछले एक दशक से ज्यादातर टर्निंग पिचों पर खेल रहे हैं।

न्यूजीलैंड महिला टीम ने भारत को 76 रनों से हराया

अहमदाबाद, एजेंसी। कप्तान सोफी डिवाइन (79 रन) और (तीन विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर न्यूजीलैंड की महिला टीम ने रविवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में भारत को 76 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-1 से बराबरी कर ली है। सोफी डिवाइन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

न्यूजीलैंड के 259 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत बेहद खराब रही और उसने 27 ओवर में 108 के स्कोर पर अपने आठ विकेट गवां कर बड़ी हार की ओर बढ़ रही थी। स्मृति मंधाना (शून्य), शेफाली वर्मा (11), यास्तिका भाटिया (12), जेमिमाह रॉड्रिग्स (17), कप्तान हरमनप्रीत कौर (24), तेजल हसबनिस (15), दीप्ति शर्मा (15) और अरुंधति रेड्डी (दो)रन बनाकर आउट हुई। ऐसे संकट के समय में राधा यादव और साइमा ठाकोर ने नौवे रिकार्ड 70 रन की साझेदारी कर न्यूजीलैंड को बड़ी जीत से रोक दिया। यह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में नौवें विकेट के लिए भारत के तरफ सबसे बड़ी साझेदारी है। इन दोनों ने झूलन गोस्वामी और अल खादीर के 43 रनों की साझेदारी का रिकॉर्ड तोड़ा। राधा यादव ने 64 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (48) रनों की पारी खेली। वहीं साइमा ठाकोर ने 54 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 29 रन बनाये। 44वें ओवर में जस केर ने साइमा ठाकोर को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद 48वें ओवर में राधा यादव के आउट होने के साथ 183 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत हो गया।

न्यूजीलैंड की ओर से सोफी डिवाइन और लिया तहुहू ने तीन-तीन विकेट लिये। जेस केर और ईडन कार्सन ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने भारत को जीत के लिए 260 रनों का लक्ष्य दिया था। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी सूजी बेट्स जॉर्जिया पलिमर की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़े। 16वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने जॉर्जिया पलिमर (41) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद प्रिया मिश्रा ने अपने पर्दापण मैच में लौरेन डाउन (तीन) को रनआउट किया। 27वें ओवर में राधा यादव ने सूजी बेट्स (58) को अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान सोफी डिवाइन ने एक छक्का और सात चौके लगाते हुए (79) रनों की पारी खेली। मैडी ग्रीन ने 42 गेंदों में 41 रन बनाये।

इसके बाद तो भारतीय गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड के किसी भी बल्लेबाज के टिकने नहीं दिया। ब्रूक हैलिडे (8), इसाबेला गेज (11), जेस केर (12), लिया तहुहू (शून्य), ईडन कार्सन (एक) रन बनाकर आउट हुई। न्यूजीलैंड की पूरी टीम 50 ओवर में नौ विकेट पर 259 का स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से राधा यादव ने चार विकेट लिये। दीप्ति शर्मा को दो विकेट मिले। साइमा ठाकोर, प्रिया मिश्रा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिपः

चिराग चिकारा ने जीता स्वर्ण, भारतीय पहलवानों ने नौ पदक के साथ समाप्त किया अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। चिराग पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश कर रहे हैं और उन्होंने किर्गिस्तान के अब्दिमलिक काराचोव को करीबी फाइनल मुकाबले में 4-3 के अंतर से हराया। चिराग पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत के बाद दूसरे भारतीय पुरुष पहलवान हैं जिन्होंने अंडर-23 चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है।

पहलवान चिराग चिकारा ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। चिराग तीसरे भारतीय जो इस टूर्नामेंट के चैंपियन बनकर उभरे हैं। भारत ने इस तरह कुल नौ पदकों के साथ इस आयु वर्ग के टूर्नामेंट में अपना अभियान समाप्त किया।

चिराग पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश कर रहे हैं और उन्होंने किर्गिस्तान के अब्दिमलिक काराचोव को करीबी फाइनल मुकाबले में 4-3 के अंतर से हराया। चिराग पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत के बाद दूसरे भारतीय पुरुष पहलवान हैं जिन्होंने अंडर-23 चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है।

सहरावत ने 2022 में इस प्रतियोगिता के इसी वजन वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि रीतिका हुडा पिछले साल 76 किग्रा वर्ग में जीत दर्ज करके टूर्नामेंट में

स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। रवि कुमार दहिया ने 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। चिराग ने फाइनल में पहुंचने से पहले प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में गौकोटो ओजावा को 6-1 से, अंतिम आठ चरण में इयुनुस इवबातीरोव को 12-2 से और सेमीफाइनल में एलन ओरलबेक को 8-0 से हराया। पुरुषों की फ्रीस्टाइल श्रेणी में भारत के पदकों में दो कांस्य पदक भी शामिल हैं। इससे वह 82 अंक लेकर टीम तालिका में ईरान (158), जापान (102) और अजरबैजान (100) से पीछे चौथे स्थान पर है। भारत ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल में दो और कांस्य पदक जीते, जिससे इस वर्ग में देश के पदकों की संख्या चार हो गई।

विक्की ने पुरुषों की 97 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता और यूक्रेन के यूरोपीय जूनियर चैंपियन इवान प्राइमाचेंको को 7-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। विक्की ने पहले दौर में जॉर्जिया के मेरब सुलेमानिश्विली को और क्वार्टरफाइनल में मोल्दोवा के राडू लेफ्टर को हराया था लेकिन सेमीफाइनल में वह ईरान के महदी हाजीलोइयन मोराफा से हार गए थे। पुरुषों की 70 किग्रा फ्रीस्टाइल में सुजीत कलकल ने 0-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ताजिकिस्तान के मुस्तफो अखमेदोव को 13-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। सुजीत ने पहले दौर में जॉर्जी एंटोनोव ज़िज़गोव को 10-0 से, प्री-क्वार्टर में तुग्सजर्गल एर्डेनेबैट को 7-4 से और क्वार्टर फाइनल में नारेक पोहोसियन को 6-1 से हराया था, लेकिन सेमीफाइनल में वह मैगोमेद बसिहर खानिएव से 4-8 से हार गए थे।

22 नवंबर को रिलीज होगी अभिषेक बच्चन की नई फिल्म आई वांट टू टॉक

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन वापसी के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। 2023 में रिलीज हुई फिल्म घूमर में अभिषेक आखिरी बार नजर आए थे। अभिषेक की आगामी फिल्म आई वांट टू टॉक है। फिल्म का रोमांचक और अद्भुत टीजर कुछ ही देर पहले यूट्यूब पर जारी किया गया। फिल्म के टीजर में अभिषेक नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि, कार के डेक पर एक स्टैच्यू रखा है, जिसका सर लगातार हिलता दिखाई दे रहा है। इसके पीछे से अभिषेक का वॉइस ओवर सुनाई दे रहे है। अभिषेक ने टीजर में वॉयसओवर के लिए अपनी आवाज भी दी है। वॉयसओवर में, वह कहते हैं, मुझे सिर्फ बात करना पसंद नहीं है। मैं बात करने के लिए जीता हूं। जिंदा होने में और मरने में बस यही एक बात का अंतर दिखाई देता है। जिंदा लोग बोल पाते हैं और मरे हुए लोग बोल नहीं पाते। टीजर का आखिर में फिल्म का शीर्षक सामने आता है। यूट्यूब के अलावा अभिषेक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भी फिल्म का टीजर साझा किया है।

यूट्यूब पर फिल्म का टीजर जारी किया गया। टीजर के आखिर में फिल्म के कलाकारों का भी पता चला। अभिषेक मुख्य भूमिका में हैं, फिल्म में अहिल्या बामरू, जॉनी लीवर, जयंत कृपलानी, पियरले डे और क्रिस्टिन गोडार्ड नजर आएंगे। आई वांट टू टॉक के अद्भुत टीजर को अभिषेक के प्रशंसकों की लगातार प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं विक्की कौशल ने भी फिल्म के टीजर की बड़ी सराहना की है। विक्की ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर टीजर साझा किया और लिखा, शूजित दा का जादू! टीजर पसंद आया। शीर्षक पसंद आया और... एबी का इंतजार नहीं कर सकता! बता दें अभिषेक और विक्की ने मनमर्जियां में साथ काम किया था। आई वांट टू टॉक अभिषेक और शूजित की पहली साथ में फिल्म है। हालांकि, शूजित ने अभिषेक के पिता, अभिनेता अमिताभ बच्चन के साथ पीकू (जिसमें शूजित सरकार सह-लेखक थे) और गुलाबो सिताबो में काम किया है। आई वांट टू टॉक 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैं फिल्म में क्रिएटिवली ज्यादा शामिल होना चाहती थी इसीलिए प्रड्यूसर बनने का मन बनाया

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन जल्द ही फिल्म दो पत्ती में नजर आएंगी। इस फिल्म में उन्होंने डबल रोल निभाया है। उन्होंने हमारे साथ बातचीत में बताया कि लॉकडाउन के दौरान ही उन्हें बिजनेस करने का ख्याल आया था। इसीलिए अब वो प्रोडक्शन की दुनिया में भी हाथ आजमा रही हैं।

ऐक्टिंग में इस साल एक दशक पूरे करने साथ ही अब आप बिजनेस और फिल्म प्रॉडक्शन में भी उतर चुकी हैं। इन अलग-अलग क्षेत्रों में हाथ आजमाने का ख्याल कैसे आया?

ऐसा नहीं है कि मेरे दिमाग में आया कि अभी ऐक्टिंग में इतने साल हो गए तो मुझे कुछ और करना चाहिए। हमें कभी किसी चीज की ओर अचानक से जुड़ाव महसूस होता है। जैसे बिजनेस का ख्याल मेरे दिमाग में लॉकडाउन में आया। मैं सोचती हूं कि बचपन में जब कोई पूछता था कि बडे होकर क्या बनना है तो जवाब एक ही क्यों होता था! हम बहुत कुछ कर सकते हैं ना, बहुत कुछ बन सकते हैं।

फिल्म दो पत्ती में डबल रोल के अलावा को-प्रड्यूसर की भूमिका निभाने के पीछे भी क्या यही सोच रही?

मैं असल में ऐसे दौर में थीं जहां मैं फिल्म में सिर्फ ऐक्टर के बजाय क्रिएटिवली और ज्यादा शामिल होना चाहती थी। जब मैं मिमी कर रही थी, तब मुझे यह अहसास हुआ। उस फिल्म से मैं इमोशनली और कई तरीके से इतना जुड़ गई थी कि उसके हर पहलू का हिस्सा बनना चाहती थी। तब मैंने प्रड्यूसर बनने का मन बनाया। दूसरे, बहुत मुश्किल से आपके पास ऐसी स्क्रिप्ट आती है जिसमें आपको इतने गहरे और इंटेंस लेवल पर परफॉर्म करने को मिले तो मैं ऐसा कोई रोल तलाश भी रही थी जो मुझे मिल नहीं रहा था।

कनिका के मुताबिक, औरतें जब साथ आती हैं तो कमाल करती हैं। आपकी इस पर क्या राय है? आपके हिसाब से औरतें साथ में कैसे एक-दूसरे को सशक्त बनाती हैं?

मैं कनिका से बिल्कुल सहमत हूं। मेरा मानना है कि जो आप अपने घर में देखते हैं, अपनी मां को करते हुए देखते हैं, वह आपकी पर्सनैलिटी को बनाता है। मैंने हमेशा यही देखा कि मेरी मॉम और डैड दोनों काम करते हैं। दोनों साथ मिलकर फैसले लेते हैं। ऐसा नहीं था कि मेरी मां घर में मेरे डैड से किसी मायने में कम थीं।

फिल्म में आप पहली बार डबल रोल कर रही हैं और ये दोनों भूमिकाएं एक-दूसरे से और चुनौतीपूर्ण हैं। एक ही समय में इन दोनों पर्सनैलिटीज में खुद को ढालने के लिए क्या तरकीब अपनाई?

मेरे लिए सबसे जरूरी इन दोनों पर्सनैलिटीज को समझना था कि मैं उनको एक-दूसरे से अलग कैसे कर सकती हूं क्योंकि ये बहनें हैं। ऐसा नहीं है कि वे बचपन में बिछड़ गई हैं और बाद में मिली। वे एक ही घर में, एक ही परिवार के साथ रही हैं, उनकी परवरिश एक है, फिर भी उनके बीच अंतर क्या है? मुझे वह खोजना था और अंतर होता है। जैसे, मैं और मेरी बहन भी अलग है, एक ही सिचुएशन में हम दोनों का रिएक्शन बहुत अलग होता है। उसे गुस्सा बहुत आता है, मुझे नहीं आता है तो इन चीजों को पकड़ा। उसके हिसाब से उनकी चाल-ढाल, एक्सप्रेशन में बदलाव लाया। इन बहनों के बीच दुश्मनी भी है, वह क्यों है? यह साइकॉलजी समझना मुश्किल था, पर इसी का मजा था।

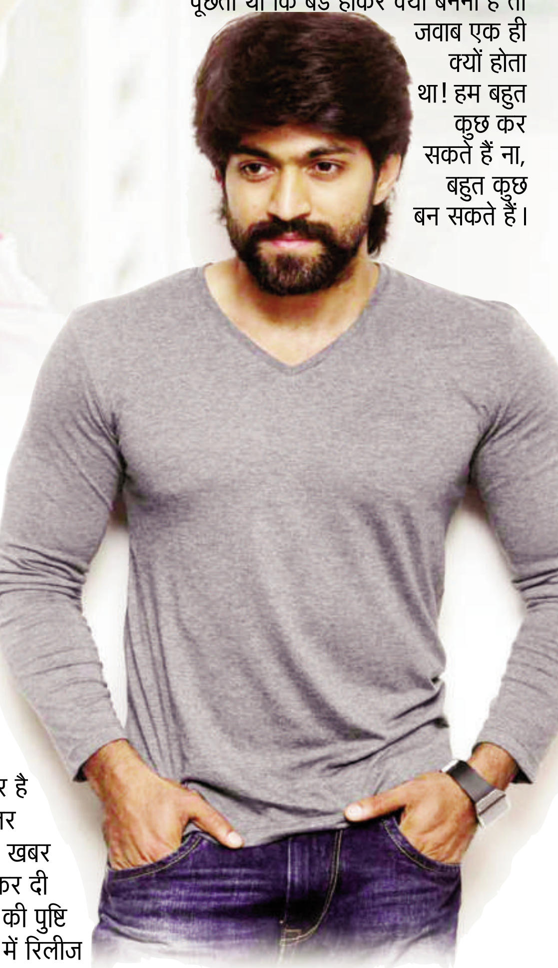

टल गई यश की फिल्म टॉक्सिक की रिलीज डेट

अभिनेता यश की आगामी फिल्म टॉक्सिक का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और इससे जुड़ी हर खबर पर उनकी नजर रहती है। बीते दिनों इस फिल्म को लेकर खबर आई थी कि इसकी रिलीज डेट स्थगित कर दी गई है। अब खुद रॉकी भाई ने इस खबर की पुष्टि कर दी है। टॉकिस्क पहले अप्रैल 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

अप्रैल में रिलीज नहीं होगी फिल्म

कन्नड़ सुपरस्टार यश ने हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में इस बात को आधिकारिक रूप से कंफर्म किया है कि टॉक्सिक अप्रैल में रिलीज नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि शूटिंग शुरू होने से पहले फिल्म की रिलीज डेट का एलान जल्दबाजी में कर दिया गया था। इसे लेकर अभिनेताओं के शेड्यूल पर विचार नहीं हो पाया। फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होनी थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

ये सितारे भी आएंगे नजर

फिल्म टॉक्सिक का एलान बीते वर्ष रिलीज डेट के साथ ही किया गया था। इस फिल्म में यश के अलावा नयनतारा, कियारा आडवाणी और हुमा कुरैशी जैसे चर्चित सितारे भी नजर आएंगे। यह मेगा बजट फिल्म है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

यह ऑस्कर विजेता कंपनी करेगी वीएफएक्स का काम

नई रिलीज डेट को लेकर जब यश से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वे फिलहाल इसका एलान नहीं करना चाहते। कुछ वक्त में वे आधिकारिक रूप से चीजों को सामने पेश करेंगे। यश ने यह भी कहा कि टॉक्सिक का वीएफएक्स का काम ऑस्कर और नेशनल अवॉर्ड विजेता कंपनी ष्ठहृश्वत्र करने जा रही है।

रोलेक्स किरदार की लोकप्रियता को सूर्या ने बताया अप्रत्याशित

सूर्या इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कंगुवा के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उनकी और बॉबी देओल के अभिनय वाली ये फिल्म इस साल की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अभिनेता के फैंस बेसब्री से इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा फैंस उन्हें रोलेक्स के किरदार में भी देखने को लेकर काफी उत्सुक हैं। सूर्या साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म विक्रम में रोलेक्स के किरदार में कैमियो करते नजर आए थे। हाल में ही अभिनेता ने अपने इस कैमियो को लेकर बात की है। सूर्या ने साल 2022 में दिग्गज अभिनेता कमल हासन की फिल्म विक्रम में रोलेक्स के किरदार में नजर आए थे। साउथ के मशहूर निर्देशक लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके कैमियो किरदार की काफी चर्चा हुई थी। अभिनेता इस किरदार में काफी खूंखार और क्रूर नजर आए थे। इस पर बात करते हुए अभिनेता ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके इस कैमियो को इतने व्यापक तरीके से पसंद किया जाएगा। अभिनेता ने इसमें जोड़ते हुए बताया कि उन्होंने इसके लिए पूरे एक दिन की भी शूटिंग नहीं की थी।

आलिया भट्ट की ब्रांड वैल्यू को करारा झटका 'जिगरा' के फ्लॉप होने के दिखने लगे साइड इफेक्ट्स

फिल्म 'कलंक' के बाद से एक ब्लॉकबस्टर सुपरहिट फिल्म का इंतजार कर रही आलिया भट्ट के लिए उनकी ताजातरीन फिल्म 'जिगरा' करारा झटका साबित हुई है। ब्रांड बाजार में अपनी स्थिति सुधारने के लिए अब उनके पास लंबे समय तक कोई दूसरी फिल्म भी नहीं है। इन दिनों उनकी सिर्फ एक फिल्म 'अल्फा' ही निर्माणाधीन है और इसकी रिलीज अगले साल के आखिर में होने वाली है। उनकी तीन-चार फिल्में लंबे समय से चर्चा में हैं, लेकिन इनमें से किसी की भी शूटिंग हाल फिलहाल शुरू होती नहीं दिख रही है।

साल 2019 तक आलिया भट्ट का करियर शानदार रफ्तार में चला। 'उड़ता पंजाब', 'डियर जिंदगी', 'बदरीनाथ की दुल्हनिया', 'राजी' और 'गली बॉय' जैसी पांच बैक टू बैक हिट फिल्में देकर आलिया ने अपनी पोजीशन हिंदी सिनेमा की नंबर वन हीरोइन की कुर्सी पर पक्की की ही थी कि धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'कलंक' ने उनकी इस रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। उसके बाद से लगातार आलिया संघर्ष कर रही हैं। 'कलंक' के बाद इस बीच आलिया ने 'ब्रह्मास्त्र' और 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' जैसी धर्मा प्रोडक्शंस की दो और फिल्मों में काम किया और इन फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर फिल्म 'जिगरा' की तरह ही खूब चर्चाएं होती रहीं।

इस बीच उनकी फिल्म 'सड़क 2' सुपरफ्लॉप रही। 'गंगूबाई काठियावाड़ी' किसी तरह निर्माता जयंती लाल गडा के आर्थिक सहयोग से सिनेमाघरों तक पहुंची और टिकट खिड़की पर औसत कारोबार ही कर सकी। उनकी दो फिल्में सीधे ओटीटी पर प्रसारित हुई, जिसमें फिल्म 'डार्लिंग्स' को मिली जुली प्रतिक्रिया मिली। लोगों को इसमें आलिया भट्ट और शेफाली शाह का काम तो खूब पसंद आया लेकिन विजय वर्मा की मौजूदगी ने और उनके एकरस अभिनय ने फिल्म को नुकसान भी पहुंचाया। 'हार्ट ऑफ स्टोन' कब आई और कब चली गई, लोगों को अब याद भी नहीं है।

एस एस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' के जरिये आलिय भट्ट ने साउथ सिनेमा में प्रवेश करने की कोशिश की है। इस फिल्म के सेट पर उनकी जूनियर एनटीआर से बनी दोस्ती ने फिल्म 'वॉर 2' का रास्ता खोला। आलिया और उनके करीबी निर्देशक अयान मुखर्जी के बीच जूनियर एनटीआर को लेकर जो खिचड़ी पकी, उसी से 'अल्फा' का भी जन्म हुआ। लेकिन, अब 'जिगरा' के फ्लॉप हो जाने के बाद आलिया का एक्शन अवतार 'अल्फा' में दर्शकों को पसंद आएगा भी या नहीं, इसे लेकर यशराज फिल्म्स में अभी से बहसें होने लगी हैं।

आलिया भट्ट ने 'जिगरा' से जो उम्मीदें लगा रखी थीं, वे इसी कहानी पर बनी फिल्म 'सावि' से निराश हुए दर्शकों के चलते पूरी नहीं हुईं। उनकी पीआर टीम ने 'जिगरा' को एक बढ़िया फिल्म बताने की कोशिश पूरी की लेकिन अब फिल्म के निर्देशक वासन बाला ने फिल्म के न चलने की जिम्मेदारी खुद ले ली है। उनका कहना है कि किसी फिल्म को वांछित बॉक्स ऑफिस आंकड़ों तक लाना निर्देशक की जिम्मेदार है। वासन ने अपना एक्स अकाउंट भी इसके बाद से बंद कर लिया है। आलिया की घोषित फिल्मों में 'लव एंड वॉर' की शूटिंग अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गई है। 'इंशाअल्लाह' को लेकर संजय लीला भंसाली के दफ्तर में चूं तक नहीं हो रही और 'ब्रह्मास्त्र 2' पर काम जियो स्टूडियोज और फॉक्स स्टार स्टूडियो के बीच हुई डील पूरी होने तक रुका रहेगा।

बिहार का फर्जी IPS अब बन गया 'हीरो', यूट्यूब पर रिलीज हुआ फिल्म का ट्रेलर

पटना :- बिहार के मिथिलेश मांझी, जिन्होंने आईपीएस की वर्दी पहनकर फजीवाड़ा किया था, एक बार फिर से सुर्खियों में आ गए हैं। अब वह एक नई पहचान के साथ सामने आए हैं। मिथिलेश मांझी ने अपनी कहानी को फिल्मों के जरिये लोगों के सामने रखने का निर्णय लिया है।

मिथिलेश मांझी की फजीवाड़े की कहानी

मिथिलेश मांझी का नाम पहली बार तब चर्चा में आया था जब उन्होंने आईपीएस अधिकारी की वर्दी पहनकर लोगों को धोखा दिया। उन्होंने न केवल वर्दी पहनी बल्कि फर्जी दस्तावेज और पहचान पत्र भी बनाए। उनकी इस हरकत से कई लोग प्रभावित हुए और उन्हें एक असली अधिकारी मानने लगे। मिथिलेश ने इस फर्जी पहचान का उपयोग कर कई सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाया और आम जनता को भ्रमित किया।

फजीवाड़े की पोल खुलना

मिथिलेश मांझी की फजीवाड़े की पोल तब खुली जब एक वरिष्ठ अधिकारी ने

उनकी पहचान पर शक जताया। इसके बाद की जांच में पता चला कि मिथिलेश मांझी असली आईपीएस अधिकारी नहीं हैं। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की। मिथिलेश का यह कृत्य न केवल बिहार बल्कि पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया।

मिथिलेश मांझी की नई पहल

अब मिथिलेश मांझी ने अपनी इस कहानी को एक फिल्म के माध्यम से पेश करने का निर्णय लिया है। उनकी नई फिल्म 'फर्जी आईपीएस' का ट्रेलर यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है। इस ट्रेलर में उनकी फजीवाड़े की कहानी को दिखाया गया है और कैसे वह कानून की नजरों में आए, यह भी बताया गया है।

फिल्म 'फर्जी आईपीएस' का ट्रेलर यूट्यूब पर रिलीज

मिथिलेश मांझी अब हीरो बनने की राह पर निकल पड़े हैं। उनकी नई फिल्म 'फर्जी आईपीएस' का ट्रेलर यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है। यह ट्रेलर लोगों के बीच काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। ट्रेलर में मिथिलेश की फजीवाड़े की कहानी को दिखाया गया है और कैसे वह कानून की नजरों में आए, यह भी बताया गया है।

फिल्म की रिलीज डेट और अन्य जानकारी

फिल्म 'फर्जी आईपीएस' 4 नवंबर को यूट्यूब पर ही रिलीज होगी। इससे पहले मिथिलेश मांझी का एक गाना भी यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है, जिसने काफी लोकप्रियता हासिल की थी। मिथिलेश मांझी की इस नई पहल ने लोगों के बीच उनकी चर्चा और बढ़ा दी है।

मिथिलेश मांझी की यात्रा

मिथिलेश मांझी ने फर्जी आईपीएस अधिकारी बनकर काफी समय तक लोगों को धोखा दिया था। उनकी इस हरकत की पोल खुलने के बाद उन्हें कानून का सामना करना पड़ा। अब वह अपने जीवन की इस कहानी को एक नई दिशा में ले जा रहे हैं और फिल्म के माध्यम से अपनी कहानी को सबके सामने प्रस्तुत कर रहे हैं।

फिल्म 'फर्जी आईपीएस' की संभावनाएं

फिल्म 'फर्जी आईपीएस' की कहानी वास्तविक घटनाओं पर आधारित होने के कारण लोगों में इसके प्रति विशेष रुचि देखी जा रही है। मिथिलेश मांझी की इस फिल्म के माध्यम से उनकी यात्रा और उनके फजीवाड़े की कहानी को जानने का मौका मिलेगा। फिल्म की सफलता के बारे में अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन ट्रेलर की चर्चा और मिथिलेश की कहानी की वजह से यह फिल्म लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो सकती है।

इस प्रकार मिथिलेश मांझी, जिन्होंने एक समय में फजीवाड़े से सुर्खियां बटोरी थीं, अब एक नई पहचान के साथ सामने आ रहे हैं। उनकी कहानी और उनकी फिल्म 'फर्जी आईपीएस' के प्रति लोगों की उत्सुकता यह दशार्ती है कि सच और झूठ के बीच की यह दास्तान लोगों को काफी प्रभावित कर रही है।

शालिनी यादव बिहार की बिटिया का बॉलीवुड में धमाका

यदुकुल की बिटिया शालिनी यादव एक बार फिर बिहार का नाम ऊंचा करने के लिए तैयार हैं। शालिनी, जिन्होंने पहले ही साउथ इंडियन सिनेमा में अपनी पहचान बनाई है, ने हाल ही में बॉलीवुड में कदम रखने का निर्णय लिया है।

सूत्रों के अनुसार, शालिनी यादव ने दो साउथ फिल्में साइन की हैं और अब उन्होंने अक्षय कुमार के साथ एक बॉलीवुड फिल्म साइन की है। यह खबर बिहार के लिए गर्व का विषय है, क्योंकि शालिनी की मेहनत और लगन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है।

शालिनी यादव का करियर साउथ फिल्म इंडस्ट्री से शुरू हुआ था, जहाँ उन्होंने कई सफल फिल्में कीं। उनकी अभिनय क्षमता और मेहनत ने उन्हें दर्शकों के बीच एक खास जगह दिलाई। अब, अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारे के साथ काम करके, शालिनी बिहार के

युवा कलाकारों के लिए एक प्रेरणा बन गई हैं।

इस अवसर पर, सभी को शालिनी यादव को बधाई देने का मन करता है। उनकी सफलता न केवल उनके लिए, बल्कि बिहार के सभी प्रतिभाशाली कलाकारों के लिए एक प्रेरणा है। हम उम्मीद करते हैं कि शालिनी अपनी आने वाली फिल्म में भी अपने अभिनय का जादू बिखेरेंगी और बिहार का नाम रोशन करेंगी।